

साइबर सुरक्षा



Bank joins hands with BNP Paribas for MF venture



On 14th March 2022, our Bank and BNP Paribas Asset Management entered into a strategic partnership by combining the strengths of their respective asset management businesses in India, to form 'Baroda BNP Paribas Mutual Fund'. Our MD & CEO Shri Sanjiv Chadha, Shri David Vaillant, Global Head of Finance, Strategy & Participations, BNP Paribas Asset Management, Shri Suresh Soni, CEO of the merged entity & other dignitaries were present on the occasion.

Bank enters into MoU with the Institute of Company Secretaries of India (ICSI)

On 6th January 2022, our Bank signed an MoU with the Institute of Company Secretaries of India (ICSI) on special offers in all retail assets products (Home Loan, Auto Loan, Personal Loan, MSME Loan) exclusively for Company Secretaries at 49th National Convention of Company Secretaries held at Bengaluru. Shri Sudhakara D Nayak A, General Manager, Zonal Head, Bengaluru Zone, Shri Nagendra D Rao, President of ICSI and other dignitaries were present on the occasion.



Bank ropes in Cricket Sensation Ms. Shafali Verma As Brand Endorser



On 4th January 2022, our Bank announced signing of Indian Cricketer Ms. Shafali Verma as brand endorser. In a welcome result of her consistent outstanding performance in the Women's cricket for India, the Bank has signed contract with the ace Cricketer. Ms. Shafali Verma, along with MD & CEO Shri Sanjiv Chadha, Executive Directors Shri Ajay K Khurana, Shri Vikramaditya Singh Khichi, Shri Debadatta Chand, Shri Joydeep Dutta Roy and other dignitaries, launched the Bank's presence on Quora.



प्रबंध निदेशक एवं
मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश
Managing Director
& Chief Executive Officer's Message

प्रिय साथियो,

पत्रिका के नवीनतम अंक के माध्यम से आपसे संवाद करना मेरे लिए हमेशा से सुखद रहा है. इस कॉलम के माध्यम से मुझे बैंक की प्रमुख पहलों, प्राथमिकताओं के संबंध में अपने विचार साझा करने का अवसर प्राप्त होता है.

नैतिकता एवं नैतिकतापूर्ण आचरण एक व्यक्ति के साथ-साथ एक संगठन के लिए भी अत्यधिक महत्वपूर्ण है. सांगठनिक नैतिकता का संबंध संगठन को सामान्य रूप से संचालित करने तक ही सीमित नहीं बल्कि संगठन को प्रत्येक दृष्टि से उत्कृष्ट बनाने से है. नैतिकता, संगठन में हमारी कार्य प्रणाली को बेहतर बनाने के साथ हमारे भविष्य का मार्ग प्रशस्त करती है और हमें निष्पक्षता के साथ कार्य करने के लिए बल प्रदान करती है. नैतिकता के रास्ते पर चलना सदैव ही एक बेहतर विकल्प होता है. संगठन में नैतिकता के माध्यम से अपने हितधारकों की अपेक्षाओं के अनुरूप नैतिक आचरण के सर्वोच्च मानकों को प्राप्त करने के साथ-साथ अपने व्यावसायिक लक्ष्यों को भी सहजता से पूरा किया जा सकता है. संगठन की लाभप्रदता का भी नैतिकता के साथ गहरा नाता है. इससे समाज में संगठन की दीर्घकालिक ब्रांड इकट्टी को विकसित करने में मदद मिलती है जिससे अंततः व्यवसाय और लाभ में वृद्धि होती है. अपने ग्राहकों को उनकी आवश्यकताओं के आधार पर सर्वश्रेष्ठ उत्पाद और सेवाएं उपलब्ध कराने के प्रति पूरी ईमानदारी, जबाबदेही, पारदर्शिता, विश्वसनीयता से हम ग्राहक संतुष्टि से आगे बढ़कर ग्राहक आनंद की संभावनाएं पैदा करते हैं.

नैतिकतापूर्ण आचरण व्यक्ति एवं संस्थान दोनों में ही विश्वसनीयता लाते हैं, फलस्वरूप उनके प्रति भरोसे में वृद्धि होती है. बैंकिंग जैसे संस्थान के लिए विश्वास एवं भरोसा सबसे महत्वपूर्ण घटक हैं. ग्राहकों के विश्वास एवं भरोसे पर ही बैंकिंग व्यवसाय का आधार टिका हुआ है. अतः आवश्यक है कि इस पहलू पर विशेष ध्यान देते हुए कार्रवाई की जाए. आपका बैंक उन अग्रणी बैंकों में से एक है जिसने नैतिकतापूर्ण आचरण के संस्थानिक महत्त्व को गंभीरता से समझा है और इस दृष्टि से महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं. हमने वर्ष 2017

Dear Friends,

It has always been a pleasure for me to interact with you through the latest issue of the magazine. Through this column, I get an opportunity to share my views on key initiatives and priorities of the Bank.

Ethics and ethical conduct are of utmost importance for an individual as well as for an organization. Organizational ethics is not only limited to improving the general functioning of an organization but it creates enabling environment for the organization to excel in all respect. Ethics improve work culture of the organization and pave the way for its bright future and guide to work with impartiality. It is always a better option to follow the path of ethics. With the help of ethics, we can achieve the highest standards of ethical conduct in the organization in line with the expectations of its stakeholders and also achieve our business goals easily. The profitability of the organization is also closely associated with ethics and ethical conduct. It helps to develop enduring brand image of the organization in the society which ultimately leads to increased business and profitability. With utmost honesty, responsibility, transparency, credibility towards providing best products and services to our customers based on their needs, we create an ecosystem which encourages to go beyond customer satisfaction and create customer delight.

Ethical conduct brings credibility to both, an individual as well as an organization, resulting into increased trust. Trust and reliability are the most important components for an institution like banking. The banking business rests on the trust and confidence of the customers. Therefore, it is necessary to pay special attention to this aspect. Your Bank is one of the leading Banks which has seriously understood the institutional importance of ethical

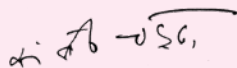
में बैंक के बुनियादी मूल्य सत्यनिष्ठा, ग्राहक केंद्रीयता, साहस, उत्साहपूर्ण स्वामित्व, नवोन्मेषिता एवं उत्कृष्टता निर्धारित किए। इसी प्रक्रिया में आगे बढ़ते हुए अगस्त, 2021 माह में कार्पोरेट नैतिकता विभाग की स्थापना की और दिनांक 21.05.2022 को बेंगलुरु में आयोजित वार्षिक व्यवसाय सम्मेलन के दौरान 'हमारी नैतिक आचरण संहिता' की शुरुआत की। बैंक में बुनियादी मूल्यों को स्थापित करने और नैतिकता को बढ़ावा देने के लिए हमारे बैंक द्वारा तैयार की गई "हमारी नैतिक आचरण संहिता" बैंक की एक अभूतपूर्व पहल है।

बैंक की सेवाओं का लक्ष्य हमारे ग्राहकों एवं हितधारकों के जीवन में गुणात्मक बदलाव लाना है। अतः यह अनिवार्य है कि हम हर समय नैतिकतापूर्ण आचरण के पवित्रतम स्वरूप का प्रदर्शन करें। हमारी नैतिक आचरण संहिता में हमारे सहकर्मियों, ग्राहकों, अन्य हितधारकों आदि के साथ किए जाने वाले व्यवहारों के लिए मार्गदर्शी नीति निर्धारित की गई है। साथ ही इसमें हमारे साथ कार्य करने वालों से हमारी अपेक्षाएं भी निर्धारित की गई हैं। उनसे हमारी यह अपेक्षा है कि वे इस तथ्य को समझें कि यह संहिता हमारे द्वारा किए जाने वाले हर कार्य का आधार है और हमारे साथ काम करने के लिए उन्हें भी इस संहिता के मूल सिद्धांतों के अनुरूप कार्य करना होगा। हमारी नैतिक आचरण संहिता यह बताती है कि हममें से प्रत्येक अपने द्वारा किए गए कार्यों हेतु स्वयं जिम्मेदार है और यह भी कि नैतिकता के रास्ते पर चलना हमेशा सबसे अच्छा विकल्प होता है।

'हमारी नैतिक आचरण संहिता' बैंक में बुनियादी मूल्यों को स्थापित करने और नैतिकता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। यह नैतिक आचरण संहिता अपेक्षाओं से कहीं बढ़कर है जो कर्मचारियों के साथ-साथ ग्राहक केंद्रित भी है और हितधारक केंद्रित दृष्टिकोण पर आधारित है। नैतिक आचरण संहिता में बैंक के बुनियादी मूल्यों के साथ-साथ अनुकूल एवं प्रतिकूल व्यवहारों को उदाहरणों के साथ स्पष्ट किया गया है। इस संहिता का उद्देश्य संगठन में अनैतिक प्रथाओं के विरुद्ध अपनी आपत्तियों को व्यक्त करने की संस्कृति को बढ़ावा देना है और कर्मचारियों, ग्राहकों, आपूर्तिकर्ताओं, वेंडरों, भागीदारों, एजेंटों, प्रतिनिधियों और बैंक की ओर से कार्य करने वाले अन्य लोगों को हमसे अपेक्षित नैतिक आचरण के सिद्धांतों को स्पष्ट रूप से उपलब्ध कराना है। हमें इस संहिता में शामिल सभी बातों का अक्षरशः पालन करना चाहिए तथा नैतिकतापूर्ण आचरण करने के संबंध में कभी भी कोई प्रश्न एवं दुविधा की स्थिति पैदा हो तो हमें इसका संदर्भ अवश्य लेना चाहिए।

मुझे पूरा विश्वास है कि आप बैंक की उन्नति के लिए कार्य करते हुए हमारी नैतिक आचरण संहिता के सिद्धांतों का निरंतर पालन करेंगे और बैंक को देश के सर्वाधिक भरोसेमंद बैंक के रूप में स्थापित करेंगे।

शुभकामनाओं सहित,



संजीव चड्ढा

conduct and has taken important steps in this regard. We had set Integrity, Customer Centricity, Courage, Passionate Ownership, Innovation and Excellence as our Bank's core values in the year 2017. Moving ahead, in the month of August, 2021, the Corporate Ethics Department was established and 'Our Code of Ethics' was launched during the Annual Business Conference held on 21.05.2022 at Bengaluru. With an objective to imbibe core values and promote ethics in the organization, the Bank has taken a landmark initiative in the form of "Our Code of Ethics".

The objective of banking services is to bring qualitative changes in the lives of customers and stakeholders. It is, therefore, imperative for us to demonstrate the most pious ethical conduct at all times. Our Code of Ethics describes guiding policy for dealing with our colleagues, customers, other stakeholders etc. Apart from this, our expectations from people who work with us have also been defined in it. We expect them to understand the fact that this Code is the basis of our each and every function and they must also act in accordance with the core principles of this Code while dealing with us. As per 'Our code of ethics' each one of us is responsible for our actions and also that it will be always the best option to follow the path of ethics.

'Our Code of Ethics' focuses on inculcating the core values and promoting ethics in the Bank. This code of ethics is all-encompassing and having focus on employee as well as customers and is based on stakeholder centric approach. Under the Code of Ethics the core values of the Bank as well as conforming and non-conforming behaviours have been defined with examples. The objective of this Code is to promote a culture of speaking up against unethical practices in the organization and to clearly define the ethical conducts expected from employees, customers, suppliers, vendors, partners, agents, representatives and others who act on behalf of the Bank. We should follow this code in letter and spirit and we must refer to it in case of any question or dilemma regarding ethical conduct.

I am sure that you will continuously adhere to the principles of 'Our Code of Ethics' while working for the growth of the Bank and establish the Bank as the most trusted and reliable Bank of the country.

With good wishes



Sanjiv Chadha

विषय-वस्तु प्रबंधन टीम

Content Management Team

अजय कुमार खोसला Ajay Kumar Khosla

प्रकाश वीर राठी Prakash Vir Rathi

सुब्रत कुमार Subrat Kumar

एम वी मुरलीकृष्णा M V Murali Krishna

पुरुषोत्तम Purushotam

अर्चना पाण्डेय Archana Pandey

आई वी एल श्रीधर IVL Shridhar

सुधांशु कुमार सिंह Sudhanshu Kumar Singh

रवीन्द्र सिंह नेगी Ravindra Singh Negi

कार्यकारी संपादक / Executive Editor

संजय सिंह / Sanjay Singh

संपादक / Editor

पुनीत कुमार मिश्र Punit Kumar Mishra

सहायक संपादक / Assistant Editor

महीपाल चौहान Mahipal Chauhan

सहयोग / Associate

सर्वेश कुमार तिवारी Sharvesh Kumar Tiwari

बिक्रम सिंह Bikram Singh

पत्रिका संवाददाता / Magazine Correspondents

बीसीसी	BCC	उमानाथ मिश्र
अहमदाबाद	Ahmedabad	वंदना जैन
बड़ौदा	Baroda	अमर साव
बेंगलुरु	Bengaluru	सुमी पी यू
भोपाल	Bhopal	चंदन वर्मा
चंडीगढ़	Chandigarh	मोनिका सिंह
चेन्नै	Chennai	गौरी वी एम
एर्णाकुलम	Ernakulam	नीना देवस्सी एम
हैदराबाद	Hyderabad	अमित साव
जयपुर	Jaipur	सोमेश्वर यादव
कोलकाता	Kolkata	सुमित कुमार गुप्ता
लखनऊ	Lucknow	मोहम्मद इरशाद
मंगलुरु	Mangaluru	राजेश्वरी पी
मेरठ	Meerut	दिनेश कुमार मित्तल
मुंबई	Mumbai	रेश्मा जलगांवकर
नई दिल्ली	New Delhi	पंकज वर्मा
पटना	Patna	मानिक चंद्र तिवारी
पुणे	Pune	अनुमिता सिंह
राजकोट	Rajkot	चन्द्रवीर सिंह राठौड़
एपेक्स अकादमी	Apex Academy	अमित चौधरी

बैंक ऑफ बड़ौदा के लिए प्रधान कार्यालय, बड़ौदा भवन, आर सी दत्त रोड, अलकापुरी, बड़ौदा - 390007 से संपादित एवं प्रकाशित.

ई-मेल : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

Edited and published for Bank of Baroda at Head Office, Baroda Bhavan, R C Dutt Road, Alkapuri, Baroda - 390007.

E-mail : bobmaitri@bankofbaroda.co.in

इस अंक में Contents

जनवरी-मार्च 2022 • January-March 2022



03 प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी का संदेश

06 कार्यकारी संपादक की कलम से

07 Cyber Security Elements

09 बैंकिंग में साइबर अपराधों के स्वरूप एवं सुरक्षात्मक उपाय

12 Harmony of Habit

14 भारत में साइबर कानून: प्रभावशीलता एवं सुधारों की आवश्यकता

16 Cyber Security – Do's and Don'ts

20 डिजिटल बैंकिंग की भूमिका एवं साइबर सुरक्षा

22 e-RUPI

24 डिजिटल उधार प्रणाली और भाषाओं का महत्व

32 अखिल भारतीय सेमिनार – 'बैंकिंग में साइबर अपराध'

34 चैंपियन अंचल – बड़ौदा अंचल

38 Champion Region – Solapur Region

46 Role of Training in Organisation's Growth

49 The Future of Wealth Management

50 काइर्स और साइबर अपराध

52 कहानी – शिवानी

54 Cyber Security

56 Impact of ILIP on Indian Insurance Industry

62 Champion Region – Pune City Region

66 Cyber Security – Knock. Knock.



बॉबमैत्री, बैंक ऑफ बड़ौदा के कर्मचारियों के लिए प्रकाशित की जाती है. इसमें व्यक्त विचारों से बैंक का सहमत होना आवश्यक नहीं है.

BOBMAITRI is issued for all employees of Bank of Baroda. The views expressed in it do not necessarily represent those of the Bank.

रूपांकन : सॅप प्रिंट सोल्युशन्स प्रा. लि., 28, लक्ष्मी इंडस्ट्रीयल इस्टेट, एस.एन. पथ, लोअर परेल (प), मुंबई - 400 013, महाराष्ट्र, भारत.

Designed at : SAP Print Solutions Pvt. Ltd., 28, Lakshmi Industrial Estate, S. N. Path, Lower Parel (W), Mumbai-400 013. Maharashtra, India.



कार्यकारी संपादक की कलम से / The Executive Editor Speaks

संजय सिंह, कार्यकारी संपादक | Sanjay Singh, Executive Editor

प्रिय पाठकों,

बैंक की गृह पत्रिका 'बॉबमैत्री' के इस अंक को आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यंत प्रसन्नता हो रही है। पत्रिका को बेहतर बनाने में प्रबंधन समिति और पाठक समूह से मिलने वाले सतत सहयोग/ सुझावों/ अभिमत के लिए हम उनके आभारी हैं। हरित पहल और डिजिटलीकरण को ध्यान में रखते हुए बॉबमैत्री को अपने पाठकों तक डिजिटल रूप में पहुंचाने के लिए बैंक ने बॉब अभिव्यक्ति (BOB Abhivakti) नामक ऐप तैयार किया है। इस ऐप को अपने मोबाइल पर इंस्टाल कर हमारे सेवारत और पूर्व स्टाफ सदस्य बड़ी सहजता से अपनी सुविधानुसार पात्रिका को एक्सेस कर सकते हैं।

वर्तमान में बैंक डिजिटल फर्स्ट पर अत्यधिक जोर दे रहा है और यह बैंकिंग उद्योग में प्रतिस्पर्धा में अग्रणी बने रहने के लिए अत्यंत आवश्यक भी है। डिजिटल चैनलों के माध्यम से 24x7 बैंकिंग सेवाओं की उपलब्धता ने जहां एक ओर जीवन को आसान बनाया है वहीं दिन-प्रतिदिन साइबर धोखाधड़ी के मामले भी बढ़ रहे हैं। डिजिटल बैंकिंग धोखाधड़ीकर्ताओं के लिए बड़ा आकर्षण का क्षेत्र है जिसमें आपराधिक समूह अत्याधुनिक टूल का उपयोग कर बड़ी राशि की धोखाधड़ी करते हैं। इसलिए, हमने साइबर सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं पर ज्ञानवर्धक सामग्री का समावेश करते हुए 'साइबर सुरक्षा' विषय पर पत्रिका का विशेषांक प्रकाशित करने का निर्णय लिया। हम अपने उन बड़ौदियन साथियों के भी आभारी हैं जिन्होंने अपने लेख/ आलेखों के माध्यम से इस अंक में योगदान दिया है।

हमने इस अंक में श्री उत्सव टी कौशिक का आलेख 'Cyber Security Elements' शामिल किया है जिसमें साइबर सुरक्षा के सिद्धांत और इसके प्रमुख कारकों को स्पष्ट रूप से समझाया गया है। डॉ. सत्येंद्र कुमार ने अपने आलेख 'बैंकिंग में साइबर अपराधों के स्वरूप एवं सुरक्षात्मक उपाय' में साइबर सुरक्षा के स्वरूप और बचाव के उपायों के बारे में उल्लेख किया है। सुश्री जया मिश्रा द्वारा लिखित आलेख 'भारत में साइबर कानून : प्रभावशीलता एवं सुधारों की आवश्यकता', सुश्री किरण खेतवानी का 'Cyber Security', श्री गौतम कुमार 'सागर' द्वारा लिखित आलेख 'डिजिटल बैंकिंग की भूमिका एवं साइबर सुरक्षा' और श्री अरुणकुमार पीटी का आलेख 'Cyber Security - Knock Knock' अन्य ऐसे महत्वपूर्ण आलेख हैं जो हमारे पाठकों के लिए साइबर सुरक्षा, उसके विविध पहलुओं को समझने और सुरक्षात्मक प्रबंधन के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होंगे। डॉ. प्रियंका गुप्ता के आलेख 'Harmony of Habit' हमें अच्छे गुणों को अपनी आदतों में शामिल करने के लिए प्रेरित करता है। श्री सुमित गर्ग का आलेख 'e-Rupi' कैशलेस और कॉन्टैक्टलेस पेमेंट डिजिटल सोल्यूशन के बारे में विस्तृत परिप्रेक्ष्य प्रदान करेगा। हमने इस अंक में सुश्री शिल्पा कुक्रेती का आलेख 'Role of Training in organisations Growth' और श्री चंद्रवीर सिंह राठौड़ का आलेख 'डिजिटल उधार प्रणाली और भाषाओं का महत्व' भी शामिल किया गया है। इस अंक में 'अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस' की झलकियां तथा तिमाही के दौरान बैंक के 'चैंपियन अंचल एवं चैंपियन क्षेत्र' की व्यावसायिक उपलब्धियां भी प्रकाशित की गई हैं। बैंक द्वारा 07 मार्च, 2022 को भारतीय रिजर्व बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के लिए 'बैंकिंग में साइबर अपराध' विषय पर मैसूरू (कर्नाटक) में आयोजित अखिल भारतीय सेमिनार की विस्तृत रिपोर्ट भी इस अंक में प्रकाशित की गई है।

उपर्युक्त के अलावा, इस अंक में बैंक स्तर पर आयोजित विभिन्न समारोह, कार्यक्रम, समाचार और आयोजन, पुरस्कार एवं सम्मान पर रिपोर्ट और राजभाषा कार्यान्वयन से संबंधित गतिविधियों को शामिल किया है। मुझे विश्वास है उपर्युक्त विविध सामग्री का मिश्रण पाठकों के लिए इस अंक को और अधिक रोचक बना देगा। मैं अपने साथी पाठकों से अनुरोध करता हूँ कि इस पत्रिका को गुणवत्तापरक, सूचनाप्रद एवं रोचक बनाए रखने के लिए अपनी रचनाएं और प्रतिक्रिया भेजते रहें।

शुभकामनाओं सहित,

संजय सिंह

Dear Readers,

It gives me immense pleasure to present you the issue of Bank's House Journal 'BobMaitri'. We are thankful to the Content Management Committee and readers of Bobmaitri for their constant support/ suggestions/ feedback to improve the magazine. Keeping in mind the green initiatives and digitization, the Bank has developed an app 'BOB Abhivakti' to bring BobMaitri to its readers in digital form. Our serving as well as Ex-staff members can easily access the Magazine as per their convenience by installing this app on their mobile.

Presently, the Bank is emphasizing on Digital First, which is important to stay competitive and front-runner in the Banking industry. While availability of 24x7 Banking services through digital channels has made life easier, the cases of cyber frauds are also increasing day by day. Today Digital banking has become soft target for fraudsters in which criminal groups use state-of-the-art tools to deceive large money. Therefore, we decided to publish a special issue of the magazine on 'Cyber Security' containing informative material on various aspects of cyber security. We express our gratitude to our Barodian colleagues who have contributed for this issue through their write-ups /articles.

We have included Mr. Utsav T. Kaushik's article 'Cyber Security Elements' in this issue, in which the principles of cyber security and its main factors are clearly explained. Dr. Satyendra Kumar in his article 'बैंकिंग में साइबर अपराधों के स्वरूप एवं सुरक्षात्मक उपाय' has elaborated different facets of cyber security and preventive measures. Article 'भारत में साइबर कानून : प्रभावशीलता एवं सुधारों की आवश्यकता' by Ms. Jaya Mishra, 'Cyber Security' by Ms. Kiran Khetwani, 'डिजिटल बैंकिंग की भूमिका एवं साइबर सुरक्षा' by Mr. Gautam Kumar 'Sagar' and Mr. Arunkumar's article 'Cyber Security - Knock Knock' are other important articles on the topic which our readers will definitely find very useful in understanding cyber security, its various aspects and security management. Dr. Priyanka Gupta's article 'Harmony of Habit' motivates us to adopt good habits for a blissful life. Mr. Sumit Garg's article 'e-Rupi' provides a detailed perspective about cashless and contactless payment digital solution. We have also included Ms. Shilpa Kukreti's article 'Role of Training in Organizations Growth' and Mr. Chandraveer Singh Rathor's article 'डिजिटल उधार प्रणाली और भाषाओं का महत्व' in this issue. Glimpses of 'International Women's Day' and business achievements of 'Champion Zone and Champion Region' of the Bank during the quarter have also been published in this issue. The detailed report of the All India Seminar on 'Cyber Crimes in Banking' organized by the Bank on 07th March, 2022 for Public Sector Banks, Financial Institutions and Insurance Companies at Mysuru (Karnataka) has also been published in this issue.

In addition to the above, this issue also covers various functions, programmes, news and events organized at the bank level, reports on awards & accolades and activities related to implementation of Official Language. I am sure the combination of above mentioned varied content will make this issue more interesting for the readers. I request my fellow readers to send their articles and valuable suggestions/ feedback regularly to keep this House journal qualitative, informative and interesting.

With best wishes,

Sanjay Singh

Cyber Security Elements



What is Cyber Security?

Cyber Security is the practice of protecting critical systems and sensitive information from digital attacks. Cyber Security measures are designed to combat threats against networked systems and applications, whether those threats originate from inside or outside of an organization.

Cyber criminals mainly target organizations sensitive information including customers' personally identifiable information (PII) like names, addresses, national identification numbers (e.g., Aadhaar Number) and credit/ debit card information. Compromised sensitive information often leads to a loss of customer trust, the imposition of regulatory fines and even legal action.

Organizations with a comprehensive cybersecurity strategy, governed by best practices and automated using advanced security solutions, artificial intelligence (AI) and machine learning, can fight cyber-threats more effectively and reduce the lifecycle and impact of breaches when they occur.

Elements of Cyber Security:

A strong cybersecurity strategy has layers of protection to defend against cyber-crime, including cyber-attacks that attempt to access, change or destroy data; extort money from users or the organization; or aim to disrupt normal business operations. Countermeasures should address the following aspects of cyber security:

- **Critical infrastructure security** – It mainly comprises of practices for protecting the computer systems, networks and other assets that organization relies upon for its own security and

interests, national security and/or public safety.

- **Network security** - Security measures for protecting a computer network from intruders, including both wired and wireless network connections.
- **Application security** - Processes that help protect applications operating on-premises and in the cloud. Security should be built into applications at the design stage, with considerations for how data is handled, user authentication, encryption mechanism, etc.
- **Cloud security** - Specifically, true confidential computing that encrypts cloud data at rest (in storage), in motion (as it travels to, from and within the cloud) and in use (during processing) to support customer privacy, business requirements and regulatory compliance standards.
- **Information security** - Data protection measures such as the General Data Protection Regulation that secure sensitive data from unauthorized access, exposure, or theft.
- **End-user education** - Building security awareness across the organization to strengthen endpoint security. For example, users can be trained to delete suspicious email attachments,

report phishing emails, avoid using unknown USB devices, etc.

- **Disaster recovery/business continuity planning** - Tools and procedures for responding to unplanned events such as natural disasters, power outages, or cybersecurity incidents, with minimal disruption to key operations.
- **Storage security** - Data resilience with numerous safeguards. This includes encryption and immutable and isolated data copies. These remain in the same pool so they can quickly be restored to support recovery, minimizing the impact of a cyber-attack.
- **Identity management** - Essentially, this is a process of understanding the access every individual has in an organization. As per security best practice, access should be provided on a need-to-know and least privilege basis.

Benefits of Cyber Security:

The benefits of implementing and maintaining cyber security practices include:

- Business protection against cyberattacks and data breaches.
- Protection for data and networks.
- Prevention of unauthorized user access.
- Improved recovery time after a breach.
- Protection for end users and endpoint devices.
- Regulatory compliance.
- Business continuity.
- Improved confidence in the company's reputation and trust for customers, stakeholders and employees.

Cyber Security Myths:

- **Cybercriminals are outsiders.** In reality, cybersecurity breaches are often the result of malicious insiders, working for themselves or in concert with outside hackers. These insiders can be a part of well-organized groups, backed by nation-states.
- **Risks are well-known.** In fact, the risk surface is still expanding, with thousands of new vulnerabilities being reported in old and new applications and devices. Opportunities for human error - specifically by negligent employees or contractors who unintentionally cause a data breach - keep increasing.
- **Attack vectors are contained.** Cybercriminals are finding new attack vectors all the time including operational technology (OT), Internet of Things (IoT) devices and cloud environments.
- **My industry is safe.** Every industry has its share of cybersecurity risks, with cyber adversaries exploiting the necessities of communication networks within almost every government and private-sector organization. For example, ransomware attacks are targeting more sectors than ever, including local governments

and non-profits and threats on critical infrastructure have also increased.

What are the different types of cyber security threats?

The process of keeping up with new technologies, security trends and threat intelligence is a challenging task. It is necessary in order to protect information and other assets from cyber-threats, which take many forms. Types of cyber-threats include:

- **Malware** - The term "malware" refers to malicious software variants—such as worms, viruses, Trojans and spyware—that provide unauthorized access or cause damage to a computer. Malware attacks are increasingly "fileless" and designed to get around familiar detection methods, such as antivirus tools, that scan for malicious file attachments.
- **Ransomware** is a type of malware that locks down files, data or systems and threatens to erase or destroy the data - or make private or sensitive data to the public - unless a ransom is paid to the cybercriminals who launched the attack.
- **Social engineering** is an attack that relies on human interaction to trick users into breaking security procedures to gain sensitive information that is typically protected.
- **Phishing** is a form of social engineering that tricks users into providing their own PII or sensitive information. In phishing scams, emails or text messages appear to be from a legitimate company asking for sensitive information, such as credit card data or login information.
- **Insider threats** - Current or former employees, business partners, contractors or anyone who has had access to systems or networks in the past can be considered an insider threat if they abuse their access permissions. Insider threats can be invisible to traditional security solutions like firewalls and intrusion detection systems, which focus on external threats.

- **Distributed denial-of-service (DDoS)** - A DDoS attack attempts to crash a server, website or network by overloading it with traffic, usually from multiple coordinated systems. DDoS attacks overwhelm enterprise networks via the simple network management protocol (SNMP), used for modems, printers, switches, routers and servers.
- **Advanced persistent threats (APTs)** - In an APT, an intruder or group of intruders infiltrate a system and remain undetected for an extended period. The intruder leaves networks and systems intact so that the intruder can spy on business activity and steal sensitive data while avoiding the activation of defensive countermeasures.
- **Man-in-the-middle (MitM)** is an eavesdropping attack, where a cybercriminal intercepts and relays messages between two parties in order to steal data. For example, on an unsecure Wi-Fi network, an attacker can intercept data being passed between guest's device and the network.

Conclusion:

Cyber Security is a dynamic, growing and ever-challenging field wherein users have to be proactive to detect and prevent cyber-attacks. As more and more threat vectors continuously attempt to breach the security of organizations across the globe, the role of human elements has increased manifolds in the overall cyber defence ecosystem.

In the current scenario, Cyber Security has become a collaborative effort of the organizations' cyber security teams as well as the customers and other users. Therefore, it is of utmost importance that everyone follows cyber security and cyber hygiene practices in their day-to-day activities to protect IT assets and sensitive information.

"SEC_RITY is incomplete without U"

❖❖❖



Utsav T. Kaushik

Senior Manager
Information Security Department,
BCC, Mumbai

बैंकिंग में साइबर अपराधों के स्वरूप एवं सुरक्षात्मक उपाय

'डिजिटल बैंकिंग' के अभूतपूर्व विकास ने बैंकिंग के पारंपरिक तरीकों को बदल दिया है और करोड़ों ग्राहक बैंकिंग लेन-देन करने के इन तरीकों का उपयोग कर लाभान्वित हो रहे हैं। भारत दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी इंटरनेट आबादी वाला देश है। अधिक से अधिक कनेक्टिविटी, जहां एक ओर विश्व अर्थव्यवस्थाओं के लिए एक वरदान है, वहीं दूसरी ओर इसका नकारात्मक पहलू भी है। हमारे डिजिटल समाज साइबर अपराधों के प्रति अधिक संवेदनशील हो गए हैं जो कि सीमाओं और भौगोलिक क्षेत्रों से परे हैं। सरल शब्दों में, "साइबर अपराध" ऐसे अपराध हैं जिनमें एक कंप्यूटर और एक नेटवर्क शामिल होता है।



इंटरनेट और मोबाइल बैंकिंग का उपयोग करने वाले लोगों की संख्या में वृद्धि के साथ-साथ साइबर अपराध पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ रहे हैं। साइबर अपराध की घटनाओं में क्रेडिट कार्ड धोखाधड़ी, स्पैमिंग, स्पूर्फिंग, ई-मनी लॉन्ड्रिंग, एटीएम धोखाधड़ी, फिशिंग, पहचान की चोरी और सेवा से इनकार करना शामिल है, लेकिन ये इन्हीं तक सीमित नहीं हैं। रिपोर्ट किए गए साइबर अपराधों में से अधिकांश मामले एटीएम धोखाधड़ी के हैं। नकदी और उपभोक्ता डेटा के विशाल भंडार के कारण बैंकिंग उद्योग साइबर सुरक्षा अपराधियों के निशाने पर है।

खरीदारी, किराना ऑर्डर, बिल भुगतान आदि जैसी सभी आवश्यक गतिविधियां डिजिटल स्पेस में स्थानांतरित हो गई हैं। इससे भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से नकदी से डिजिटल लेन-देन की ओर बढ़ रही है, जिससे देश साइबर हमलों की चपेट में आ रहा है। ग्राहकों के लिए लेन-देन को और सुविधाजनक बनाने के लिए बैंकों ने डिजिटल भुगतान के विभिन्न डिजिटल प्लेटफॉर्म को एकीकृत किया है, जिसने बैंकिंग क्षेत्र में साइबर धोखाधड़ी की संख्या में और अधिक वृद्धि की है। बैंकिंग क्षेत्र में तकनीकी प्रगति ने ग्राहकों को एक सुविधाजनक बैंकिंग का अनुभव प्रदान किया है। हालांकि, जैसे-जैसे तकनीक का विस्तार होता जा रहा है, ऑनलाइन बैंकिंग धोखाधड़ी का दायरा तेजी से बढ़ रहा है। इसके अलावा, ऑनलाइन लेन-देन की बढ़ती संख्या और कड़ी साइबर सुरक्षा प्रणालियों की अनुपस्थिति धोखेबाजों को दुर्भावनापूर्ण कार्य करने के लिए जगह देती है। कोविड-19 के प्रकोप ने लोगों को डिजिटल जीवन की आदत डालने के लिए मजबूर किया है। जहां एक ओर आम जनता को अपने घरों से ऑनलाइन लेन-देन करने में आराम मिला है, वहीं दूसरी ओर साइबर अपराधियों ने प्रौद्योगिकी पर हमारी निर्भरता से लाभ उठाने के अवसर का लाभ उठाया है। बैंक और अन्य वित्तीय संस्थान साइबर अपराधियों के लिए आकर्षक लक्ष्य हैं क्योंकि उनके पास मूल्यवान व्यक्तिगत डेटा होता है जोकि विशेष वित्तीय या आर्थिक जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साइबर अपराध विशेष रूप से एक वैश्विक समस्या बन गई है, जोकि लगातार बढ़ रही है। साइबर हमलों की प्रवृत्ति किसी भी अन्य क्षेत्र की तुलना में वित्तीय क्षेत्र में काफी अधिक है। इससे ग्राहक और बैंक को धन की भारी हानि होती है, बैंक की प्रतिष्ठा में कमी आती है और

उपयोगकर्ताओं के बीच बैंकों के प्रति विश्वास में कमी आती है।

बैंक अपने उपयोगकर्ताओं को एक सुरक्षित ऑनलाइन बैंकिंग वातावरण प्रदान करने के लिए बाध्य हैं। हालांकि बैंकों ने अपनी संपत्ति की सुरक्षा और अतिरिक्त सुरक्षा के लिए बहुत सारे कदम उठाए हैं, फिर भी ये पारंपरिक सुरक्षा तंत्र अब पर्याप्त नहीं हैं क्योंकि हमलावर इन सुरक्षा तंत्रों को बाईपास करने में सक्षम हैं। इस प्रकार बैंकों को अपनी सुरक्षा तंत्र को मजबूत करने के लिए निरंतर प्रयत्न करने होंगे और बैंक की मूल्यवान संपत्तियों की सुरक्षा और गोपनीयता सुनिश्चित करने के लिए उचित पहल करनी होगी।

बैंकिंग में साइबर अपराधों के स्वरूप:-

ग्राहकों द्वारा ऑनलाइन बैंकिंग के उपयोग में वृद्धि के साथ बैंकिंग क्षेत्र में साइबर अपराधों की संख्या असाधारण रूप से बढ़ गयी है। बैंकों में सामान्यतः होने वाले कुछ साइबर हमलों के स्वरूप इस प्रकार हैं।

फिशिंग:- फिशिंग एक ऐसा हमला है जिसमें इलेक्ट्रॉनिक संचार में विश्वसनीय निकाय होने का नाटक करके हमलावर द्वारा उपयोगकर्ता के नाम, पासवर्ड, क्रेडिट कार्ड विवरण इत्यादि जैसे संवेदनशील जानकारी प्राप्त करने का प्रयास किया जाता है। फिशिंग आमतौर पर ईमेल स्पूर्फिंग या इंस्टेंट मैसेजिंग द्वारा की जाती है, जिसमें उपयोगकर्ताओं को आमतौर पर अपने खातों को सुरक्षित करने के लिए लिंक पर क्लिक करने के लिए कहा जाता है। जैसे ही उपयोगकर्ता इन्हें क्लिक करता है उसे धोखाधड़ी वाली वेबसाइटों के लिए निर्देशित किया जाता है जो मूल बैंकिंग वेबसाइट की तरह दिखते हैं। फिशर्स कई प्रकार के टूल और तकनीकों का उपयोग करते हैं जो उन्हें ईमेल डिलीवरी, फिशिंग साइट होस्टिंग और विशेष मैलवेयर समेत विभिन्न प्रकार की फंक्शंस प्रदान करती हैं। इन टूलों और तकनीकों में बॉटनेट, फिशिंग किट, डोमेन नाम सेवा (डीएनएस) का दुरुपयोग, तकनीकी डेसीट, सत्र अपहरण और विशिष्ट मैलवेयर शामिल हैं।



क्रॉस साइट स्क्रिप्टिंग:—क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग (एक्सएसएस) एक प्रकार का विशिष्ट साइबर अपराध है जो कि आमतौर पर अतिसंवेदनशील वेब एप्लिकेशनों को नुकसान पहुंचाने के उद्देश्य से किया जाता है। क्रॉस-साइट स्क्रिप्टिंग (एक्सएसएस) दुर्भावनापूर्ण वेब उपयोगकर्ताओं द्वारा वेब पृष्ठों में कोड इंजेक्शन की अनुमति देते हैं जो अन्य उपयोगकर्ताओं द्वारा देखी जाती हैं। इस तरह के कोड के उदाहरणों में क्लाइंट-साइड स्क्रिप्ट, एचटीएमएल कोड इत्यादि शामिल हैं।

विशिंग:— विशिंग एक साइबर हमला है, जिसमें इनाम (लॉटरी) प्राप्त करने के लिए लोगों से निजी और वित्तीय जानकारी तक पहुंचने के लिए सोशल इंजीनियरिंग और वॉयस ओवर आईपी (वीओआईपी) का उपयोग किया जाता है। यह "आवाज (वॉईस)" और विशिंग को जोड़ती है। विशिंग एक अवैध अभ्यास है जहां एक हमलावर उपयोगकर्ता को कॉल करता है और उसे बैंक से होने का नाटक करता है जिसमें उपयोगकर्ता का खाता होता है। वह आमतौर पर उपयोगकर्ता की खाता जानकारी (यह बताते हुए कि उपयोगकर्ता का खाता निलंबित कर दिया गया है, आदि) को सत्यापित करने के लिए कहा जाता है।

बॉट नेटवर्क (बॉटनेट):— बॉट ऐसे प्रोग्राम होते हैं जो रिमोट कमांड प्रदान करने के लिए सिस्टम को संक्रमित करते हैं और विभिन्न प्रोटोकॉल जैसे एचटीटीपी, इंस्टेंट मैसेजिंग और पीयर-टू-पीयर प्रोटोकॉल के माध्यम से कमांड को नियंत्रित करते हैं। इस तरह के बॉट्स को आमतौर पर बॉटनेट के रूप में जाना जाता है।

मैलवेयर:— मैलवेयर एक दुर्भावनापूर्ण रूप से तैयार किये गये सॉफ्टवेयर प्रोग्राम है जो उपयोगकर्ता या मालिक की सहमति के बिना कंप्यूटर सिस्टम तक पहुंचता है। मैलवेयर में वायरस, ट्रोजन हॉर्स, वर्म्स इत्यादि शामिल हैं। मैलवेयर बैंकिंग प्रणाली की गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता पर भारी प्रभाव डालता है। मैलवेयर में बैंकिंग सिस्टम में जानकारी समझौता करने की क्षमता होती है और बैंक के लाखों लोगों को इससे हानि हो सकती है। मैलवेयर उपयोगकर्ता के सिस्टम और बैंक दोनों को लक्षित कर सकते हैं।

बैंकिंग ट्रोजन मैलवेयर:— ट्रोजन मैलवेयर स्वयं को वास्तविक एप्लिकेशन के साथ छिपाता है, ये ट्रोजन विशेष रूप से पूरे बैंकिंग नेटवर्क को स्कैन करने और वित्तीय डेटा चोरी करने के लिए बनाए जाते हैं। कुछ मैलवेयर जैसे अर्निस्फ, ड्राइडेक्स, ट्रिक्बॉट, ज्युस, रेमिट इत्यादि हैं जिन्होंने पिछले कुछ वर्षों में बड़े वित्तीय नुकसान किए हैं।

एटीएम/ पीओएस मैलवेयर:— एटीएम और पीओएस सिस्टम साइबर आपराधियों के लिए आसान लक्ष्य माना जाता है, साइबर अपराधियों द्वारा खुले यूएसबी पोर्ट, सीडी ड्राइव, बीआईओएस बूट में एक्सेस और ओएस फर्मवेयर का उपयोग किया जाता है। आजकल एटीएम और पीओएस सिस्टम पर लगातार मैलवेयर हमले बढ़ रहे हैं जैसे प्लूटस, ट्यूपकिन, कारबानक, कार्डस्टेलर, वीएसकिमर, चैवबाका, पॉसीडन और फाइंडपास इत्यादि।

डीओएस हमले (डिनायल ऑफ सर्विस):— डीओएस एक हमला है जिसमें उपयोगकर्ता या संगठन को ऑनलाइन संसाधन तक पहुंचने से रोका जाता है। इसमें बॉटनेट के एक बड़े समूह द्वारा सिस्टम को लक्षित किया जाता है और लक्षित उपयोगकर्ताओं की सेवाओं को उनके लिए अनुपलब्ध बना दिया जाता है।

डीडीओएस हमले (डिस्ट्रीब्यूटेड डिनायल ऑफ सर्विस) :- डीडीओएस एक हमला है जहां बड़ी संख्या में सेवा अनुरोधों के साथ लक्षित प्रणाली में बाढ़ लाई जाती है जो सिस्टम दुर्घटना और नेटवर्क जैमिंग का कारण बनता है, अंततः सेवाओं को अनुपलब्ध बनाते हैं।

एसएमएस स्फूफिंग:— यह एक अपेक्षाकृत नई तकनीक है जिसमें उपयोगकर्ता को फोन पर एक एसएमएस संदेश प्राप्त होता है जो एक वैध बैंक से आता प्रतीत होता है। इस एसएमएस में मूल मोबाइल नंबर (प्रेषक आईडी) को अल्फान्यूमेरिक टेक्स्ट द्वारा प्रतिस्थापित किया जाता है। यहां एक उपयोगकर्ता को उसके ऑनलाइन प्रमाण-पत्र देने के लिए बेवकूफ बनाया जाता है और उसका पैसा चोरी कर लिया जाता है।

टीसीपी / आईपी स्फूफिंग:— आईपी स्फूफिंग में ग्राहक को एक ईमेल संदेश भेजकर उसके सिस्टम पर गैरकानूनी तरीके से पहुंच का प्रयास किया जाता है जो कि एक भरोसेमंद मशीन के आईपी पते से आती प्रतीत होती है। आईपी एड्रेस स्फूफिंग एक शक्तिशाली तकनीक है जोकि किसी हमलावर को फायरवॉल द्वारा अवरुद्ध किए बिना नेटवर्क को भेदने में सक्षम कर सकती है। यहां मुख्य लक्ष्य बैंकिंग सिस्टम के सर्वर तक रूट प्राप्त करना है, जो लक्षित सिस्टम में बैंकडोर एंट्री पथ की इजाजत देता है।

फार्मिंग:— इस हमले में जब भी कोई उपयोगकर्ता किसी वेबसाइट तक पहुंचने का प्रयास करता है, तो उसे नकली साइट पर रीडायरेक्ट कर दिया जाता है। फार्मिंग दो संभावित तरीकों से किया जा सकता है: एक पीड़ित के कंप्यूटर पर होस्ट की फाइलों को बदलकर और अन्य तरीकों से डीएनएस सर्वर सॉफ्टवेयर में भेद्यता का शोषण कर।

अंदरूनी सूत्र धमकी (इंटरनल सोर्स थ्रेट) :- बैंकों के अंदरूनी सूत्र व कर्मचारी भी बैंक के डेटा के लिए एक बड़ा सुरक्षा जोखिम है, जो अवैध रूप से जानकारी का खुलासा, संशोधन या उपयोग कर सकते हैं। कर्मचारियों द्वारा अनजानी त्रुटियों के विनाशकारी परिणाम भी हो सकते हैं।

ओटीपी पर हमले:— ओटीपी (वन टाइम पासवर्ड) एक दो चरण प्रमाणीकरण विधि है, जिसमें उपयोगकर्ता मोबाइल में प्राप्त हुये ओटीपी और पासवर्ड का उपयोग करने के बाद ही पेमेंट कर सकता है। अपराधी ओटीपी संरक्षित खातों पर हमले कर, ग्राहकों के ओटीपी प्राप्त कर उन्हें वित्तीय नुकसान पहुंचाते हैं, जिन्हें एमआईटी-एक्स विधियों (मैन-इन-द-एक्स) के रूप में जाना जाता है। ये निम्नानुसार हैं:

- **मैन-इन-द-मिडल हमले (एमआईटीएम):** यहां डेटा के ट्रांसमिशन पाथ का उपयोग किया जाता है और लेन-देन के बीच में जानकारी चुरा ली जाती है।
- **मैन-इन-द-ब्राउज़र हमला (एमआईटीबी):** यहां वेब ब्राउज़र में गलत तरीके से कोड की एंट्री की जाती है जोकि उपयोगकर्ताओं को प्रमाण-पत्र और अन्य महत्वपूर्ण जानकारी दर्ज करने के लिए प्रेरित करता है।
- **मैन-इन-द-पीसी हमला (एमआईटीपीसी):** एमआईटीपीसी सिस्टम सम्बंधित कमजोरियों का उपयोग करता है।

स्विफ्ट संबंधित हमले:— अंतरराष्ट्रीय लेन-देन सोसाइटी फॉर वर्ल्डवाइड इंटरबैंक फाइनेंशियल टेलीकम्युनिकेशंस (SWIFT) के अधीन है। दुनिया भर में इन पर नियमित रूप से हमले हो रहे हैं और प्रवृत्ति बढ़ रही है।

रैंसमवेयर हमले :- रैंसमवेयर सिस्टम के शोषण के बाद उसके डेटा को एन्क्रिप्ट करता है और इसे उपयोगकर्ता के लिये अनुपलब्ध करता है। वानाक्राय पेट्या, बद्रीबिट, लोकी, नोटपेट्या कुछ रैंसमवेयर वेरिएंट हैं जो वित्त, ऊर्जा और हेल्थकेयर जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों को प्रभावित करते हैं। मई 2017 में, विश्वभर में वनाक्राय रैंसमवेयर हमले ने हजारों लोगों को प्रभावित किया, 230,000 से अधिक कंप्यूटरों पर डेटा एन्क्रिप्ट करके, बिटकॉइन के रूप में फिरौती का भुगतान करने की मांग पीड़ितों से की गई।

सुरक्षात्मक उपाय:-

बैंकों को ग्राहकों के डेटा की सुरक्षा के लिए अपनी रक्षा विधियों को और अधिक मजबूत करने की आवश्यकता है तथा इन हमलों के लिए बैंकिंग प्रणाली को अधिक प्रतिरक्षा बढ़ाने के लिए उपाय अपनाना चाहिए, जोकि एक निरंतर प्रक्रिया है।

निरंतर जोखिमों का आकलन:- बैंकों को अपने आकार, भौगोलिक सेटअप, व्यापार परिचालन क्षेत्र इत्यादि के आधार पर अपनी जोखिम प्रोफाइल का आकलन करते हुये, सुरक्षा नियंत्रण में प्रभाव डालने वाले, धमकियों, कमियों और जोखिमों की पहचान कर सुरक्षा नियंत्रण को लागू करने के लिए पर्याप्त कदम उठाने की आवश्यकता है, जो इन जोखिमों का निवारण कर सके।

- की लॉगिंग हमलों के लिए काउंटरमेजर्स:-** बैंक कुंजी-लॉगर्स का लक्ष्य बन गए हैं, कीलॉगिंग हमलों से बचने के लिये तीन विधियां अपनाई जा सकती हैं: एंटी-की लॉगर, कर्नेल स्तर कीलॉगिंग और उपयोगकर्ता स्तर कीलॉगिंग।
- वेब ब्राउज़र हमलों के खिलाफ काउंटरमेजर्स:-** सुरक्षित ऑनलाइन बैंकिंग के लिए हमें एक वेब ब्राउज़र तकनीक की आवश्यकता है जो हमलावरों द्वारा रिवर्स इंजीनियरिंग और डिबगिंग के खिलाफ खुद को बचाने में सक्षम हो और इसकी मेमोरी को एक्सेस या संशोधित करने के किसी भी प्रयास को अवरुद्ध करने में सक्षम हो।
- क्रॉस साइट स्क्रिप्टिंग के खिलाफ काउंटरमेजर्स:-** एक्सएसएस हमलों को रोकने के लिए दो मुख्य उपाय हैं: फ़िल्टरिंग और एस्केपिंग।
- बॉटनेट्स से हमलों के खिलाफ काउंटरमेजर्स:-** ये दो श्रेणियों के अंतर्गत आते हैं, क्लासिकल काउंटरमेजर्स एवं आपत्तिजनक उपाय जैसे: मिटीगेशन, मेनीपुलेशन और एक्सप्लॉएटेशन।
- डीओएस और डीडीओएस हमलों के खिलाफ काउंटरमेजर्स:-** डिप्लॉइमेंट के आधार पर डीडीओएस के लिए रक्षा तंत्र का वर्गीकरण उस स्थान पर आधारित है जहां रक्षा तंत्र लागू किया गया है और इसे तीन प्रकार से वर्गीकृत किया जा सकता है: स्रोत आधारित, गंतव्य आधारित एवं नेटवर्क आधारित।
- ग्राहक जागरूकता अभियान:-** उपयोगकर्ता किसी भी क्षेत्र की कुंजी है और कुछ मामलों में श्रृंखला में सबसे कमजोर लिंक भी। एक बैंक नवीनतम सुरक्षा तकनीकों को नियोजित कर सकता है लेकिन सभी बेकार हैं यदि ग्राहक नहीं जानते कि उनका उपयोग कैसे किया जाए। बैंकों द्वारा अंततः उपयोगकर्ताओं के लिये बैंक द्वारा पेश की गई नवीनतम सुरक्षा सुविधाओं और उनके खातों को सुरक्षित करने के लिए उनका उपयोग करने के बारे में सूचित करने के लिए सतत जागरूकता कार्यक्रम चलाये जाने चाहिए।

उपयोगकर्ताओं के लिये सुरक्षात्मक उपाय:

क्या करें	क्या नहीं करें
अपने कंप्यूटर या मोबाइल फोन पर नवीनतम एंटी-वायरस/ एंटी स्पाइवेयर/ फ़ायरवॉल/ सुरक्षा पैच इंस्टाल करें और नियमित रूप से अपडेट व स्कैन करें।	ज्ञात या अज्ञात उपयोगकर्ताओं द्वारा अग्रेषित आपके ईमेल में किसी भी संदिग्ध लिंक या यूआरएल पर क्लिक न करें, यह आपको फ़िशिंग साइट पर ले जा सकता है।
केवल लाइसेंस प्राप्त सॉफ्टवेयर और अनुप्रयोगों का उपयोग करें।	ज्ञात या अज्ञात उपयोगकर्ताओं द्वारा अग्रेषित अप्रत्याशित ईमेल अनुलग्नक या तत्काल संदेश डाउनलोड लिंक न खोलें, यह मैलवेयर स्थापित कर सकते हैं।
विश्वसनीय एवं मजबूत पासवर्ड बनायें, आपका पासवर्ड आपकी पहचान है।	जंक ईमेल या किसी श्रृंखला में आये सवालों का जवाब न दें ये आपके सिस्टम पर अनधिकृत नियंत्रण प्राप्त कर आपको हानि पहुंचा सकते हैं।
पासवर्ड बनाने के लिये अक्षरों, संख्याओं और विशेष कैरेक्टर का उपयोग करें।	कभी भी अपना पासवर्ड संगठन या बाहर भीतर किसी से भी साझा न करें।
पासवर्ड में कम से कम आठ वर्ण होना चाहिए, जितना लंबा पासवर्ड होगा उतना ही मुश्किल उसमें सेंध लगाना होगा।	कभी भी एवं कहीं भी जैसे अपने डेस्क के पास अपना पासवर्ड न लिखें।
जब आप कंप्यूटर का उपयोग न कर रहे हों तो अपनी कंप्यूटर स्क्रीन लॉक करें।	एक से अधिक स्थानों के लिए एक ही पासवर्ड का उपयोग न करें।
हमेशा समय-समय पर बाहरी हार्ड डिस्क में अपने डेटा का बैकअप लेते रहें।	कोई आधिकारिक या अपमानजनक पोस्ट सोशल मीडिया में न करें।
हमेशा वेब साइट यूआरएल पता सावधानी से जांचें। पता "https" से शुरू होना चाहिए जो सुरक्षित संचार को दर्शाता है।	ईमेल के माध्यम से कोई गोपनीय जानकारी प्रदान न करें, भले ही अनुरोध आयकर विभाग जैसे अधिकारियों से, वीजा या मास्टरकार्ड और बैंक के अधिकारियों के द्वारा किया जाए।
लॉग इन करने के लिए, सीधे लिंक पर क्लिक किए बिना अपने वेब ब्राउज़र पता बार में वेबसाइट पता टाइप करें वेबपृष्ठ यूआरएल के ऊपरी या निचले दाएं कोने पर 'ऑन' और हरे रंग के रंग के लिए हमेशा पैडलॉक आइकन की जांच करें।	साइबर कैफे जैसे सार्वजनिक स्थानों में ऑनलाइन लेन-देन न करें।



डॉ. सत्येंद्र कुमार
मुख्य प्रबंधक
बड़ौदा अकादमी, भोपाल

Harmony of Habit



"We cannot control our future but we can always control our habits to build a great future."

-Swami Vivekananda

It's said that habits take you to a place where motivation can never take. We all know about habit and motivation but we always tend to focus on motivation rather than habit which is not genuine for a healthy holistic life.

Habit is repetitive behaviour and it requires less conscious effort. When a certain behaviour is done consistently for a long term it forms a habit.

The best example of a habit is brushing teeth or having a shower every morning. If we understand the neurological pattern of habit we can easily shed the bad habits and adopt new positive habits for betterment of our life.

Habits are of two kinds: physical and mental. Physical habits can be seen while mental habits remain unseen but they play a key role in someone's success and happiness. Drinking, smoking are physical habits while over thinking, procrastination and daydreaming are some examples of mental habits. Due to the mental habits two twins born and brought up in the same conditions grow differently in the future because of their difference in mental habits. Research shows that people who attain huge success always follow some mental habits which play a key role for all their accomplishments. So the point is mental habits are also

important and one should work on them too for an overall development. Digital addiction is a popular habit in the present time which kills your time and productivity because most of the digital content doesn't add value in your life in any way. So it's important to keep a check on your 'digital wellness'. Yes, in your mobile if you go to your settings you will find a digital wellness section which will reflect the number of hours you spend on your mobile. If this time is more than an hour in a day, you are supposed to guard and manage that time.

Now a question arises what benefits we get when we control our habits or improve them? The answer is, if you will not have a check on habits, you will decrease your own self esteem and self image. Actually most of our habits are just formed without any conscious efforts. Example if your friends have drinking and smoking habits you too get that habit easily. When you accompany such friends and they all drink and smoke and ask you to do the same, may be you just accept their request for that day but again and again you remain in their company and you repeat the same thing multiple times and you're just dragged into that habit. So one should be careful in their actions so that they stay away from unhealthy habits. Habit formation is a skill and if we practice it deliberately we can master our habits. Many times we get instant motivation and decide to achieve something. But in most of the cases instant motivation doesn't work for long and ultimately people just give up on their dreams. We can understand it by some examples :

Every 31st December evening most of the people decide to hit the gym every day and get fit in the new year but till 15th January their motivation gets drained and they just stop working on their goals. That is why most of the gym companies offer discounts for their membership if it is paid in one go for a full year ! Because they know that the person paying the gym charges for a year will actually be an active member for two or three weeks only. This is a market strategy and most big gym companies follow it. The second example of the limitation of instant

motivation is reading habit. Only 5 percent of people among all book buyers actually read the book. Rest 95 percent just buy books and showcase them in their study room and never read them. Same is the story for new year resolutions and almost 85 percent of new year resolutions end up by 15th January.

The above challenges show the importance of taking charge of our habits. The simple thing to be done first is to do the habit audit. Yes do take your time and observe your habits then make a list of bad habits and desired habits. This list will provide you a rough idea on how much you have to work. The right habits will improve the overall quality of your life and make you grow holistically as an individual.

Now we will understand the neurological pattern of habit so that we can break the bad one and form the new one. We just see a behaviour and we tag it as a habit but behaviour is just one component of habit. The other two components of habit are trigger and reward. So three parts of habit are :-

- 1) Behaviour
- 2) Trigger
- 3) Reward

Triggers are of five types : audio, visual, feeling, time and environment. Understanding the trigger part is easy by examples like the time trigger is responsible for having the evening tea craving at 5 pm. The environment trigger is the reason why we behave differently in different environments like in family or party or college etc.

Behaviour is the way we act and the reward component of the habit is something for which a person tends towards a certain habit again and again. Like drinking gives a high and stress buster feeling to some which is a reward and for this reward many



suppose you have to read a 500 page book but by seeing those 500 pages you get the feeling that it's huge and not doable. But if you decide to read one page per day then the problem gets resolved and one day the book will be finished.

Now we will understand what is "identifying the habit prompt". Prompts are of three kinds: inner, outer and action. Inner prompt is our inner voice and outer prompt is the prompt we get from our environment. Outer prompt can be any motivation or guide we get from the outer world to help us work.

But the inner and outer prompt are easily ignorable so they are not effective. Now which is left is "action prompt" and action prompt is the key for action or behaviour which helps form habit.

For action prompts make a mind map for the task or goal and divide it in tiny parts and take actions on it. We can understand it with a simple example : If you want to hit the gym every morning then keep the gym clothes and shoes beside your bed along with the gym bag which you will carry. If you arrange all this in the night only you will require less effort to go to gym in the morning. So do the preparation first and just assemble your next action with those preparations and you will see how easily things get done.

Remember habit is the key to happiness and success. Have a habit to have a fulfilling and holistic life. We get a life once and if one is used mindfully one life is sufficient. So take charge of your habits and create a difference.



Dr. Priyanka Gupta
Officer
Model Town Branch
North Delhi Region



भारत में साइबर कानून: प्रभावशीलता एवं सुधारों की आवश्यकता

आज हम तकनीक के उस युग में जी रहे हैं जहाँ आए दिन नए-नए आविष्कार हो रहे हैं और दुनियाँ मोबाइल के माध्यम से हमारी हथेली में समा चुकी है। इन आविष्कारों से जीवन इतना आसान हो चुका है कि हम एक साधारण काम से लेकर कठिनतम काम तक जैसे कि विदेशों के सर्वोत्तम विश्वविद्यालयों के शैक्षणिक सत्र तक में अपने घर बैठकर सहभागिता कर सकते हैं। लेकिन जैसे हर सिक्के के दो पहलू होते हैं वैसे ही तकनीक भी दोधारी तलवार है। जहाँ डिजिटलीकरण ने जीवन को बहुत आसान किया है, वहीं इसके दुष्परिणाम साइबर क्राइम के रूप में सामने आ रहे हैं।

यद्यपि साइबर अपराध को न तो सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम 2000 में और न ही राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति 2013 में और न ही भारत में किसी अन्य विनियम में परिभाषित किया गया है लेकिन वैसी आपराधिक गतिविधि जहाँ कंप्यूटर तथा कंप्यूटर नेटवर्क को साधन या लक्ष्य बनाकर गलत मानसिकता के साथ दूसरों की ऑनलाइन गोपनीयता को भंग किया जाता है, साइबर अपराध कहलाता है। साइबर अपराध पिछले कुछ वर्षों में उभरकर सामने आया है क्योंकि भारत में इंटरनेट का उपयोग करने वालों की संख्या काफी बढ़ी है। यदि हम विश्व स्तर पर देखें तो इंटरनेट उपभोक्ताओं की सर्वाधिक संख्या के मामले में विश्व में अमेरिका और चीन के बाद भारत का तीसरा स्थान है। बैंकिंग से संबंधित साइबर अपराधों की संख्या नोटबंदी के बाद काफी बढ़ी है क्योंकि लोगों में ऑनलाइन पेमेंट की आदत बहुत बढ़ गई है।

भारत के साइबर कानून

भारत में साइबर अपराधों के निबटान के लिए दो कानूनों में प्रावधान किया गया है। प्रथम, सूचना तकनीक कानून 2000 और दूसरा, भारतीय दंड संहिता।

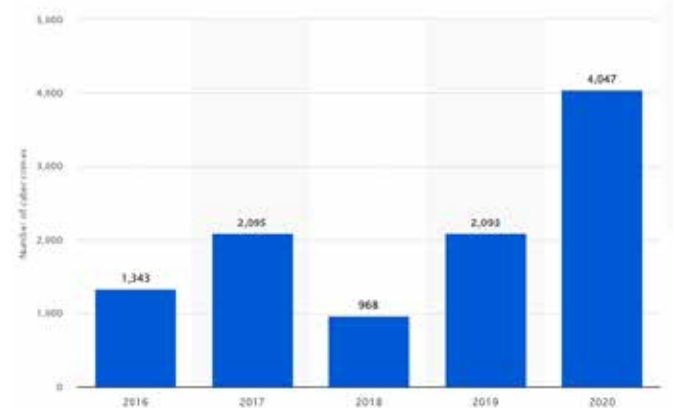
सूचना तकनीक कानून 2000 के अंतर्गत साइबर अपराधों से संबंधित प्रावधान

- कंप्यूटर संसाधनों से छेड़छाड़ की कोशिश
- कंप्यूटर में संग्रहित डेटा के साथ छेड़छाड़ कर उसे हक करने की कोशिश
- कंप्यूटर या अन्य किसी इलेक्ट्रॉनिक गैजेट से चोरी की गई सूचनाओं को गलत तरीके से हासिल करने के लिए दंड का प्रावधान
- किसी की पहचान चोरी करने के लिए दंड का प्रावधान
- अपनी पहचान छुपाकर कंप्यूटर की मदद से किसी के व्यक्तिगत डाटा तक पहुंच बनाने के लिए दंड का प्रावधान
- साइबर आतंकवाद के लिए दंड का प्रावधान
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से सेक्स या अश्लील सूचनाओं को प्रकाशित या प्रसारित करने के लिए दंड का प्रावधान
- इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से ऐसी आपत्तिजनक सामग्री का प्रकाशन या प्रसारण, जिसमें बच्चों को अश्लील अवस्था में दिखाया गया हो
- सुरक्षित कंप्यूटर तक अनाधिकार पहुंच बनाने से संबंधित प्रावधान
- फर्जी डिजिटल हस्ताक्षर का प्रकाशन
- भारतीय दण्ड संहिता (आईपीसी) में साइबर अपराधों से संबंधित प्रावधान

- ईमेल के माध्यम से धमकी भरे संदेश भेजना
- ईमेल के माध्यम से ऐसे संदेश भेजना, जिससे मानहानि होती हो
- फर्जी इलेक्ट्रॉनिक रिपोर्ट का इस्तेमाल
- फर्जी वेबसाइट्स या साइबर फ्रॉड
- ईमेल का गलत इस्तेमाल

यदि भारत में साइबर अपराधों की संख्या के बारे में बात करें तो लोकसभा को दिये गए लिखित जवाब का संदर्भ लिया जा सकता है जिसमें बताया गया है कि वर्ष 2018, 2019, 2020 और 2021 (अक्टूबर तक) के दौरान क्रमशः कुल 17,560, 24,768, 26,121 और 25,870 भारतीय वेबसाइटों को हैक किया गया था। यदि हम बैंकिंग से संबंधित धोखाधड़ी की चर्चा करें तो यह संख्या भी कम नहीं है। बैंकों में साइबर अपराध के 2016 से 2020 तक के निम्नांकित आंकड़े दर्शाते हैं कि यह संख्या बड़ी तेजी से बढ़ रही है। यह संख्या रिपोर्ट किए गए अपराधों की है जबकि न रिपोर्ट किए गए अपराधों की संख्या शायद इससे कहीं ज्यादा है।

2016 से 2020 तक पूरे भारत में ऑनलाइन बैंकिंग से संबंधित साइबर अपराधों की संख्या



निःसन्देह जहाँ अपराधों की संख्या इतनी ज्यादा है वहाँ एक सख्त कानून की भी आवश्यकता है। भारत में भी साइबर अपराधों के नियंत्रण के लिए उपरोक्त कानून मौजूद है लेकिन आज जब हम तकनीकी रूप से इतने आगे निकल चुके हैं यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हमारे साइबर कानून प्रभावकारी हैं?

साइबर कानून सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 को समय-समय पर अद्यतन भी किया जाता रहा है और इसकी कमियों को दूर करने का प्रयास किया गया है लेकिन स्थिति 'तू डाल डाल मैं पात-पात' वाली है। कानून उतनी जल्दी अद्यतन नहीं किए जा रहे जितनी जल्दी-जल्दी धोखाधड़ी के नए तरीके ढूँढ लिए जा रहे हैं। यदि हम बैंक के संदर्भ में देखें तो हम पाते हैं कि बैंक ग्राहक सेवा को अधिकतम सहज, सुलभ व लोकलुभावन बनाने के लिए तकनीक का सहारा लेकर नित नई डिजिटल सेवाएँ शुरू कर रहे हैं लेकिन हमारे साइबर कानून उसके लिए तैयार नहीं

हैं। कुछ नई तकनीक जिसके सहारे बैंक अपने ग्राहकों को सहज सेवा उपलब्ध करा रहे हैं और भारत का साइबर कानून जिसके लिए तैयार नहीं है:

विडियो केवाईसी में डीपफेक तकनीक द्वारा धोखाधड़ी: आजकल बैंक विडियो केवाईसी के जरिये बगैर ग्राहकों को शाखा में बिना बुलाये ही खाता खोलने की सुविधा दे रहे हैं। इस सिस्टम में ग्राहक विडियो के द्वारा केवाईसी पूरा करवाते हैं और बैंक द्वारा मांगी गई जानकारी प्रदान कर खाता खुलवाते हैं। साइबर अपराधियों ने इस तकनीक का फायदा उठाया है जिसमें डीपफेक तकनीक द्वारा कोई दूसरा व्यक्ति किसी और व्यक्ति का प्रतिरूपण कर अपना खाता खुलवा लेता है और बैंक के साथ धोखाधड़ी करता है। इस तकनीक में वास्तविक ध्वनि वाले ऑडियो और वीडियो का उत्पादन करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता का उपयोग किया जाता है।

स्मार्ट वॉच के माध्यम से बैंकिंग सेवा: कई बैंकों ने स्मार्ट घड़ी के माध्यम से ग्राहकों को बैंकिंग सेवा प्रदान करना शुरू किया है जैसे कि बैंक ऑफ बडौदा द्वारा बॉब वर्ल्ड वेव। इस उत्पाद में वन क्लिक में भुगतान की सुविधा प्रदान की गई है। निःसन्देह, यह सुविधा डिजिटल भुगतान को अत्यधिक आसान बनाएगी लेकिन यदि स्मार्ट वॉच चोरी हो जाए या किसी और व्यक्ति द्वारा उपयोग की जाए तो क्या भारत का साइबर कानून इतना सशक्त है कि लोगों को इसके दुरुपयोग से हुई हानि से बचा सके। निःसन्देह नहीं।

यूपीआई रिक्वेस्ट पेमेंट ऑप्शन व अन्य पेमेंट ऑप्शन: नोटबंदी के बाद डिजिटल भुगतानों में अत्यधिक वृद्धि हुई है। भुगतान के साथ-साथ यदि किसी से पैसे उधार लेने हो तो भी डिजिटल माध्यम का ही उपयोग किया जा रहा है जैसे यूपीआई रिक्वेस्ट पेमेंट ऑप्शन। अंतरण की यह प्रक्रिया बेहद आसान है और यदि मोबाइल फोन हैक कर लिया जाए तो साइबर अपराधियों के लिए लोगों के कठिन मेहनत के कमाए गए पैसे को हड़प लेना अत्यधिक आसान हो जाता है। ऐसे ज्यादातर अपराधों में एक छोटी धनराशि ही संलिप्त होती है जिसे साइबर सेल बहुत ही हल्के में लेता है और उचित कार्रवाही नहीं हो पाती है। ऑनलाइन पेमेंट पर साइबर कानून पूर्णतया स्पष्ट भी नहीं है।

क्रेडिट व डेबिट कार्ड में ऑटो डेबिट फैसिलिटी: आजकल बहुत सारी सुविधाओं के उपयोग के लिए क्रेडिट व डेबिट कार्ड से ऑटो डेबिट सुविधा उपलब्ध है। कई बार हम किसी सुविधा को बंद करना चाहते हैं लेकिन उन कंपनियों द्वारा हमें उस सुविधा को बंद करने का कोई विकल्प नहीं दिया जाता। हमारे न चाहते हुए भी हमें उस सुविधा का उपयोग करना पड़ता है क्योंकि हमारे पास भुगतान को रोकने का कोई विकल्प नहीं होता। यह भी एक तरीके का अप्रत्यक्ष साइबर अपराध है और ऐसे अपराधों के लिए साइबर कानून में कोई प्रावधान नहीं है। यदि हम ऐसे अपराधों की शिकायत करते भी हैं तो वो कंपनियाँ हमारे एक बार की सहमति का प्रमाण देकर बच जाती हैं।

उपरोक्त क्षेत्रों के अलावे भी ऐसे बहुत से क्षेत्र हैं जो नियमित नवोन्मेषिता के परिणाम हैं लेकिन भारत का साइबर कानून इसके लिए पूर्णतया तैयार नहीं है। साइबर कानून की प्रभावशीलता सैद्धांतिक कारणों से तो कम होती ही है लेकिन कई व्यावहारिक कारण भी इसकी प्रभावशीलता को कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। जिसमें कुछ कारण निम्नलिखित हैं:

साइबर सेल व साधारण पुलिस थानों का अलग होना व साइबर सेलों की संख्या कम होना : साइबर सेल व साधारण पुलिस थाने अलग-अलग हैं व साइबर सेल की संख्या भी पुलिस थानों की तुलना में काफी कम है। यदि हम दिल्ली की बात करें तो पूरी दिल्ली में केवल 15 साइबर सेल मौजूद हैं जबकि रिपोर्टेड साइबर अपराधों की संख्या काफी है। न रिपोर्ट किए गए साइबर अपराधों की तो बात ही क्या की जाए। रिपोर्ट किए गए अपराधों पर भी तत्काल कार्रवाई नहीं की जा रही है क्योंकि शायद बैंकों की तरह साइबर कानून में हर कार्य के लिए समय-सीमा निश्चित नहीं की गई है। साइबर सेल के साधारण पुलिस थानों से अलग होने के कारण लोगों की पहुँच इन सेलों तक सीमित है।

साइबर कानून में प्रचार-प्रसार की नीति का अभाव होना: भारत में यद्यपि वर्ष 2000 से साइबर कानून उपलब्ध है लेकिन यदि हम इसके प्रचार-प्रसार की

स्थिति पर दृष्टिपात करें तो हम पाते हैं कि अभी भी साइबर सेल व साइबर कानूनों के प्रति जागरूकता का बेहद अभाव है। छोटे शहरों व गाँवों की क्या बात की जाए महानगरों तक में हर व्यक्ति को साइबर सेल व साइबर कानून की जानकारी नहीं है जिसके कारण काफी संख्या में साइबर अपराध रिपोर्ट ही नहीं हो पाते।

किसी भी समस्या को पहचानना जितना महत्वपूर्ण है उससे भी महत्वपूर्ण है उसका समाधान ढूँढना। यक्ष प्रश्न यह है कि कैसे साइबर कानून की प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सकता है।

साइबर सुरक्षा कानून की प्रभावशीलता को बढ़ाने के उपाय

राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति 2013 ने स्पष्ट किया कि भारत को एक समर्पित राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति की आवश्यकता है, हालाँकि इसे अभी तक जारी नहीं किया गया है। अतः साइबरस्पेस के महत्त्व को देखते हुए नई रणनीति में सभी प्रमुख मुद्दों को शामिल किया जाना चाहिये, जिनमें से कुछ निम्नलिखित हैं:

साइबर कानून में बैंक से संबंधित अपराधों के लिए विशेष अध्याय एवं उसे कम समयांतराल पर अद्यतन करने की आवश्यकता: यदि साइबर अपराध धन से संबंधित है तो वो वह किसी न किसी खाते के द्वारा ही हो सकता है। अतः साइबर कानून में बैंक से संबंधित अपराधों के लिए एक विशेष अध्याय जोड़ने की आवश्यकता है जो बहुत विस्तृत और स्पष्ट हो। चूंकि बैंकों के डिजिटल उत्पाद बहुत ही जल्दी अद्यतन होते रहते हैं और बैंक ग्राहकों को नियमित नवोन्मेषिता का सहारा लेकर नित नए डिजिटल उत्पाद प्रदान करते रहते हैं इसलिए साइबर कानून के बैंक से संबंधित अध्याय की कम समय के अंतराल पर समीक्षा की जानी चाहिए।

जागरूकता में वृद्धि: यद्यपि वर्ष 2000 से भारत में साइबर कानून उपलब्ध है लेकिन यदि जागरूकता की बात करें तो यह संतोषजनक नहीं है। अतः साइबर कानून में ही ऐसा प्रावधान होना चाहिए कि इसकी जागरूकता को बढ़ाना सभी संस्थाओं के लिए अनिवार्य हो। विभिन्न संस्थाओं को भी साइबर अपराधों, इससे बचाव के उपाय और साइबर कानून के प्रति जागरूकता बढ़ाने पर ध्यान देना चाहिए। जागरूकता बढ़ाने के लिए जो लक्ष्य समूह निर्धारित किए जाने चाहिए वो केवल कर्मचारी न होकर ग्राहक भी होने चाहिए क्योंकि अगर बैंकों के संदर्भ में देखें तो साइबर अपराध के शिकार अधिकांशतः ग्राहक ही होते हैं।

मौजूदा साइबर सुरक्षा ढाँचे को मजबूत करना: यद्यपि सरकार का प्रयास रहा है कि भारत में एक सशक्त साइबर सुरक्षा ढाँचा मौजूद हो लेकिन अभी भी यह पूर्णतया संभव नहीं हो पाया है। साइबर सेलों की संख्या जरूरत से काफी कम है। अलग साइबर सेल बनाने से बेहतर है कि हर बड़े थाने में दो साइबर एक्सपर्ट और छोटे थानों में एक साइबर एक्सपर्ट की व्यवस्था की जाए जो साइबर अपराधों को सुलझा सकें।

साइबर अपराधों को सुलझाने के लिए अधिकतम समय सीमा का निर्धारण: साइबर कानून में किसी भी अपराध को निबटाने के लिए अधिकतम समय सीमा का निर्धारण होना चाहिए जिससे पीड़ित के केस पर जल्द से जल्द कार्रवाई सुनिश्चित हो सके।

शैक्षिक पाठ्यक्रमों में साइबर सुरक्षा को शामिल करना: विद्यालयों, केंद्रीय विश्वविद्यालयों, निजी विश्वविद्यालयों, उद्योग संघों, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों सहित अन्य सभी शैक्षिक संस्थानों को साइबर सुरक्षा के पाठ्यक्रमों को शामिल करना चाहिये जिससे लोगों में जागरूकता बढ़ाई जा सके।

आज हम तकनीक के उस युग में जी रहे हैं जहाँ इसके बगैर जीना असंभव है। अतः आवश्यकता है कानून को और सशक्त बनाने की और लोगों की इसके प्रति जागरूकता बढ़ाने की जिससे अपराधी बच न सकें और अपराध की संख्या न्यूनतम की जा सके।

❖❖❖



जया मिश्रा

मुख्य प्रबन्धक एवं शिक्षण प्रमुख,
बडौदा अकादमी नई दिल्ली

Look around today's world and you'll see that daily life is more dependent on technology than ever before. The benefits of this trend range from near-instant access to information on the Internet to the modern conveniences provided by smart home automation technology and concepts like the Internet of Things. With so much good coming from technology, it can be hard to believe that potential threats lurk behind every device and platform. Yet, despite society's rosy perception of modern advances, cyber security threats presented by modern tech are a real danger.

A steady rise in cyber crime highlights the flaws in devices and services we've come to depend on. This concern forces us to ask what cyber security is, why it's essential and what to learn about it, what to do and what not to do.

Following are the simple Do's and Don'ts in Cyber Security, if followed, can keep us safe and secure:-

“Do's”

1. Enter sensitive data in secure websites i.e. the website must begin with 'https://' and your browser should have an icon of a closed lock.
2. Always type the website address in your web browser address bar without clicking on the link directly.
3. Be careful about shoulder surfing while entering your password.
4. Always work as normal user on your computer without Admin rights.
5. Always take back up of your data in external storage to avoid data loss during any cyber incident or disaster.
6. Destroy information properly when it is no longer needed.
7. Lock your computer screen when you are away from it.
8. Keep anti-virus and anti-spyware software up-to-date.
9. Longer the password, the tougher it is to crack. Use at least



CYBER SECURITY - Do's and Don'ts

- 8 characters with a combination of letters, numbers and special characters.
10. Keep changing your password periodically.

“Don'ts”

1. Do not download any applications or software from unknown and untrusted sources.
2. Don't click on links in spam or pop-ups that claim to offer anti-spyware; you may unintentionally install spyware.
3. Do not open unexpected email attachments or instant message download links.
4. Do not forward or reply to chain or spam mails.
5. Do not share your password with anybody within the organization or outside.

6. Avoid writing your password close to your desk or nearby as it may fall into the wrong hands.
7. Do not circulate any defamatory or derogatory messages in social media. Avoid positing personal and sensitive information on Social Media.
8. Don't discuss sensitive information in public place.
9. Don't leave confidential documents and office assets anywhere unattended.
10. Don't use your official email address for social media sites or personal purpose.



Kiran K Khetwani
 Officer
 Information Security,
 BCC, Mumbai

शाखा नेटवर्क Branch Network

भुवनेश्वर II क्षेत्रीय कार्यालय के नए परिसर का उद्घाटन



10 मार्च, 2022 को कटक शहर में भुवनेश्वर II क्षेत्र के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री देबदत्त चाँद, अंचल प्रमुख श्री संजीव मेनन, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) डॉ. रमेश कुमार महांती, क्षेत्रीय प्रमुख (भुवनेश्वर 2) श्री अन्मय कुमार मिश्रा, ओडिशा सरकार श्री विशाल कुमार देव, आईएएस तथा ओएफडीसी, कटक के अध्यक्ष श्री सत्यव्रत त्रिपाठी, वरिष्ठ कार्यपालक तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मंड्या क्षेत्र की मलवल्ली शाखा के नए परिसर का उद्घाटन



19 जनवरी, 2022 को मंड्या क्षेत्र की मलवल्ली शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री कपिलेश के आर, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री सनातन साधुआ, मलवल्ली शाखा के शाखा प्रबंधक श्री संतोष कुमार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

गोरखपुर क्षेत्र की कोपागंज शाखा के नए परिसर का उद्घाटन



21 फरवरी, 2022 को गोरखपुर क्षेत्र की कोपागंज शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर गोरखपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सर्वेश कुमार सिन्हा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजय कुमार सिंह, शाखा प्रमुख श्री आलोक झा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अजमेर क्षेत्र की टोडगढ़ शाखा के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन



28 जनवरी, 2022 को अजमेर क्षेत्र की टोडगढ़ शाखा के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अजमेर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी, वरिष्ठ कार्यपालक तथा अन्य स्टाफ सदस्य और ग्राहकगण उपस्थित रहे।

पणजी क्षेत्र की बेनौली शाखा के नए परिसर का उद्घाटन



04 फरवरी 2022 को पणजी क्षेत्र की बेनौली शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव कुमार राणा, संत जॉन बापटिस्ट चर्च, बेनौली के पादरी श्री लूसियो डायस, शाखा प्रमुख श्री गजानन दुदुले, मडगाँव शाखा प्रमुख श्री स्टालिन तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मंड्या क्षेत्र की रागिमुद्देनहल्ली शाखा के नए परिसर का उद्घाटन



17 जनवरी, 2022 को मंड्या क्षेत्र की रागिमुद्देनहल्ली शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर आदिचुचनगिरी विद्या ट्रस्ट के महासचिव श्री पुरुषोत्तमानंदनाथ स्वामी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री कपिलेश के आर, विधायक एवं पूर्व मंत्री श्री सी पुडुराजू तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

शाखा नेटवर्क Branch Network

Mumbai Zone inaugurates NRI wealth Centre, Kandivali



On 6th Jan, 2022 Mumbai Zone inaugurated NRI wealth Centre, Kandivali West. Deputy Zonal Head Shri Pitabash Pattanayak, Regional Head (Mumbai Metro West Region) Shri Nikhil Mohan, Branch Head (PFS Kandivali West) Shri Shaibal Banerjee and other Staff Members were present on the occasion.

अजमेर क्षेत्र की जवाजा शाखा के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन



28 जनवरी, 2022 को अजमेर क्षेत्र की जवाजा शाखा के नवीनीकृत परिसर का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर अजमेर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी, जवाजा के खंड विकास अधिकारी श्री अनिल अरोड़ा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

पणजी क्षेत्र में नए एटीएम का उद्घाटन



07 जनवरी, 2022 को पणजी क्षेत्र द्वारा हॉलिडे होम में नए एटीएम का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर पणजी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री दीपक कुमार सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव कुमार राणा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Mumbai Metro West Region inaugurates NRI wealth Centre



On 6th Jan, 2022, our Mumbai Metro West Region inaugurated NRI wealth Centre at Vile Parle (East). Regional Head Shri Nikhil Mohan, Indian Film Actor Shri Akhileendra Mishra, Branch Head (NRI wealth Centre) Shri Ram Narayan Jha, Lokhandwala Complex Branch Head Shri Sunil Kumar and other Staff Members were present on the occasion.

जोधपुर क्षेत्र द्वारा सोजती गेट एनआरआई वेल्थ सेंटर शाखा का उद्घाटन



07 जनवरी, 2022 को जोधपुर क्षेत्र द्वारा सोजती गेट एनआरआई वेल्थ सेंटर शाखा का उद्घाटन किया गया. इस अवसर पर जोधपुर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

नागपुर क्षेत्र की वाडी शाखा में गोल्ड लोन शॉपी का शुभारंभ



01 फरवरी, 2022 को नागपुर क्षेत्र की वाडी शाखा में गोल्ड लोन शॉपी का शुभारंभ किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजीव सिंह, वाडी शाखा की शाखा प्रबंधक श्रीमती दीपिका सोडिया तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

मेरठ अंचल द्वारा अलीगढ़ क्षेत्रीय कार्यालय के परिसर का उद्घाटन



मेरठ अंचल द्वारा 26 फरवरी, 2022 को अलीगढ़ क्षेत्र के परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री अश्विनी कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख श्री शमशाद अहमद, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

Ernakulam Region inaugurates new premises of Kalamasserry Branch



On 10th January, 2022 Ernakulam Region inaugurated new premises of Kalamsserry Branch. Zonal Head Shri K Venkatesan, Regional Head Shri Anishkumar Kesavan, Branch Head Shri Mahendra Singh and other staff members were present on the occasion.

Mangaluru City Region inaugurates new premises of Kaikamba Branch



On 11th March, 2022 Mangaluru City Region inaugurated new premises of Kaikamba Branch. Network DGM Shri Vinay Gupta, Regional Manager Shri Sanjay Wali, special invitees and customers were present on the occasion.

Calicut Region inaugurates new premises of Kuthupramba Branch



On 05th January, 2022 Calicut Region inaugurated new premises of Kuthuparamba Branch. Zonal Head Shri K Venkatesan, Regional Head Shri S K Palanivel, Deputy Regional Head Shri Dilshob and other staff members were present on the occasion.

हासन क्षेत्र की हिरियूर शाखा के नये परिसर का उद्घाटन



14 मार्च, 2022 को हासन क्षेत्र की हिरियूर शाखा के नये परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री गोपाल कृष्ण आर, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सामुअल स्टीफन, शाखा प्रमुख श्री देवराज तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

नागपुर क्षेत्र द्वारा सिविल लाइन शाखा के नए परिसर का उद्घाटन



25 मार्च, 2022 को नागपुर क्षेत्र द्वारा सिविल लाइन शाखा के नए परिसर का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, क्षेत्रीय प्रबंधक श्री संजीव सिंह, अतिरिक्त जनजातीय आयुक्त (नागपुर) आईएस श्री रविंद्र ठाकरे, बीएसएनएल, नागपुर के उप महाप्रबंधक श्री प्रशांत गणवीर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

डिजिटल बैंकिंग की भूमिका एवं साइबर सुरक्षा

भूमिका

एक पुरानी कहावत है कि आवश्यकता आविष्कार की जननी है. जिस तरह विमुद्रीकरण ने डिजिटलीकरण को दिशा दी उसी प्रकार कोविड-19 महामारी डिजिटलीकरण को गति प्रदान कर रही है. हालांकि यह महामारी विश्व समुदाय के लिए एक अभिशाप रही है किन्तु डिजिटलीकरण के संदर्भ में यह वरदान सरीखी है. वर्ष 2020 में कोविड-19 रूपा वैश्विक महामारी में पहली बार जब विश्वव्यापी विषाणु रूपा कालिया सर्प ने मानवता रूपा यमुना को ग्रस्त कर लिया तब डिजिटलतंत्र संकटमोचक कृष्ण का रूप धारण कर नागरिकों के विभिन्न हितों की रक्षा में जुट गया.



कोरोना काल और बैंकिंग की बदलती अवधारणा

यदि भारत के वित्तीय और बैंकिंग हालातों पर चर्चा करें तो सोचिए यदि मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग, यूपीआई जैसे डिजिटल माध्यम न होते तो लोग बैंकों में जमा अपनी धनराशि को उस दुर्लभ देशबंदी में इस्तेमाल करने से भी वंचित रह जाते. इस दौरान बैंकिंग तंत्र ने अभूतपूर्व कार्य किया. डिजिटल बैंकिंग की नवोन्मेषी पहल ने लोगों को वित्तीय लेन-देन में राहत प्रदान की तथा कांटैक्टलेस बैंकिंग, मुख-पहचान तकनीक, ध्वनि आधारित भुगतान आदि नई अवधारणा को मूर्तिमान किया. इसकी कल्पना भी भयावह है कि तीन-चार महीनों की उस कठिन लॉकडाउन अवधि में यदि वैकल्पिक डिजिटल माध्यम न होते तो लोग हॉस्पिटल के खर्च, किराना मँगवाने आदि में भी पंगु हो जाते. महामारी के संकटपूर्ण समय में हजारों की संख्या में बैंकर्स भी काल कलवित हुए. यदि डिजिटल बैंकिंग की सुविधा नागरिक 100% प्रयोग करते तो सामाजिक दूरी का पूर्णतः पालन होता और कुछ अमूल्य जीवन और बचाव जा सकते थे.

डिजिटलीकरण :- संपर्क रहित इंटरफेस और सामाजिक अंतर्क्रिया (सोशल इंटरैक्शन)

कोविड-19 ने हममें से ज्यादातर को उन सभी स्पर्श की जाने वाली सतहों के प्रति अति-संवेदनशील बना दिया है जो संक्रमण को फैला सकती है. इसलिए कोविड-19 के बाद की दुनिया में, इस बात का अनुमान है कि हमारे पास कम टच स्क्रीन होंगे और अधिक से अधिक वॉयस इंटरफेस और मशीन विजन इंटरफेस होंगे.

मूक डिजिटल क्रांति का सूत्रपात

इससे पहले पिछली सदी में भी प्लेग, स्पैनिश फ्लू आदि संक्रामक बीमारियाँ फैली थीं, लेकिन तब विश्व एक ग्लोबल-ग्राम नहीं था. अतएव उसका प्रभाव एक क्षेत्र विशेष तक सीमित रह गया. आज के समय में पूंजी और सुविधाओं के

विस्तार ने वैश्वीकरण को द्रुत गति दी अर्थात् एक कॉर्पोरेट जगत का सीईओ सुबह का नाश्ता मुंबई में, दोपहर का भोजन सिंगापुर में और रात में डिनर टोक्यो में करता है. यह धन और तकनीक की ताकत का अतिरेक है.

कई तकनीकविद्वान भी मानते हैं कि इस महामारी के हजार नकारात्मक प्रभाव पड़े हो लेकिन सबसे बड़ा छुपा हुआ वरदान है एक मूक डिजिटल क्रांति का सूत्रपात. भारत में ऑनलाइन शिक्षा, ऑनलाइन व्यापार, ऑनलाइन बैंकिंग, ऑनलाइन डॉक्टर-चर्चा आदि लोगों के जीवन के अंग बन गए. एक अर्थशास्त्री ने यह माना है कि 'कोरोना ने भुगतान-तकनीक के क्षेत्र में भारत को विकसित देशों की श्रेणी में ला खड़ा कर दिया है.'

भारत का यूपीआई ना सिर्फ देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी काफी चर्चा में है. कुछ समय पूर्व गूगल ने अपने प्रस्तावित 'फेडनाउ' के लिए अमेरिकी फेडरल रिजर्व को भारत के यूपीआई का हवाला दिया है. फेडनाउ एक नई इंटरबैंक ग्रांस सेटलमेंट सुविधा है. इसके लिए गूगल ने अमेरिकी फेडरल रिजर्व बोर्ड को भारतीय यूपीआई सिस्टम की पूरी जानकारी भी दी है.

इस संदर्भ में गूगल ने कहा था कि भारत के चार सबसे बड़े बैंकों के सहयोग से गूगल का यूपीआई कार्य कर रहा है. गूगल की सलाह है कि भारतीय यूपीआई जैसी व्यवस्था अमेरिका में भी शुरू किया जाए. इससे फेडनाउ को बेहतर बनाया जा सकेगा.

कोरोनाकाल के समय उभरी नई बैंकिंग तकनीकें

धूप लाजिमी है यहाँ छाँव लाजिमी है

दौर कोई भी हो बदलाव लाजिमी है :- सागर

उपर्युक्त शेर का अभिप्राय ही यह है कि हमें कई बार नियत मंजिल पर पहुँचने के लिए रास्ते बदलने पड़ते हैं.

एक महान विश्लेषक के शब्दों में:-

हम एक बार फिर उसी मोड़ पर खड़े हैं और आने वाले कुछ वर्षों में हम जो फैसले लेंगे, उनकी दशकों बाद इतिहासकार निश्चित रूप से समीक्षा करेंगे. वो इस बात की पड़ताल करेंगे कि किस तरह डिजिटल तकनीक ने व्यक्तियों, समुदायों, राष्ट्रों ने उस विश्व को नए सिरे से परिभाषित किया, जो उन्हें विरासत में मिला था.

कांटैक्टलेस बैंक-खाता खुलवाने की सुविधा

मई-जून 2020 के महीने में भारत के कई निजी और सरकारी बैंकों ने ग्राहकों के लिए वीडियो केवाईसी की सुविधा शुरू की है. अब ग्राहकों को खाता खुलवाने के लिए बैंक की शाखा में जाने की जरूरत नहीं है. खाता खोलने का यह तरीका कागज रहित है. इसमें कोई बायोमेट्रिक सत्यापन की आवश्यकता नहीं होती और इस तरह केवाईसी की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए बैंक (प्रतिनिधि) और ग्राहक को एक-दूसरे से भौतिक रूप से संपर्क करने की जरूरत नहीं होती.

मोबाइल ऐप के माध्यम से भी खाता-खुलवाने की सुविधा

कुछ बैंक मोबाइल ऐप के माध्यम से भी खाता-खुलवाने की सुविधा दे रहे हैं। इस तरह की तकनीक में एप्लीकेशन प्रोग्राम इंटरफेस (एपीआई) का इस्तेमाल किया जाता है। इस सुविधा के जरिए एकल स्वामित्व (प्रोप्राइटरशिप), साझेदारी (पार्टनरशिप) फर्म और निजी व पब्लिक लिमिटेड कंपनियों समेत हर तरह के कारोबारों के लिए चालू खाता भी खोला जा सकता है। बैंकिंग ऐप से रेल टिकट की भांति ही बैंक में मोबाइल ऐप के माध्यम से खाता खुलवाना भी सरल हो चुका है।

वीडियो केवाईसी

वर्ष 2020 में केवाईसी नियमों में संशोधन को लेकर भारतीय रिजर्व बैंक की अनुज्ञप्ति के अनुसार "केंद्रीय बैंक ने वीडियो आधारित कस्टमर आइडेंटिफिकेशन प्रोसेस (वीसीआईपी) को ग्राहक अनुमति आधारित वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में पेश किया है ताकि ग्राहक की पहचान करना आसान हो सके।"

कोविड 19 के बाद आनेवाले समय में अग्रलिखित बैंकिंग तकनीक पर जोर:-

- बैंकिंग मोबाइल ऐप
- डिजिटल लॉकर
- कार्डरहित एटीएम मशीन
- वीडियो आधारित लेन देन
- आवाज आधारित लेन- देन
- ओटीपी आधारित लेन-देन
- डिजिटल आधारित ऋण पोर्टल
- आभासी बैंकिंग
- केंद्रीकृत केवाईसी

कोरोना काल में डिजिटल बैंकिंग और साइबर अपराध - जोखिम से जागरूकता तक

लॉकडाउन के दौरान खुद को संक्रमण से बचाने के लिए लोगों ने डिजिटल बैंकिंग को तेजी से अपनाया। ऐसे में साइबर अपराधियों ने भी बाहर निकलने के बजाय घर बैठे ही ठगी का जाल बिछाना शुरू कर दिया। गत वर्ष के मुकाबले इस वर्ष साइबर अपराध के तीन क्षेत्र में छह माह में ही 25 फीसद की वृद्धि दर्ज की गई है। साइबर क्राइम में जिन तीन मामलों में सबसे ज्यादा वृद्धि हुई है। उसमें इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से रुपये निकाल लेना, सोशल नेटवर्किंग साइट्स के माध्यम से ठगी, सोशल साइट्स पर महिलाओं से अश्लीलता और कंप्यूटर व सोशल साइट की हैकिंग के मामले प्रमुख हैं।

वर्ष	डिजिटल बैंकिंग में साइबर अपराध
2020	2,90,445
2019	2,46,514
2018	1,59,761

स्रोत - भारतीय कंप्यूटर इमर्जेंसी रespoंस टीम (सीईआरटी-सर्ट)

कोरोना काल में साइबर ठगी के कुछ दृष्टांत

- कोरोना टीका की बुकिंग के नाम पर फर्जी कॉल एवं लिंक.
- बूस्टर डोज के नाम पर एसएमएस.
- ऑनलाइन डॉक्टर या टेली मेडिसिन के नाम पर फर्जीवाड़ा.
- पहली लहर में ऑक्सिजन, बेड एवं प्राणरक्षक दवाएं दिलाने के नाम पर साइबर अपराधियों ने परिजनों के पैसे लूटे.
- ऑनलाइन शॉपिंग में भारी छूट के लिंक.
- बेरोजगार हुए लोगों को जॉब दिलाने के नाम पर लिंक आदि भेजकर फर्जीवाड़ा

- प्रधानमंत्री की विविध योजनाओं (जैसे किसान सम्मान निधि आदि) का झांसा देकर साइबर ठगी
- फर्जी क्यूआर कोड भेजकर डेटा की चोरी
- नामी कंपनियों के नाम से ट्रस्ट आदि बनाकर लोगों से कोरोना का चंदा आदि लेने का प्रयास
- बुजुर्ग और बच्चे (खासकर वे बच्चे जो गेमिंग आदि में रुचि लेते हैं) इस बार ऑनलाइन ठगी के अधिक शिकार हुये

उपर्युक्त साइबर अपराध के उदाहरण से यह स्पष्ट होता है कि साइबर ठगों ने आपदा को अपना अवसर बना लिया और अरबों रुपयों की ठगी की।

उपाय एवं आगे की राह

हाल ही में बुडापेस्ट कन्वेंशन (साइबर अपराध पर एक कन्वेंशन है, अपनी तरह की पहली ऐसी अंतर्राष्ट्रीय संधि है) में भारत ने साइबर सुरक्षित विश्व बनाने की दिशा में काम करने को सभी का आह्वान किया। गृह मंत्रालय के साइबर और सूचना सुरक्षा विभाग ने एक एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है, 'स्वास्थ्य संकट पर ध्यान केंद्रित होने के कारण साइबर सुरक्षा में ढिलाई बरती जा रही है। साइबर अपराधी इसका फायदा उठाने की कोशिश कर रहे हैं। साइबर अपराधी हमेशा लोगों को अपनी जाल में फंसाने के लिए नए तरीके आजमाते रहे हैं। आजकल ओमिक्रोन वैरिएंट को लेकर साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहे हैं। इसके कारण उपजी स्थिति के मद्देनजर साइबर अपराधी भोले-भाले लोगों को ठगने के लिए विभिन्न हथकंडे अपना रहे हैं?'

साइबर-अपराध से बचने के लिए साइबर सुरक्षा के नियम

- 1) ओटीपी या पासवर्ड भूलकर भी साझा न करें
- 2) सुरक्षित वैंबसाइट से ही ऑनलाइन शॉपिंग करें
- 3) पासवर्ड समय-समय पर बदलते रहें
- 4) सार्वजनिक कंप्यूटर या वाईफाई का प्रयोग न करें
- 5) कार्ड संख्या, सीवीवी आदि सेव करके न रखें
- 6) निजी वित्तीय/ बैंकिंग सूचनाएं सार्वजनिक न करें
- 7) मोबाइल/ कंप्यूटर के सॉफ्टवेयर को अद्यतन रखें
- 8) किसी प्रकार की ठगी या अनधिकृत लेन-देन को तुरंत बैंक/ साइबर सेल को सूचित करें.

निष्कर्ष

कोरोना काल में डिजिटल बैंकिंग ने लोगों को आर्थिक शक्ति प्रदान की, साथ ही बैंकिंग सेवाओं की डिलिवरी में भी सहजता का प्रादुर्भाव हुआ। लेकिन एक कहावत है कि **दरवाजा कितना भी मजबूत हो अगर ताले विश्वसनीय नहीं हैं तो कोई फायदा नहीं**। इसी प्रकार बैंक का ब्रांड, उसके नवोन्मेषी उत्पाद, आधारभूत सुविधाएँ भले ही उत्कृष्ट हों लेकिन साइबर सुरक्षा के मानदंडों में कोई त्रुटि है या उसे अनदेखा किया गया तो बैंक अपना **ग्राहक, व्यवसाय एवं भरोसा** तीनों ही खो देंगे। आम जनता की गाढ़ी कमाई का धन बैंकों के पास होता है, अतः किसी भी प्रकार से उसमें संध लग जाए तो यह पूरे बैंकिंग ईकोसिस्टम पर सवालिया निशान लगा देता है। डिजिटल नवाचार आज का यथार्थ है लेकिन इस **डिजिटलीकरण का मेरुदंड साइबर सुरक्षा** है। अतः इसे तनिक भी नजरअंदाज करना अपने पैर पर कुल्हाड़ी मारने जैसे होगा।

❖❖❖



गौतम कुमार 'सागर'
मुख्य प्रबंधक एवं संकाय,
बड़ौदा अकादमी, वडोदरा

e-RUPI

What is e-RUPI:

Our honourable Prime Minister Narendra Modi launched e-RUPI, a digital payment instrument on 2nd August, 2021. It is a cashless and contactless payment digital solution. Through e-RUPI Indian government has tried to bring an electronic e-voucher system in India. It will act as a prepaid e-voucher which you can pay without any hassle. You don't need a credit card, debit card or any other service to pay. e-RUPI would be shared with the beneficiaries for a specific purpose or activity by organizations or Government via SMS or QR code and the System will ensure that payment reaches its beneficiaries in the most leak-proof manner.

Who developed e-RUPI:

e-RUPI has been developed by the National Payments Corporation of India (NPCI) in association with Department of Financial Services (DFS), National Health Authority (NHA), Ministry of Health and Family Welfare (MoHFW) and partner banks on the Unified Payments Interface (UPI) platform.

Use of e-RUPI:

e-RUPI is a prepaid UPI e-voucher that can be redeemed either through a QR code or an SMS string by the intended beneficiary. Initially, the system is being used for payments at vaccination centres, but it can be extended by the government for the provision of direct benefit transfer (DBT), scholarships, facilitating subsidies, etc.

These e-RUPI vouchers are person-specific and purpose-specific which means that they can be redeemed only for the intended purpose, for example, if they are for

vaccination purposes, they can only be redeemed at vaccination centres for the prescribed purpose.

The private sector can also leverage these digital vouchers for their employee welfare and corporate social responsibility programs.



There are already many countries using the voucher system, for example, the United States, Colombia, Chile, Sweden, Hong Kong, etc. use such vouchers for the delivery of benefits to citizens.

How does it work:

The beneficiary of the service will receive the QR code or the SMS string on his/her phone. Merchant will scan the same and a verification code will be sent to the beneficiary's phone which would have to be shared with the merchant and the payment would be successful.

For example The person should show this code or string at the service provider (like a Vaccination Centre or hospital) where it will be scanned by the merchant.

e-RUPI vouchers issuing Procedure

Government agencies/corporations will approach the partner banks and give them the details regarding the beneficiaries and the purposes for which payments will have to be made.

Beneficiaries are identified using their mobile numbers. The voucher is allocated to the service provider (merchant) in the name of the beneficiary and only this would be delivered to the intended beneficiary.

Some of the partner banks are Bank of Baroda, ICICI Bank, SBI, Axis Bank, HDFC Bank, Punjab National Bank and lots more.

Banks live with e-RUPI

Sr. No.	Bank Name	Issuer	Acquirer	Acquiring App / Entity
1	AU Small Finance Bank	✓		
2	Axis Bank	✓	✓	BharatPe
3	Bank of Baroda	✓	✓	BHIM Baroda Merchant Pay
4	Bank of India	✓		NA
5	Bank of Maharashtra	✓		NA
6	Canara Bank	✓	✓	Canara eRUPI Acquirer

Sr. No.	Bank Name	Issuer	Acquirer	Acquiring App / Entity
7	Central Bank of India	✓		NA
8	Federal Bank	✓		NA
9	HDFC Bank	✓	✓	HDFC Business App & Ezetap
10	ICICI Bank	✓	✓	BharatPe and Pine Labs
11	Indusind Bank	✓		NA
12	Indian Bank	✓		NA
13	Indian Overseas Bank	✓		NA
14	Karnataka Bank	✓		NA
15	Karur vysya Bank	✓		NA
16	Kotak Bank	✓		NA
17	Paytm Payment Banks		✓	Paytm Business App
18	Punjab National Bank	✓	✓	PNB Merchant Pay
19	State Bank of India	✓	✓	YONO SBI Merchant
20	UCO Bank	✓	✓	BHIM UCO UPI
21	Union Bank of India	✓		NA



Benefits of e-RUPI:

Some of the benefits and advantages of e-RUPI are discussed below.

- It is contactless payment facility because the beneficiary is not required to carry a print out of the voucher.
- Easy 2 Steps redemption process.
- The users of this seamless one-time payment mechanism will be able to redeem the voucher without a card, digital payments app or internet banking access, at the merchants accepting e-RUPI. e-RUPI would be shared with the beneficiaries for a specific purpose or activity by organizations or Government via SMS or QR code.

- The entire transaction process through this voucher is relatively faster and at the same time reliable, as the required amount is already stored in the voucher.
- It is a safe and secure because beneficiary doesn't need to share personal details while redemption.
- The beneficiaries of this payment system need not have internet banking access, a smartphone, a card or even a bank account to avail of this service. This would translate into higher adoption rates in rural areas and among economically backward sections of the population.
- It will foster financial inclusion in the country. It will also ensure that government services reach the last mile beneficiaries without leakage of benefits/funds and in a transparent manner.
- It will expedite the targeted, transparent and leakage-free delivery to the endpoint.

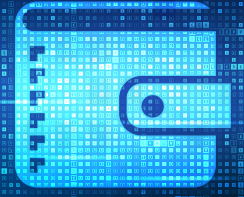
Conclusion:

e-RUPI is different from virtual currency e-RUPI is still backed by the current Indian rupee as the uniqueness of the underlying asset and its purpose make it different from a virtual currency. It is a social service voucher system to ensure benefits reach the intended eligible beneficiaries without any discrepancies and delays.



Sumit Garg
Chief Manager & Faculty
Baroda Academy
Chandigarh

डिजिटल उधार प्रणाली और भाषाओं का महत्व



यू तो पूरा विश्व डिजिटल क्रांति से गुजर रहा है और लगातार प्रत्येक क्षेत्र में डिजिटल उत्पादों को बढ़ावा दिया जा रहा है किन्तु कोविड 19 के दौर में पूरे विश्व को एक ही झटके में डिजिटल की ओर मोड़ दिया है. यह आश्चर्य की बात नहीं है कि बैंकिंग जैसे वित्तीय संस्थानों ने भी अपने आप को डिजिटल और डेटा वार के लिए तैयार करना प्रारम्भ कर दिया. आज की मार्केट प्रतिस्पर्धा डेटा युद्ध है. जिसके पास जितना ग्राहक डेटा है, वह उतना शक्तिशाली है और भारत जैसे विकासशील देश में यह डेटा वार जबर्दस्त रूप ले चुका है.

भारत आज विश्वभर की कंपनियों के लिए एक बड़ा बाजार बन गया है. गाँव और शहर सब जगह पर व्यवसाय की अपार संभावनाएँ हैं और इन संभावनाओं को वह कंपनी ही भुना पायेगी जो क्षेत्रीय भाषाओं पर पकड़ रखेगी. आप टीवी देखते हैं और अचानक से एक विज्ञापन आता है और कंपनी कहती है कि अब अमेज़न की सेवाएँ आपकी अपनी भाषा में उपलब्ध हैं. स्टार स्पोर्ट्स का चैनल अब हिन्दी में सेवाएँ दे रहा है. अभी कुछ दिनों पहले फिलपकार्ट ने हिन्दी सहित 11 भारतीय भाषाओं में सेवा प्रदान करने का निर्णय लिया है. अब तो लिंकडइन (LinkedIn) का इस्तेमाल हिंदी में कर सकते हैं.

फिलपकार्ट के सीनियर वाइस प्रेसिडेंट और चीफ कॉर्पोरेट अफेयर्स अधिकारी ने अपने प्रेस वक्तव्य में कहा कि फिलपकार्ट ने कोविड 19 के दौरान आमजन के बीच सेवाओं का दायरा बढ़ाते हुए 11 भारतीय भाषाओं में अपने ऐप के माध्यम से सेवाएँ प्रदान करने का निर्णय लिया है जो कि भारत में बोली जाने वाली भाषाओं के 90% जन समूह को कवर करती है. फिलपकार्ट कंपनी क्षेत्रीय भाषाओं की मदद से आने वाले समय में लगभग 20 करोड़ भारतीय जनता को फिलपकार्ट से जोड़ने का लक्ष्य रखती है.

सेवा क्षेत्र में कार्य कर रही प्राइवेट क्षेत्र की कंपनियाँ लगातार अपना दायरा बढ़ाने और आमजन के बीच अपनी सशक्त उपस्थिति हेतु क्षेत्रीय भाषाओं का सहयोग ले रही हैं ताकि जो अर्द्धशहरी और ग्रामीण क्षेत्र हैं उस बाजार में अपना व्यवसाय बढ़ाया जा सके.

आज सेवा प्रदाता उद्योगों में बैंकिंग क्षेत्र का नाम भी अग्रणी है. सरकारी बैंक देश के कोने- कोने में फैले हुए हैं और कोविड 19 के दौर में लगातार अपनी सेवाएँ प्रदान कर रहे हैं. लेकिन कोविड-19 के दौर में डिजिटल उत्पादों की महत्ता बढ़ी है और किस प्रकार ग्राहक को घर बैठे बैंकिंग सेवाएँ प्रदान की जा सके यह सभी बैंकों का महत्वपूर्ण लक्ष्य रहा. देश में लगभग सभी बैंक एक समान उत्पाद प्रदान कर रहे हैं लेकिन आने वाले समय में वही बैंक मार्केट में अपनी पकड़ बना पाएंगे जो भारतीय ग्राहकों को भारतीय भाषाओं में डिजिटल सेवाएँ प्रदान करेंगे.

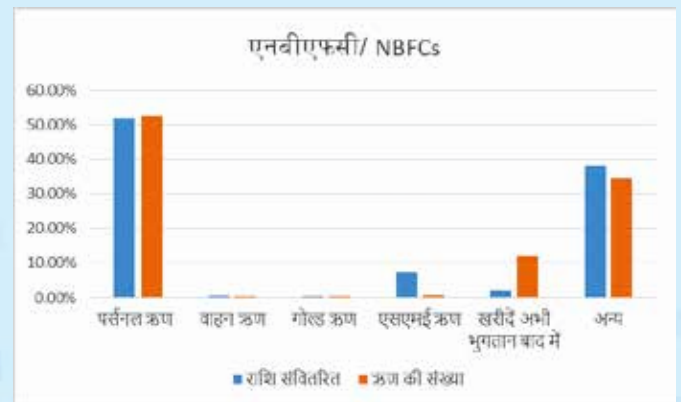
बाजार मांग :-

भारत का \$1 ट्रिलियन डिजिटल ऋण बाजार तकनीकी दिग्गजों के लिए अगला युद्धक्षेत्र है. फेसबुक, अमेज़न, श्याओमी कॉर्प जैसे डिजिटल प्लेटफार्म वाली कंपनियों के लिए व्यावसायिक संभावनाओं का क्षेत्र बना हुआ है. इन कंपनियों में होड़ मची हुई है कि कैसे भारतीय डिजिटल ऋण बाजार को ज्यादा से ज्यादा

अपने फ़ोल्ड में लिया जाए. अभी हाल ही में अमेज़न इंडिया ने भी फिनटेक कंपनियों में अपना निवेश किया है ताकि डिजिटल ऋण बाजार में अपनी पकड़ मजबूत की जा सके.

भारतीय बैंकिंग उद्योग और डिजिटल ऋण

अगर हम भारतीय बैंकिंग उद्योग को देखें और डिजिटल ऋण राशि संवितरण और ऋणों की संख्या पर भारतीय रिज़र्व बैंक की रिपोर्ट पर नजर घुमाते हैं तो हम निम्नानुसार पाते हैं :-



कुल ऋण संवितरण में डिजिटल लेंडिंग प्लेटफार्म का प्रयोग संवितरण एवं ऋण खातों की संख्या का प्रतिशत

एनबीएफसी द्वारा डिजिटल रूप से वितरित किए गए अधिकांश ऋण पर्सनल ऋण हैं जिसके बाद 'अन्य' ऋण हैं. एनबीएफसी के मामले में, 'अन्य' ऋणों में मुख्य रूप से उपभोक्ता वित्त ऋण शामिल होते हैं. भारतीय बैंकों हेतु डिजिटल ऋण वितरित करने हेतु एक बड़ा बाजार और संभावना मौजूद है.

भारतीय बाजार में डिजिटल लेंडिंग वृद्धि

भारत में डिजिटल लेंडिंग बढ़ने की आने वाले समय में प्रबल संभावनाएँ हैं. भारतीय बाजार तकनीक के जबर्दस्त बदलाव के दौर से गुजर रहा है जहां

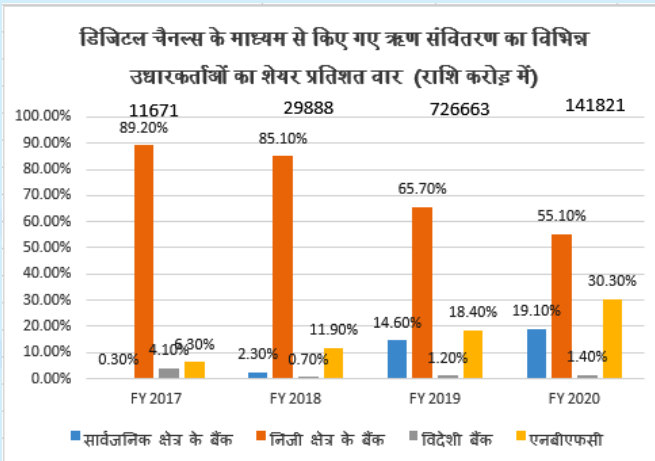
सरकारी नीतियों तथा आमजन का तकनीक में रुझान देश में नवीन बाजार को जन्म दे रहा है, जिस पर सभी देश-विदेश की कंपनियों की नज़रे हैं. इस बढ़ते बाज़ार के 4 मुख्य कारण हैं :-

1. तकनीकी उन्नति
2. सरकारी प्रोत्साहन
3. मोबाइल डेटा की उपलब्धता
4. विनियामक संस्थानों का सकारात्मक सहयोग

भारतीय बाजार इन उपर्युक्त कारणों के कारण बेहद तेजी से वृद्धि कर रहे हैं. हम पाएंगे कि आज भारत तकनीकी रूप से प्रगति कर रहा है जिसमें मोबाइल, इन्टरनेट, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डेटा गणना, क्लाउड कम्प्यूटिंग मुख्य हैं. सरकारी प्रोत्साहन की बात करें तो आधार को बैंक खातों से जोड़ना, जन-धन खातों के माध्यम से बड़ी जनसंख्या को बैंकिंग फ़ोल्ड में लाना, स्टार्टअप को प्रोत्साहित करना मुख्य है. मोबाइल डेटा की आसान उपलब्धता भी आज मुख्य कारण है कि आमजन की पहुँच बढ़ी है तथा आमजन के बीच कंपनियों की पहुँच भी बढ़ी है.

डिजिटल ऋण – संभावनाएँ एवं अवसर :

डिजिटल ऋण की संभावनाएँ भारतीय बाज़ार में लगातार बढ़ती जा रही हैं. यदि हम निम्नलिखित टेबल का विश्लेषण करें तो पाएंगे कि वित्तीय वर्ष 2017 के बाद से निरंतर भारतीय बाजार में डिजिटल चैनल्स के माध्यम से ऋण संवितरण की राशि में बढ़ोत्तरी हो रही है. वर्ष 2017 में जहाँ कुल रु. 11671 करोड़ ऋण का संवितरण डिजिटल चैनल्स के माध्यम से किया गया था. वहीं वर्ष 2020 में यह राशि बढ़कर रु. 141821 करोड़ तक पहुँच गई थी. जिससे यह प्रतीत होता है कि भारतीय उपभोक्ता वर्ग निरंतर डिजिटल चैनल्स के माध्यम से ऋण प्राप्त कर रहे हैं और अपने आप को सहज भी महसूस कर रहे हैं.



उपर्युक्त सारणी का अगर हम अध्ययन करते हैं तो हमारे सामने एक बात और परिलक्षित होती है कि निजी क्षेत्र के बैंक और एनबीएफसी क्रमशः 55 प्रतिशत और 30 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ डिजिटल उधार पारिस्थितिकी तंत्र में प्रमुख संस्थाएँ हैं. साथ ही, एनबीएफसी की हिस्सेदारी 2017 में 6.3 प्रतिशत से बढ़कर 2020 में 30.3 प्रतिशत हो गई है. इसी अवधि के दौरान सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों ने भी अपनी हिस्सेदारी 0.3 फीसदी से बढ़ाकर 13.1 फीसदी कर ली है. ऋण देने में एनबीएफसी ने ज्यादा बढ़ोत्तरी दर्ज की है जो उनके द्वारा तकनीकी नवाचारों को अपनाने का संकेत है.

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों हेतु संभावनाएँ और भारतीय भाषाओं का महत्व :-

वित्तीय वर्ष 2017 में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों का डिजिटल लेंडिंग में प्रतिशत 0.30% था जो कि वित्तीय वर्ष 2020 में बढ़कर 19% तक पहुँचा है, निश्चित रूप से आने वाले समय में लाखों-करोड़ों रूपए के इस मार्केट में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक अपनी उपस्थिति बढ़ाना चाहेंगे. अगर हम सार्वजनिक क्षेत्र के ग्राहक आधार का अध्ययन करेंगे तो पाएंगे हमारे बैंकों का एक बड़ा ग्राहक वर्ग मध्यम तथा निम्न आय वर्ग क्षेत्र से संबंधित है. यह वर्ग निश्चित रूप से डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपने आप को जोड़ना चाहता है किन्तु उनकी पसंदीदा भाषा में सुविधा की अनुपलब्धता इन ग्राहकों हेतु अवरोध का कार्य कर रही है. सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को इस ओर विशेष ध्यान देना होगा कि वे अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध सेवाओं को क्षेत्रीय भाषाओं में भी उपलब्ध कराएँ ताकि बाजार के एक बड़े वर्ग को डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से ऋण सुविधा से जोड़ा जा सके.

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक भारतीय भाषाओं के सहयोग, अपने नेटवर्क और अपनी साख के दम पर इस मार्केट में अपनी सुदृढ़ पहुँच सुनिश्चित कर सकते हैं. जब बाजार इतना बड़ा हो और हमारे पास अपार संभावनाएँ हों तो निश्चित रूप से हम तकनीकी नवाचारों तथा डिजिटल प्लेटफॉर्म का लोकलाइजेशन कर समग्र रूप से अपने व्यवसाय में बढ़ोत्तरी कर सकते हैं. बैंक ऑफ़ बड़ौदा को डिजिटल लेंडिंग प्लेटफॉर्म पर अप्रैल, 21 से दिसंबर, 21 के मध्य केवल रिटेल सेगमेंट में अनुमानित 3,93,290 लीड प्राप्त हुई हैं. इसके अलावा, एमएसएमई, मुद्रा और अन्य ऋण की लीड अलग से प्राप्त हुई है जो कि निश्चित रूप से एक उपलब्धि है. डिजिटल ऋण आने वाले समय में बैंक के लिए एक नवीन रोड मैप दिखाएगा और बैंक की पहुँच को भी बढ़ाएगा.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा द्वारा अपने मोबाइल बैंकिंग एप बाँब वर्ल्ड में हिंदी एवं अंग्रेजी सहित 13 भारतीय भाषाओं को समाहित किया गया है. बैंक का उद्देश्य साफ है कि उन्हें अपने हर ग्राहक, चाहे वो किसी भी आयु वर्ग, भाषा या प्रदेश का हो उसके हाथों में अपने उत्पादों को पहुँचाना है तथा बैंकिंग को जन-जन की बैंकिंग बनाना है. आज बाँब वर्ल्ड के माध्यम से बैंक ग्राहकों को जमा, निवेश, ऋण, शॉपिंग जैसे 200 से अधिक सेवाओं को प्रदान कर रहा है. बाँब वर्ल्ड के माध्यम से आप एक क्लिक पर पर्सनल ऋण प्राप्त कर सकते हैं तथा आम ग्राहकों ने बीते वर्ष इस सुविधा को हाथों हाथ लिया और अच्छी प्रतिक्रिया भी दी है.

बैंक ऑफ़ बड़ौदा के अलावा कई बैंक एवं एनबीएफसी अपनी विभिन्न सेवाएँ डिजिटल प्लेटफॉर्म पर हिंदी एवं क्षेत्रीय भाषाओं में प्रदान कर रही हैं.

एक रिपोर्ट के मुताबिक देश भर में लोग अब अपनी भाषाओं में सोशल नेटवर्किंग साइट्स का उपयोग करने लगे हैं तथा भाषाओं के उपयोग का डेटा मल्टीनेशनल कंपनियों के पास पहुँच रहा है. कंपनियों द्वारा इस संभावित बाजार को अपने व्यवसाय में तब्दील करने हेतु भारतीय भाषाओं के प्रयोग पर कार्य किया जा रहा है तथा अपनी सेवाएँ अब भारतीय भाषाओं में भी प्रदान की जा रही हैं. हमारे पास डिजिटल प्लेटफॉर्म उपलब्ध है, इन डिजिटल प्लेटफॉर्म का उपयोग किस प्रकार हम अधिकाधिक कर सकें यह महत्वपूर्ण होगा.

स्रोत : भारतीय रिजर्व बैंक की डिजिटल लेंडिंग की रिपोर्ट, मिंट न्यूज पेपर, फिलपकार्ड साइट, बाँब वर्ल्ड एवं इन्टरनेट.



चंद्रवीर सिंह राठौड़
मुख्य प्रबंधक (राजभाषा)
राजकोट अंचल

सूरत शहर क्षेत्र द्वारा एमएसएमई ग्राहकों के लिए बैठक का आयोजन



10 मार्च, 2022 को सूरत सिटी क्षेत्र द्वारा एमएसएमई ग्राहकों के लिए बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई के एमएसएमई विभाग के उप महाप्रबंधक श्री शिवाशीष मिश्रा, सूरत शहर क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर के गोयल, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री दिवाकर झा, सूरत जिला क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री अश्विनी कुमार, सूरत सिटी II के क्षेत्रीय प्रमुख श्री भोलानाथ त्रिवेदी एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

नासिक क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



नासिक क्षेत्र द्वारा 25 जनवरी, 2022 को शाखा प्रमुखों के लिए समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुणे अंचल के अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री राकेश कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या एवं विभिन्न शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

लखनऊ में स्वरोजगार संगम कार्यक्रम का आयोजन



06 जनवरी, 2022 को लखनऊ में स्वरोजगार संगम कार्यक्रम के दौरान इस योजना के लाभार्थियों को चेक प्रदान किए गए। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ, ग्रामीण एवं खाद्य मंत्री श्री सिद्धार्थ नाथ सिंह, अंचल प्रमुख श्री बृजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती रचना मिश्रा तथा ग्राहकगण उपस्थित रहे।

मंगलुरु अंचल द्वारा योग शिविर का आयोजन



मंगलुरु अंचल द्वारा भारत सरकार के आयुष मंत्रालय के मोरारजी देसाई योग संस्थान के समन्वय में योग के महत्व के बारे में जागरूक करने के उद्देश्य से योग शिविर का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में अंचल प्रमुख श्रीमती गायत्री आर, उप अंचल प्रमुख श्री गोपाल कृष्ण, श्री क्षेत्र धर्मस्थला के धर्माधिकारी डॉक्टर डी वीरेंद्र हेगड़े तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



03-04 जनवरी, 2022 को बांसवाड़ा क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों हेतु समीक्षा एवं व्यवसाय संवर्द्धन बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री प्रदीप कुमार बाफना, क्षेत्रीय प्रमुख श्री एम के जैन, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री जवानमल रमेशा, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

जोधपुर क्षेत्र में अंचल लेखा परीक्षा समिति का आयोजन



07 जनवरी, 2022 को जोधपुर क्षेत्र में अंचल लेखा परीक्षा समिति बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जयपुर अंचल के अंचल प्रमुख श्री एम एस महनोत, प्रधान कार्यालय, बड़ौदा से महाप्रबंधक श्री तपन कुमार दास, उप अंचल प्रमुख श्री आर सी यादव, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री प्रदीप कुमार बाफना, श्री बी एल मीना, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश चंद्र बुंटोलिया तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

करनाल क्षेत्र द्वारा स्कूल में कासा एवं बॉब वर्ल्ड शिविर का आयोजन



23 फरवरी, 2022 को करनाल क्षेत्र द्वारा सीएस इन्टरनेशनल स्कूल, करनाल में कासा एवं बॉब वर्ल्ड शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय डिजिटल प्रबंधक सुश्री अनीता कुमारी, विपणन विभाग से श्री आदित्य गुप्ता एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

मेहसाना क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन



07 फरवरी, 2022 को मेहसाना क्षेत्र द्वारा श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाले शाखा प्रबंधकों के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अहमदाबाद अंचल के अंचल प्रमुख श्री एम एम बंसल, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री एम एस रोहड़िया, क्षेत्रीय प्रमुख श्री रंजीत रंजन दास, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज कुमार रस्तोगी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

पुणे अंचल द्वारा शाखा प्रमुखों हेतु सम्मेलन का आयोजन



पुणे अंचल द्वारा 02 फरवरी, 2022 को शाखा प्रमुखों के साथ व्यावसायिक मापदंडों पर चर्चा हेतु सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

चंडीगढ़ क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



25 फरवरी, 2022 को चंडीगढ़ क्षेत्र द्वारा श्रेष्ठ कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विमल कुमार नेगी, उप अंचल प्रमुख श्री सुरेश गजेन्द्रन, क्षेत्रीय प्रमुख श्री निशांत कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री बलजीत सिंह तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

Chennai Zone organizes SHG credit camp



Our Chennai Zone conducted SHG credit camp at Kanchipuram. Zonal Head Shri S Rengarajan, Regional Head (Chennai Rural Region) Shri P M Pradhan, Project Director (NULM) Shri Srinivasa Rao and other Executives were present on the occasion.

Coimbatore Region organizes SHG Mega Disbursement day



On 07th February, 2022, our Coimbatore Region organized SHG Mega Disbursement day. Zonal Head Shri S Rengarajan, Regional Head Shri K R Kagadal, Deputy Regional Manager Shri K Murugiah and other Staff Members were present on the occasion.

अमरावती क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



03 फरवरी, 2022 को अमरावती क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर पुणे अंचल के अंचल प्रमुख श्री मनीष कौड़ा, अमरावती क्षेत्र की क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीमती नंदिनी गायकवाड, उप क्षेत्रीय प्रबंधक श्री सुरेश खैरनार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अजमेर क्षेत्र द्वारा ग्राहक बैठक का आयोजन



22 फरवरी, 2022 को अजमेर क्षेत्र द्वारा क्षेत्र के ग्राहकों के लिए ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई से मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेश मल्होत्रा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी, अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा ग्राहकगण उपस्थित रहे।

अलवर क्षेत्र द्वारा कासा शिविर का आयोजन



अलवर क्षेत्र द्वारा 18 फरवरी, 2022 को आर्मी कैंट इटाराना एवं एसएसबी मौजपुर में कासा शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आईटीबीपी, अलवर के एसएसबी डीटीबीसी डेरा के ब्रिगेडियर श्री वी एस नारंग, क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश कुमार शर्मा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ अंचल द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



26 फरवरी, 2022 को लखनऊ अंचल द्वारा व्यावसायिक कार्यनिष्पादन समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह, उप अंचल प्रमुख श्री अशोक कुमार सिंह, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री रंजीत झा, श्री टी पी सिंह, उप महाप्रबंधक श्री बलबीर सिंह लूथरा, अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

उदयपुर क्षेत्र द्वारा साइकल रैली का आयोजन



08 फरवरी, 2022 को 'आजादी का अमृत महोत्सव' अभियान के अंतर्गत उदयपुर क्षेत्र द्वारा साइकल रैली एवं पौधा वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल कुमार माहेश्वरी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनादि भट्ट, सहायक महाप्रबंधक श्री शेर सिंह मीना, वरिष्ठ कार्यपालकगण एवं स्टाफ सदस्यों ने साइकल रैली में भाग लिया।

कोटा क्षेत्र द्वारा नुककड़ नाटक का आयोजन



कोटा क्षेत्र द्वारा 22 फरवरी, 2022 को बैंक के उत्पादों के प्रचार-प्रसार के लिए नुककड़ नाटक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोटा क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री तेज सिंह मीना, अन्य वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

झुंझुनू क्षेत्र में ग्राहक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन



17 फरवरी, 2022 को झुंझुनू क्षेत्र द्वारा ग्राहकों को बैंक के विभिन्न उत्पादों की जानकारी देने के लिए ग्राहक संपर्क कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री बी एल सुंडा, अन्य स्टाफ सदस्य तथा ग्राहकगण उपस्थित रहे.

लखनऊ जिला क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



19 फरवरी, 2022 को लखनऊ जिला क्षेत्र द्वारा व्यावसायिक कार्यनिष्पादन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली शाखाओं को प्रोत्साहित करने हेतु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री शंकर महतो, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजेश गुप्ता तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

नासिक क्षेत्र द्वारा महावसूली अभियान का आयोजन



नासिक क्षेत्र द्वारा 31 जनवरी, 2022 को महावसूली अभियान का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पुणे अंचल के उप अंचल प्रमुख श्री चंद्रमणि त्रिपाठी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या, आरओएसएआरबी प्रमुख श्री वेलजी भाई देसाई एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे.

मेहसाना क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय समिति की बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन



22 मार्च, 2022 को मेहसाना क्षेत्र द्वारा क्षेत्रीय समिति की बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री रंजीत रंजन दास, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज कुमार रस्तोगी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

राजकोट अंचल द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन



04 फरवरी, 2022 को राजकोट अंचल द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई से प्रमुख-एमएसएमई बैंकिंग श्री धुबाशीष भट्टाचार्य, अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री नरेंद्र सिंह, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

राजकोट अंचल द्वारा ग्राहक बैठक का आयोजन



15 फरवरी, 2022 को राजकोट अंचल द्वारा बैंक के उत्पादों की जानकारी देने हेतु ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई से मुख्य महाप्रबंधक (एमएसएमई एवं रिटेल व्यवसाय) श्री राजेश मल्होत्रा, अंचल प्रमुख श्री विजय कुमार बसेठा, उप अंचल प्रमुख श्री वाई एस ठाकुर, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री नरेंद्र सिंह तथा ग्राहकगण उपस्थित रहे.

भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन



21 फरवरी, 2022 को भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा ग्राहकों को बैंक उत्पादों की जानकारी देने हेतु ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन किया गया. इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक श्री राजेश मल्होत्रा, अंचल प्रमुख श्री एम एस महनोत, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश कुमार खटोड़, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एम एल कुमावत तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

लखनऊ मेट्रो क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



11 फरवरी, 2022 को लखनऊ मेट्रो क्षेत्र द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को प्रोत्साहित करने हेतु सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती रचना मिश्रा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज शर्मा, शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

वलसाड क्षेत्र को बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन में सम्मान



बैंक द्वारा आयोजित बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन अभियान के अंतर्गत बड़ौदा अंचल द्वारा 05 मार्च, 2022 को 'सुपर से भी ऊपर' अभियान चलाया गया. इस अभियान में वलसाड क्षेत्र ने तृतीय स्थान प्राप्त किया. इस उत्कृष्ट उपलब्धि हेतु कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता राय ने वलसाड क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री शरत कुमार पाणिग्रही को सम्मानित किया गया.

जयपुर अंचल द्वारा पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन



जयपुर अंचल द्वारा 25 मार्च, 2022 को अंचल व्यवसाय समिति की बैठक व वार्षिक पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री एम एस महनोत, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बड़ौदा शहर क्षेत्र II द्वारा पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन



11 मार्च, 2022 को बड़ौदा शहर क्षेत्र II के स्टाफ सदस्यों के लिए पुरस्कार एवं सम्मान समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजन प्रसाद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री चन्द्रकान्त चक्रवर्ती, सभी शाखाओं के शाखा प्रमुख एवं उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाले स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

कोलकाता अंचल द्वारा मेगा कैम्प का आयोजन



23 मार्च, 2022 को क्रेडिट लिंकेज योजना के तहत कमारहाटी नगरपालिका के साथ महिला सशक्तिकरण को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से एक मेगा कैम्प का आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम में उप अंचल प्रमुख श्री पी के दास, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेन्द्र गोंड, कमारहाटी नगरपालिका के चेयरमैन श्री गोपाल साहा उपस्थित रहे.

राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 152वीं बैठक का आयोजन



29 मार्च, 2022 को राज्य स्तरीय बैंकर्स समिति, राजस्थान की 152वीं बैठक कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची की अध्यक्षता में आयोजित की गई. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री महेंद्र एस. महनोट, वित्तीय सेवाएँ विभाग, भारत सरकार के संयुक्त सचिव श्री सौरभ मिश्रा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

देहारादून क्षेत्र द्वारा ग्राहक बैठक का आयोजन



03 मार्च, 2022 को देहारादून क्षेत्र द्वारा बैंक के उत्पादों का प्रचार-प्रसार करने हेतु ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री अश्विनी कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनूप शर्मा तथा बड़ी संख्या में ग्राहकगण उपस्थित रहे.

कोटा क्षेत्र को गोल्ड लोन अभियान में सम्मान



11 मार्च, 2022 को कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में कोटा क्षेत्र को गोल्ड लोन अभियान में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने हेतु सम्मानित किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री विक्रमादित्य सिंह खीची द्वारा क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा को सम्मानित किया गया.

धमतरी क्षेत्र द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन



14 फरवरी, 2022 को धमतरी क्षेत्र द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं के लिए टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री रंजीत कुमार मण्डल, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अमित बैनर्जी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

भरुच क्षेत्र द्वारा एमएसएमई ग्राहक बैठक का आयोजन



03 मार्च, 2022 को भरुच क्षेत्र द्वारा एमएसएमई ग्राहक बैठक का आयोजन किया गया. इस बैठक में अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सचिन वर्मा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री डी के चौधरी, अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

भोपाल क्षेत्र द्वारा प्रोपर्टी एक्सपो का आयोजन



20 फरवरी, 2022 को भोपाल क्षेत्र द्वारा स्थानीय बिल्डर के समन्वयन में दो दिवसीय प्रोपर्टी एक्सपो कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री गिरीश डालाकोटी, उप अंचल प्रमुख सुश्री मौसुमी मित्रा, क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के तलरेजा, बिल्डर के डायरेक्टर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

अखिल भारतीय सेमिनार ‘बैंकिंग में साइबर अपराध’



बैंक ऑफ़ बड़ौदा में राजभाषा कार्यान्वयन की एक समृद्ध परंपरा रही है. बैंक अपने नवोन्मेषी कार्यों की शृंखला में वर्ष 2013 से अखिल भारतीय सेमिनारों का लगातार आयोजन करता आ रहा है जिसका अनुसरण अन्य बैंकों ने किया है. ‘आस्ति प्रबंधन’, ‘खुदरा ऋण’, ‘ग्रामीण विपणन के विविध आयाम’, ‘विमुद्रीकरण और डिजिटल भारत’, ‘बैंकिंग में डिजिटल परिवर्तन-दशा और दिशा’, ‘कृषि क्षेत्र में ऋण प्रवाह की संभावनाएं’, ‘भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों की भूमिका’, बैंकिंग में अनुपालन संस्कृति जैसे विषयों पर आयोजित सेमिनारों की कड़ी में बैंक द्वारा इस वर्ष भी दिनांक 07 मार्च, 2022 को मैसूरु में भारतीय रिजर्व बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के लिए अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया. यह सेमिनार ‘बैंकिंग में साइबर अपराध’ विषय पर आयोजित हुआ जिसे विभिन्न बैंकों से बहुत अच्छा प्रतिसाद मिला. हमारे पाठकों के लिए प्रस्तुत है इस सेमिनार की संक्षिप्त रिपोर्ट – संपादक

बैंक के प्रधान कार्यालय (राजभाषा विभाग) के संयोजन में 07 मार्च, 2022 को भारतीय रिजर्व बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के लिए ‘बैंकिंग में साइबर अपराध’ विषय पर मैसूरु (कर्नाटक) में अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया गया. सेमिनार का शुभारंभ बैंक

के मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री अजय कुमार खोसला एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित कर्नाटक पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (सीआईडी) के पुलिस अधीक्षक श्री एम डी शरत द्वारा किया गया. इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में क्षेत्रीय कार्यान्वयन कार्यालय, दक्षिण, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार के सहायक निदेशक श्री नरेंद्र मेहरा उपस्थित रहे. साथ ही, सेमिनार में बैंक के मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी श्री सर्वेश गुप्ता, बेंगलुरु अंचल के महाप्रबंधक श्री सुधाकर डी नायक ए तथा मैसूरु क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर मुरलीकृष्णा भी उपस्थित रहे.

इस सेमिनार के लिए भारतीय रिजर्व बैंक सहित सार्वजनिक क्षेत्र के सभी बैंकों, वित्तीय संस्थानों और बीमा कंपनियों के स्टाफ सदस्यों से बैंकिंग में साइबर अपराध विषय से संबद्ध 2 उप-विषयों अर्थात् ‘बैंकिंग में साइबर अपराधों के स्वरूप एवं सुरक्षात्मक उपाय’ तथा ‘भारत में साइबर कानून : प्रभावशीलता एवं सुधारों की आवश्यकता’ पर आलेख आमंत्रित किए गए थे. सेमिनार का संचालन दो सत्रों में किया गया जिसमें चयनित स्टाफ सदस्यों ने अपनी प्रस्तुति दी. प्रत्येक सत्र के समापन पर चर्चा सत्र का आयोजन किया गया.





उद्घाटन सत्र में सेमिनार की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह ने कहा कि बैंक द्वारा लगातार 8 वर्षों से हिंदी माध्यम में इस तरह के अखिल भारतीय सेमिनार का आयोजन किया जाता रहा है जिसमें एक ज्वलंत विषय पर बैंकों, वित्तीय संस्थानों एवं बीमा कंपनियों के स्टाफ सदस्यों से हिंदी में आलेख आमंत्रित किए जाते हैं एवं श्रेष्ठ आलेखों के लेखकों को प्रस्तुति हेतु सेमिनार में आमंत्रित किया जाता है. इस बार कोरोना के दौर में साइबर अपराधों एवं धोखाधड़ी में लगातार बढ़ोतरी को ध्यान में रखते हुए बैंकिंग में साइबर अपराध विषय को हिंदी में विचार-मंथन हेतु चयनित किया गया. हिंदी में ऐसे सेमिनारों के आयोजन का मकसद बैंकिंग से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों से संबंधित जानकारी आम लोगों की समझ में आनेवाली भाषा में उपलब्ध करवाना है. इस अवसर पर पिछले वर्ष के सेमिनार के लिए प्राप्त और चयनित आलेखों के संकलन की पुस्तक 'बैंकिंग में अनुपालन संस्कृति' का विमोचन भी किया गया. साथ ही, बेंगलुरु अंचल की तिमाही पत्रिका 'कृष्णा' के अक्टूबर-दिसंबर, 2021 अंक का भी विमोचन किया गया.

सेमिनार के विशिष्ट अतिथि पुलिस अधीक्षक श्री एम डी शरत ने साइबर क्षेत्र में होने वाली धोखाधड़ियों के स्वरूप एवं उनकी कार्यप्रणाली पर विस्तृत जानकारी देते हुए आम लोगों को इसके संबंध में जागरूक करने की आवश्यकता पर बल दिया. अपने अध्यक्षीय वक्तव्य में बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री अजय कुमार खोसला ने कहा कि बैंकिंग क्षेत्र साइबर हमलों से अत्यधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक है. अतः बैंकिंग में उन्नत तकनीक के प्रयोग में दक्षता हासिल करने के साथ-साथ साइबर हमलों से सुरक्षा की सही जानकारी होनी जरूरी है. साइबर हमलों के स्वरूपों और बचाव के तरीकों का ज्ञान रखना और लोगों को इस संबंध में जागरूक करना हमारी प्राथमिकता है और इस तरह के आयोजन से साइबर सुरक्षा विषय पर लोगों में जागरूकता बढ़ेगी.

सेमिनार के प्रथम सत्र में श्री अविनाश शुक्ला, उ.म.प्र. एवं मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी, यूको बैंक, कोलकाता, श्री संजय कुमार, प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, जम्मू, डॉ. सत्येंद्र कुमार, मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, भोपाल, श्री विनय कुमार पाठक, मुख्य प्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, नोएडा, श्री कृष्ण कुमार, वरि. प्रबंधक, केनरा बैंक, चंडीगढ़, सुश्री शिल्पी बरुआ, प्रबंधक (आईटी), पंजाब नैशनल बैंक, गुवाहाटी, श्री शेषान्त कुमार, वरि. प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, बेंगलूरु और श्री अर्पण बाजपेयी, प्रबंधक, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, छिंदवाड़ा ने अपनी प्रस्तुति दी. सत्र की अध्यक्षता बैंक के मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री अजय कुमार खोसला ने की तथा संचालन सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र ने किया.

द्वितीय सत्र की अध्यक्षता बैंक के महाप्रबंधक (मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी) श्री सर्वेश गुप्ता ने की. इस सत्र में सुश्री जया मिश्रा, मुख्य प्रबंधक, बैंक ऑफ बड़ौदा, नई दिल्ली, श्री कुणाल राहड़, सहायक परामर्शदाता, भारतीय रिजर्व बैंक, जयपुर, श्री विकास महांगरे, वरि. प्रबंधक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, भोपाल, डॉ. प्रशांत रामटेके, प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, नागपुर, सुश्री स्नेहा सिंह, वरि. प्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक, अहमदाबाद, सुश्री कल्पना सी एस, सहायक प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, चंडीगढ़, सुश्री अपराजिता गुप्ता, प्रबंधक, पंजाब नैशनल बैंक, हल्द्वानी तथा श्री अश्वनी कुमार, उप प्रबंधक, दि ओरिएण्टल इश्योरेंस कंपनी लि., बेंगलूरु ने अपनी प्रस्तुति दी. इस सत्र का संचालन मुख्य प्रबंधक (राजभाषा) श्री महीपाल चौहान ने किया. अंत में मैसूरु क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री आर मुरलीकृष्णा के आभार ज्ञापन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ.

प्रस्तुति :
टीम 'बॉबमैत्री'

बड़ौदा अंचल

हमारा बैंक सफलता के नित नए सोपान तय कर रहा है और इस सफलता के पीछे सभी बड़ौदायिन साथियों का विशेष योगदान है. अंचल कार्यालयों की श्रेणी में बड़ौदा अंचल श्रेष्ठ कार्य-निष्पादन हेतु बड़ौदा स्पर्श स्कोर के आधार पर जनवरी, 2022 में तृतीय, फरवरी और मार्च, 2022 में प्रथम स्थान पर रहा है. टीम बॉबमैत्री की ओर से हम बड़ौदा अंचल की समस्त टीम को इस उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देते हैं. आइए जानते हैं अंचल के लीडरों से सफलता के मूलमंत्र – संपादक

सफलता के मूलमंत्र

विकल्प बहुत मिलेंगे रास्ता भटकाने के लिए, संकल्प एक ही काफी है, मंजिल पाने के लिए। – यह कथन मुझे काफी बल देता है और निरंतर मुझे बेहतर करने हेतु प्रेरित करता है. बड़ौदा अंचल का कार्यभार संभालने के बाद मैंने यह महसूस किया कि यहां व्यवसाय विकास के लिए अनंत संभावनाएं हैं तथा बड़ौदा अंचल बैंक के व्यवसाय विकास में अग्रणी भूमिका निभा सकता है. इसी उद्देश्य की प्राप्ति हेतु हमने प्रत्येक व्यावसायिक इकाइयों को चाहे वह अंचल/क्षेत्रीय कार्यालय हो, एसएमईएलएफ हो, एसएमएस हो, आरओएसएआरबी हो, CAMP हो या शाखाएं हो सभी को अपनी-अपनी जिम्मेदारियों का ईमानदारीपूर्वक निर्वहन करने हेतु प्रेरित किया. सभी ने इस भाव को अपने अंदर समाहित किया और अंचल का कार्य-निष्पादन एवं वित्तीय परिणाम उत्तरोत्तर उत्कृष्ट होता चला गया. किसी ने कहा भी है कि –

नजर को बदलो, तो नजारे बदल जाते हैं.

सोच को बदलो, तो सितारे बदल जाते हैं.

कश्टियाँ बदलने की जरूरत नहीं.

दिशा को बदलो किनारे खुद ब खुद बदल जाते हैं.

सभी स्टाफ सदस्यों का सामूहिक प्रयास ही है कि हमारा अंचल फरवरी माह 2022 में चैंपियन अंचल बना. अंचल ने अभी तक व्यवसाय के जिन मानदंडों में बेहतर प्रदर्शन किया है, इसका श्रेय मैं अंचल के प्रत्येक स्टाफ सदस्य को देता हूँ. बिना इनके प्रयासों के यह संभव नहीं होता. हमने प्रत्येक कोर बिजनेस सेगमेंट में बैंक की प्राथमिकताओं को प्रत्येक शाखाओं/इकाइयों तक पहुंचाया. खासतौर पर वसूली दक्षता पर विशेष ध्यान केन्द्रित किया तथा शाखाओं को इसकी महत्ता से अवगत कराया. परिणामस्वरूप हमने फरवरी 2022 में 90% से अधिक दक्षता हासिल की. प्रत्येक स्तर यथा ZMCC, DNCC, RMCC, DRMCC आदि पर हमने डीएलपी एक्सरसाइज को मॉनिटर किया एवं इसमें निरंतर सुधार करते गए. बैंक की महत्वाकांक्षी पहल डिजिटल प्लेटफार्म को सुदृढ़ करने का काम किया. बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन एवं डिजिटल लेंडिंग के क्षेत्र में हमने उत्कृष्ट कार्य किया. हमारा लक्ष्य आगे भी बैंक की प्राथमिकताओं पर ध्यान केन्द्रित कर व्यवसाय वृद्धि हेतु हर संभव प्रयास करने पर रहेगा. बड़ौदा अंचल की टीम, बैंक के उच्च प्रबंधन की अपेक्षाओं पर सदैव खरा उतरने हेतु प्रयासरत है. मैं और मेरी टीम स्वामी विवेकानंद जी के बताए हुए



श्री राजेश कुमार सिंह
अंचल प्रमुख, बड़ौदा अंचल

निम्नलिखित कथन को अक्षरशः आत्मसात करते हुए कर्म पथ पर अग्रसर है.

उठो, जागो और तब तक मत रुको जब तक लक्ष्य की प्राप्ति ना हो जाए.

मार्च, 2022 तिमाही में बड़ौदा अंचल के व्यावसायिक कार्य-निष्पादन की उल्लेखनीय बातें:

- अंचल ने कुल व्यवसाय में 6.3% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 6480 करोड़ की रिकॉर्ड वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 109053 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है.
- अंचल ने चालू जमा में 9% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 424 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 4984 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है.
- अंचल ने बचत जमा में 10.9% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 3329 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 33742 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है.
- अंचल ने कासा जमा में 10.7% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 3753 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 38725 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है.
- अंचल ने कुल जमा में 4.5% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 3427 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 79617 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है.
- अंचल ने कुल अग्रिम में 11.6% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 3053 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 29436 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है.
- अंचल ने कृषि अग्रिम में 11.5% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 603 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 5869 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है.
- अंचल ने एमएसएमई अग्रिम में 9.7% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 740 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 8365 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है.
- अंचल ने खुदरा अग्रिम में 15.3% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 1776 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 13358 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है.
- आवासीय ऋण में 11.7% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 933 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 8932 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है. 7 क्षेत्रों ने अपने वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त किया है.

- **ऑटो ऋण** में 10.9% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 181 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 1843 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है. बड़ौदा शहर 2 क्षेत्र ने अपने वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त किया है.
- **व्यक्तिगत ऋण** में 173% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 528 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 833 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है. सभी क्षेत्रों ने अपने वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त किया है.
- **शिक्षा ऋण** में 16.7% की सालाना वृद्धि के साथ रु. 44 करोड़ की वृद्धि दर्ज करते हुए रु. 307 करोड़ रुपये के स्तर को प्राप्त किया है. 6 क्षेत्रों ने अपने वार्षिक लक्ष्य को प्राप्त किया है.
- **वसूली दक्षता (Collection Efficiency) के अंतर्गत अंचल ने 91% के आंकड़े को पार किया है.**
- अंचल के एनपीए खाते में रु. 358 करोड़ की वसूली कर वार्षिक लक्ष्य को पार किया है. (वार्षिक लक्ष्य रु. 226 करोड़ था)
- अंचल ने मार्च बेस एनपीए खातों में रु. 70.09 करोड़ की राशि वसूल की है तथा Q-4 के लक्ष्य रु. 70 करोड़ को पार किया.
- अंचल ने Q1+Q2 के दौरान फ्रेश डिग्रेडेड खातों में रु. 30.02 करोड़ की राशि वसूल की है तथा Q-4 के लक्ष्य रु. 30 करोड़ को पार किया.
- अंचल ने Q3 के दौरान फ्रेश डिग्रेडेड खातों में रु. 53.50 करोड़ की राशि वसूल की है तथा Q-4 के लक्ष्य रु. 40 करोड़ को पार किया.
- ई-ऑक्शन के तहत अधिकतर बड़ौदा अंचल शीर्ष स्थान पर रहा.

बड़ौदा अंचल को प्राप्त अन्य पुरस्कार एवं सम्मान

- बड़ौदा अंचल ने बेस्ट जोन के ट्रॉफी टेबल में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान सुरक्षित किया है.
- बड़ौदा अंचल दिसंबर 2021 तिमाही तथा फरवरी 2022 माह में ग्राहक सेवा के क्षेत्र में अखिल भारतीय स्तर पर श्रेष्ठ कार्य-निष्पादन करने वाला अंचल रहा.
- अंचल ने इंडिया फर्स्ट लाइफ इश्योरेंस के अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2021-22 में रु. 100/- करोड़ का व्यवसाय करने का नया कीर्तिमान स्थापित किया है. बैंक के इतिहास में पहली बार किसी अंचल ने इस आंकड़े को छुआ है.
- बैंक में पहली बार किसी अंचल (बड़ौदा) ने बॉब वर्ल्ड एक्टिवेशन के अंतर्गत दिनांक 25.02.2022 को नया कीर्तिमान स्थापित करते हुए 21000 के आंकड़े को पार किया.
- बड़ौदा अंचल ने खुदरा अभियान चैंपियन ऑफ कार्निवल्स (सीओसी-2021: 07.10.2021 से 20.11.2021) अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान सुरक्षित किया है.
- बड़ौदा अंचल ने 472 खातों में रु.168.74 करोड़ की राशि संवितरित कर शाखा डीएलपी के अंतर्गत संवितरण हेतु एमएसएमई उत्सव-1 (07.10.2021 से 31.12.2021) में अखिल भारतीय स्तर पर प्रथम स्थान सुरक्षित किया.
- फरवरी 2022 तक '4 व्हीलर टू फार्मर डिस्बर्समेंट' में अंचल प्रथम स्थान पर रहा. अंचल ने कुल 702 कार लोन में रु. 52 करोड़ की राशि स्वीकृत/संवितरित की है.

- डबल्यूएमएस टीपीपी में शुल्क आय में % के आधार पर अंचल प्रथम स्थान पर रहा.
- अंचल ने पूर्ण सेवाओं के साथ सभी केन्द्रों के सक्रियण में उड़ान अभियान के तहत डीएसबीएस के लक्ष्य का 164% प्राप्त किया. डोर स्टेप बैंकिंग के उड़ान अभियान के अंतर्गत बैंक ऑफ बड़ौदा सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों में पहले स्थान पर रहा.
- जनवरी 2022 हेतु नकदी प्रबंधन केआरआई में अंचल पैन इंडिया प्रथम स्थान पर रहा.
- Occupation code, constitution code, country code एवं compliance date के एनरीचमेंट में 99.51% के लक्ष्य को प्राप्त किया.

अंचल के शीर्ष कार्य-निष्पादन वाले क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुखों से जानें सफलता के मूलमंत्र



श्री रोहित कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख, गोधरा-II क्षेत्र

**"कोशिश कर हल निकलेगा
आज नहीं तो कल निकलेगा
अर्जुन के तीर सा सध
मरुस्थल से भी जल निकलेगा"**

उक्त पंक्तियां प्रयासों द्वारा असंभव कार्यों को कर गुजरने की कहानी कहती हैं. सफल होने के लिए सिर्फ सकारात्मक सोच ही नहीं बल्कि लक्ष्य प्राप्ति के लिए कड़ी मेहनत के साथ-साथ अपने कार्यों में निरंतरता भी चाहिए. सफलता में निरंतरता का विशेष योगदान होता है क्योंकि उसके बिना आगे बढ़ते रहना संभव नहीं है. जीवन चुनौतियों और अवसरों से भरा है लेकिन केवल उन्हीं लोगों के लिए जो वास्तव में अवसरों को प्राप्त करने और चुनौतियों का सामना करने के लिए संघर्ष करते हैं. कड़ी मेहनत और समर्पण सफलता की यात्रा का एकमात्र मंत्र है. उत्साह और कड़ी मेहनत के बिना कोई भी सफलता हासिल नहीं कर सकता.

हमारी टीम के द्वारा किए गए त्याग, समर्पण, कठिन परिश्रम के फलस्वरूप ही आज हम उच्च प्रबंधन द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने में सक्षम हो सके हैं और बैंक के विकास में अपना सकारात्मक योगदान दे पाए हैं. इसी के दृष्टिगत स्पर्श प्लस की रैंकिंग में हमारा क्षेत्र अखिल भारतीय स्तर पर पहले 10 क्षेत्रों में बना हुआ है. इसी के परिणामस्वरूप हमारा गोधरा -II क्षेत्र सफलता के नए सोपानों को प्राप्त कर सका जिसमें से कुछ आपके समक्ष रखना चाहूंगा-

- **स्पर्श प्लस** की रैंकिंग में हमारा क्षेत्र अखिल भारतीय स्तर पर **पांचवे** स्थान पर रहा.
- मार्च 2022 तिमाही में गोधरा-II क्षेत्र **संग्रहण दक्षता** में लगभग **95 प्रतिशत** के स्तर पर पहुंच गया.
- खुदरा, एमएसएमई और कृषि में हमारे क्षेत्र ने लक्ष्यों को सफलतापूर्वक प्राप्त कर उन्हें एक अच्छे मार्जिन से सरपास किया है.
- बीसीसी द्वारा आयोजित **114 खुदरा अभिवादन अभियान एवं "चैंपियन ऑफ कार्निवल"** अभियान में अपने ग्रुप में अखिल भारतीय स्तर पर **प्रथम स्थान** प्राप्त किया है.

- खुदरा अग्रिमों में हमारे क्षेत्र ने 32% की वृद्धि के साथ रु. 109.50 करोड़ की वृद्धि दर्ज की एवं व्यक्तिगत ऋण में हमारे क्षेत्र ने 128% की वार्षिक वृद्धि दर्ज करके रु. 124.90 करोड़ के स्तर को प्राप्त किया है।
- बीसीसी द्वारा आयोजित **प्योर पर्सनल लोन अभियान -I** में हमारा क्षेत्र बड़ौदा अंचल में **प्रथम** एवं अखिल भारतीय स्तर पर छठे स्थान पर रहा।
- मार्च 2022 तिमाही के दौरान **बड़ौदा बीमा दिवस** के तहत हमारे क्षेत्र ने सभी 55 शाखाओं को सक्रिय किया एवं बीमा सरताज बना।

एपीजे अब्दुल कलाम सर का कथन है कि -

"आप अपना भविष्य बदल नहीं सकते, लेकिन आप अपनी आदतों को बदल सकते हैं और निश्चित रूप से आपकी आदतें ही आपका भविष्य बदल देंगी"

जीतना एक आदत है और आदत आपका भविष्य बदलने की क्षमता रखती है। अतः सकारात्मक आदत आपको सकारात्मक गति देती है। गत वित्तीय वर्ष के दौरान हमारा क्षेत्र, कारोबार के विभिन्न मापदंडों के अंतर्गत सफल रहा और हमारी प्रत्येक शाखा द्वारा दिया गया योगदान सराहनीय रहा और हम इस जीत की आदत को बनाए रखने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं।



श्री आदित्य कुमार कन्नौजिया, क्षेत्रीय प्रमुख, गोधरा क्षेत्र

मुझे हमारे बैंक की गृह पत्रिका **"बॉबमैत्री"** के माध्यम से आपके साथ जुड़कर हर्ष की अनुभूति हो रही है। गोधरा क्षेत्र की विरासत 38 वर्षों से अधिक की रही है और हमारा क्षेत्र बैंकिंग उद्योग के साथ-साथ हमारे बैंक के भी कई बदलावों का साक्षी रहा है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान गोधरा क्षेत्र टीमवर्क की सच्ची भावना को प्रदर्शित करते हुए शाखाओं और क्षेत्रीय कार्यालय के बीच समन्वय स्थापित करने में सक्षम रहा और इस दौरान युवा और सक्रिय शाखा प्रबंधक तथा स्टाफ सदस्य किसी भी चुनौती के लिए तैयार रहे।

न ही कश्चित् विजानाति किं कस्य श्वो भविष्यति।

अतः श्वः करणीयानि कुर्यादद्यैव बुद्धिमानः॥

संस्कृत के उक्त कथन का अर्थ है कि - *कल क्या होगा यह कोई नहीं जानता, इसलिए आने वाले कल के अपेक्षित कार्यों को आज ही कर लेने वाला व्यक्ति बुद्धिमान कहलाता है।* हमारा क्षेत्र आगामी भविष्य के लिए योजना बद्ध रूप से कार्य कर रहा है और उच्च प्रबंधन द्वारा दिए गए लक्ष्यों को प्राप्त करने की उम्मीदों पर खरा उतरा है।

गोधरा क्षेत्र भले ही व्यवसाय या कर्मचारियों की संख्या के मामले में बड़ौदा अंचल का सबसे छोटा क्षेत्र है, परंतु गोधरा की टीम के जोश और उत्साह ने साबित कर दिया है कि सफलता, इसे हासिल करने वालों के मस्तिष्क में निहित शक्ति है। गोधरा क्षेत्र ने व्यापार मापदंडों, अनुपालन, संग्रहण दक्षता में कई मील के पत्थर स्थापित किए हैं। वसूली और धन संपदा प्रबंधन उत्पादों में गोधरा की टीम को शानदार कार्यनिष्पादन के लिए बधाई देता हूँ और इस अवसर पर निरंतर समर्थन और मार्गदर्शन के लिए हमारी अंचल की टीम को भी धन्यवाद देता हूँ।

मैं यह मानता हूँ कि एक विशिष्ट, मेजरबल और समयबद्ध लक्ष्य निर्धारित करने से आपका आधा कार्य पूर्ण हो जाता है, और मुझे लगता है कि इसी विचार ने वित्तीय वर्ष के दौरान सफलता प्राप्त करने में एक प्रमुख भूमिका निभाई है, मैं गोधरा क्षेत्र की कुछ उपलब्धियों का उल्लेख करना चाहूंगा: -

- हमारा क्षेत्र स्पर्श प्लस की रैंकिंग में शीर्ष 10 क्षेत्रों में रहा।
- क्षेत्र ने खुदरा अग्रिम, कृषि अग्रिम और एमएसएमई अग्रिम के तहत आबंटित लक्ष्यों को प्राप्त किया।
- क्षेत्र ने वसूली और अपग्रेडेशन के तहत आबंटित लक्ष्य को प्राप्त किया।
- मार्च-2022 के दौरान क्षेत्र ने संग्रहण दक्षता में 96.19 प्रतिशत के स्तर को प्राप्त किया।
- वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान क्षेत्र ने सभी बीमा दिवसों में क्वालीफाई किया।
- गोधरा क्षेत्र ने "एपीवाई शाइन एंड सक्सिड (पैन इंडिया में 9वां) और एपीवाई ट्रेडसेटर (पैन इंडिया में 13वां)" अभियान के तहत बड़ौदा अंचल में पहला स्थान प्राप्त किया।
- "पीएमजेडीवाई ओडी अभियान" के तहत अखिल भारतीय स्तर पर क्वालीफाई करने वाले केवल 4 क्षेत्रों में से एक गोधरा क्षेत्र रहा।

अंत में, मैं वित्त वर्ष 2021-22 के दौरान स्टाफ सदस्यों के निरंतर समर्पण, टीम वर्क और उपलब्धियों के लिए बधाई देता हूँ और विश्वास दिलाता हूँ कि वित्त वर्ष 2022-23 नई चुनौतियों को पूरा करने और नए मील के पत्थर स्थापित करने के लिए नई ऊर्जा, प्रेरणा और दिशा लाएगा। मुझे विश्वास है कि आने वाले वर्षों में गोधरा क्षेत्र बैंक के सबसे चमकीले सितारे के रूप में चमकेगा। सफलता प्राप्त करने के लिए हमें अपने मन में निम्न कथन को सदैव स्मरण करना होगा कि -

"यदि आप जानते हैं कि आप क्या चाहते हैं, तो आप इसे प्राप्त कर सकते हैं"



श्री शरत कुमार पाणिग्रही, क्षेत्रीय प्रमुख, वलसाड क्षेत्र

ख्वाहिशों से नहीं मिलते महज फूल झोली में,
कर्म की शाखा को हिलाना होगा,
कुछ नहीं होगा अंधेरे को कोसने से,
अपने हिस्से का दीया खुद ही जलाना होगा।

अंचल कार्यालय, बड़ौदा के अंतर्गत एक बड़े क्षेत्रीय कार्यालय, वलसाड क्षेत्र में बतौर क्षेत्रीय प्रबंधक नियुक्त होना मेरे लिए एक सुअवसर से कम नहीं है। इस क्षेत्र की बागडोर संभालने के बाद मैंने यहां की सकारात्मक ऊर्जा को पहचाना जो न केवल प्राकृतिक तौर पर सकारात्मक है, अपितु हमारे बैंक के व्यावसायिक विकास के लिए भी सकारात्मक है। बेशक यहां की पूरी टीम युवा, ऊर्जावान, लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए हमेशा तत्पर रहने वाली है। वलसाड क्षेत्र के सभी स्टाफ साथी जिस तरह से एक टीम भावना के साथ मिलकर कार्य करते हैं वह वाकई किसी संस्थान को आगे ले जाने के लिये अत्यंत आवश्यक है। यहां हर कोई 'हम किसी से कम नहीं' की भावना के

साथ बैंक द्वारा दिए गए लक्ष्यों को पूरा करने के लिए पूरी तल्लीनता से कार्य करता है। फिर लक्ष्य चाहे बॉब वर्ल्ड का हो, रिटेल लोन (पीएपीएल) का हो, कलेक्शन एफिशिएंसी हो, इंडिया फर्स्ट हो या अन्य कोई भी अभियान हो, इन सभी के लिए टीम वलसाड ने लक्ष्यों को पूरा किया है।

शाखाओं के सहयोग से ही हम अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं। यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है कि मेरे क्षेत्र की जितनी भी शाखाएं हैं उन्होंने भी हमारे उच्च प्रबंधन द्वारा दिए गए दिशानिर्देशों का बखूबी पालन किया है।

इसी संदर्भ में हमारे क्षेत्र की उपलब्धियां आपके समक्ष इस प्रकार हैं -

- ✓ बचत जमा, कासा, कुल आवधिक जमा एवं कृषि के मार्च तिमाही का लक्ष्य प्राप्त किया गया।
- ✓ अंचल कार्यालय के पीएपीएल (PAPL) अभियान पर्सनल लोन महा लॉग इन डे दिनांक 23 व 24 मार्च, 2022 में क्षेत्र ने रु. 20 करोड़ के लक्ष्य के सामने रु.13.23 करोड़ का पीएपीएल (PAPL) लोन संवितरण (Disbursement) कर अंचल स्तर पर प्रथम स्थान प्राप्त किया।
- ✓ ई-देना सिलवासा शाखा द्वारा 31 मार्च, 2022 को एक दिन में एक ही चालू खाते में कुल रु.185 करोड़ का डिपॉजिट कैनवास किया गया।
- ✓ बैंक ऑफ बड़ौदा सिलवासा शाखा द्वारा 29 मार्च, 2022 को एक ही दिन में एक ही बचत खाते में कुल रु.140 करोड़ का

डिपॉजिट कैनवास किया गया।

- ✓ क्षेत्र की Collection efficiency 91% के पार चल रही है।
- ✓ बड़ौदा प्रमियर लीग में हमारे क्षेत्र ने फाइनल मुकाबला जीता एवं वित्तीय वर्ष 2021 -22 में हमारे बैंक के इतिहास में एक वित्तीय वर्ष में रु. 23 करोड़ के व्यवसाय करने का कीर्तिमान स्थापित किया।
- ✓ वित्तीय वर्ष 2021- 22 में क्षेत्र द्वारा रु. 28 करोड़ का म्युचुअल फंड व्यवसाय किया गया।
- ✓ वित्तीय वर्ष 2021- 22 में क्षेत्र द्वारा रु. 1.25 करोड़ का हेल्थ इश्योरेंस किया गया।
- ✓ मार्च तिमाही में pride -4 अभियान में 135 प्रतिशत के लक्ष्य को प्राप्त कर क्षेत्र ने India first के उच्चतम स्लैब में क्वालीफाई किया।
- ✓ मार्च तिमाही में pride-4 जनरल इश्योरेंस में सिल्वर कैटेगरी में क्षेत्र क्वालीफाई हुआ।
- ✓ दिनांक 05 मार्च, 2022 को बॉब वर्ल्ड लॉग-इन दिवस 'सुपर से भी ऊपर' में वलसाड क्षेत्र द्वारा एक ही दिन में कुल 4,107 बॉब वर्ल्ड एक्टिवेट किए गये। इस अभियान में क्षेत्र ने अखिल भारतीय स्तर पर तीसरा स्थान प्राप्त किया।

बैंक ऑफ बड़ौदा एवं महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय द्वारा 'महाराजा सयाजीराव वाद-विवाद प्रतिस्पर्धा' का आयोजन

दिनांक 24 मार्च, 2022 को प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा महाराजा सयाजीराव विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों के लिए 'महाराजा सयाजीराव वाद-विवाद प्रतिस्पर्धा' तथा 'मेधावी विद्यार्थी सम्मान समारोह' का आयोजन किया गया। विश्वविद्यालय के कला संकाय के सहयोग से यह कार्यक्रम दो अलग-अलग राउंड में आयोजित किया गया जिसमें विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों ने प्रतिस्पर्धा के दो विषयों 'सोशल मीडिया ने संबंधों को जीवंत बनाया है' तथा 'पर्यावरण संरक्षण एवं विकास परस्पर विरोधी संकल्पनाएं हैं' पर पक्ष एवं विपक्ष में अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन में मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री अजय कुमार खोसला, प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह, विश्वविद्यालय के कला संकाय के प्रभारी अध्यक्ष डॉ. हितेश राविया, कुल सचिव डॉ. के एम चुडासमा, बैंक के उच्चाधिकारीगण तथा विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

वाद-विवाद प्रतिस्पर्धा के विजेता सुश्री अपूर्वा झा, वाणिज्य संकाय (प्रथम), सुश्री रवनीत कौर, विज्ञान संकाय (द्वितीय) तथा श्री हर्षित धीरेंद्रकुमार पाण्डेय, टेक्नोलॉजी एंड इंजीनियरिंग संकाय (तृतीय) स्थान पर रहे जिन्हें



प्रोत्साहन राशि तथा प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। साथ ही, कार्यक्रम में बैंक की 'मेधावी विद्यार्थी सम्मान योजना' के तहत एम.ए. (हिंदी) में प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों, सुश्री प्रीति चौहान और श्री पटेल जिग्नेश कुमार गोरधन भाई को नकद राशि एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान किए गए।

Solapur Region

Our Bank is setting new milestones of success and behind this lie the untiring efforts of our Barodian Colleagues. With a view to showcase their efforts we have started giving space to extraordinary performance of the Zones/ Regions adjudged the best amongst all, based on Baroda Sparsh Score. Accordingly, this space of our Journal has been earned by Solapur Region which has secured 3rd Position in February 2022. On behalf of Team Bobmaitri, we congratulate the entire Team of Solapur Region for this achievement. Now let's learn the Success Mantras from the leaders of the Region -Executive Editor

Highlights of Solapur Region

Shri T P Tulsian is the first Regional Head of the newly formed Solapur Region with effect from 05.10.2020.

Under his leadership, Region has performed very well and surpassed March 2022 targets of demand deposit, retail term deposit, MSME, Retail, Housing, Education, Auto, Personal, Gold loan, recovery, Life insurance fee income, health insurance fee income and credit cards.

Solapur Region has been ranked Pan India No. 3 in the monthly rolling trophy for the month of February 2022.



Shri Tej Prakash Tulsian
Regional Head,
Solapur Region

- Solapur Region comprises of 12 Urban, 16 Semi Urban and 21 rural branches.
- Total number of staff is 392 with 198 officers, 130 clerks and 64 sub staff.
- Regions YOY growth in CASA deposit is 13.3%.
- Region has surpassed demand deposit target with YTD growth of 28.20%.
- Region has surpassed Retail Term Deposit target with YTD growth of 15.0%.
- Total number of saving accounts opened are 40,991 with run rate of 3.13 accounts per day per branch and total number of current accounts opened are 2796 with run rate of 4.76 accounts per month per branch.

PROFILE OF SOLAPUR REGION

PARAMETERS	31.03.21	31.03.22	Variance Over Mar-21	YTD %Growth	Target Mar-22	Gap to Tgt Mar-22
TOTAL BUSINESS	4943	5338	394.98	8.0%	5543.80	-206.26
DEMAND DEPOSIT	170	217	47.81	28.2%	196.69	20.68
SAVING DEPOSIT	1065	1180	115.89	10.9%	1248.75	-68.33
TERM DEPOSIT	1397	1569	171.65	12.3%	1522.43	46.47
RETAIL TIME DEPOSIT	1358	1561	203.75	15.0%	1488.84	72.53
TOTAL DEPOSIT	2631	2967	335.31	12.7%	2967.87	-1.22
CASA DEPOSIT	1234	1398	163.70	13.3%	1445.44	-47.65
CASA %	47	47.12	0.22	0.5%	48.70	-1.59
TOTAL ADVANCE	2311	2371	59.67	2.6%	2575.93	-205.04
AGRICULTURE	833	920	87.01	10.4%	946.19	-26.55
MSME	268	350	81.83	30.5%	305.38	44.89
RETAIL LOAN EXCL LABOD	455	564.21	109.09	24.0%	548.49	15.72
BARODA HOME LOAN	252.54	289.02	36.48	14.4%	277.69	11.33
BARODA EDUCATION LOAN	28.69	34.06	5.37	18.7%	33.45	0.61
BARODA AUTO LOAN	96.60	121.45	24.85	25.7%	116.40	5.05
PERSONAL LOAN	30	50	20.67	69.9%	40.63	9.60
CORPORATE	670	446	-224.70	-33.5%	691.01	-245.39
LABOD/ODBOD	39	38	-1.16	-2.9%	39.49	-1.15
MORTGAGE LOAN	47.0	61.9	14.91	31.7%	63.09	-1.16
GOLD LOAN	157	247	89.73	57.2%	209.01	37.61
PROPERTY PRIDE	33.48	46	12.59	37.6%	51.71	-5.64

- Region has surpassed Retail advances targets of March 2022 and YOY growth in Retail advances is 24%.
- Region has surpassed Home loan targets of March 2022 and YOY growth in Home loan is 14.4%.
- Region has surpassed Auto loan targets of March 2022 and YOY growth in Auto loan is 25.7%.
- Region has surpassed education loan targets of March 2022 and YOY growth in education loan is 18.7%.
- Region has surpassed personal loan targets of March 2022 and YOY growth in personal loan is 69.9%.
- Region has surpassed MSME advances target and YTD growth in MSME Advances is 30.5%.
- Region's YTD growth in Agriculture Advances is 10.4%.
- Region has surpassed Gold loan targets of March 2022 and YOY growth in Gold loan is 57.2%.
- Our Region is Agriculture based where agriculture advances constitutes 40% of total advances. With the challenge of overdue recovery in Agriculture advances account, our overall collection efficiency has improved from 51% in August 2021 to 89.4% in March 2022.
- We have surpassed annual recovery target with actual recovery of 29 Cr against target of 24.2 Cr

Highlights of business performance of the Region in the months of January, 2022 and February, 2022

- Our Region has been ranked Pan India 3rd in the monthly rolling trophy for the month of February 2022.
- Our Region has been ranked Pan India 5th position in recently concluded Master stroke credit card campaign. Our Region canvassed 2397 credit cards against the target of 1680 cards with achievement of 143%.
- Our Region has qualified as Bima Region in the Baroda Bima Diwas from 3rd to 5th January 2022.
- Region's YOY growth in CASA deposit is 20%.
- Region has already surpassed Retail Term deposit targets of March 2022 and YOY growth in Retail Term deposit is 14%.
- Region has already surpassed Retail advances targets of March 2022 and YOY growth in Retail advances is 28%.
- Region's YTD growth in Agriculture Advances is 12.3%.
- Region has already surpassed Gold loan targets of March 2022 and YOY growth in Gold loan is 66.2%.
- Region has surpassed MSME Advances targets of March 2022 and YOY growth in MSME Advances is 31%.

- Our Region has qualified as Bima Region in the Baroda Bima Diwas from 3rd to 5th February 2022.
- Our Region has surpassed the India first life insurance March 22 target with achievement of 493 lakhs against target of Rs 299 lakhs.
- In the recently concluded "BOOM BOOM CASA" campaign, Our Region has been ranked Pan India 2nd in Niva Bupa sehat suraksha policy and Pan India 3rd in TATA AIG apka plan B policy.

Top performing Branches of the Region



Shri J S NIJASURE,
BRANCH HEAD, AKLUJ BRANCH

- Shri J S Nijasure joined the Akluj branch on 04th August 2021.
- Under his leadership branch has surpassed March 2022 targets of demand deposit, MSME, Agriculture, Retail advances and Life insurance fee income targets.



Shri AJIT VIJAY JETITHOR
BRANCH HEAD, HOTAGI ROAD

- Shri Ajit V Jetithor joined the Hotagi branch on 03rd September 2019
- Under his leadership branch has surpassed March 2022 targets of demand deposit, saving, retail term deposit, total advances, MSME and Retail advances.



Shri SRINIVASA DONDAPATI RAO
BRANCH HEAD, PANDHARPUR BRANCH

- Shri Srinivasa D Rao joined the Pandharpur branch on 12th April 2021.
- Under his leadership branch has surpassed March 2022 targets of demand deposit, saving, Agriculture, MSME, Retail advances and general insurance fee income.

Staff members who have made outstanding contributions to business development



Shri Virendra Vasantrao Magare
Credit Head, Solapur Region

- Shri Virendra V Magare joined the RO, Solapur on 28th Dec 2020
- In DLP utilization, Total 53 accounts sanctioned under RMCC power with sanction amount of Rs 121 Cr. Region has surpassed our RMCC target.
- Region has surpassed Retail advances targets of March 2022 and YOY growth in Retail advances is 24%.
- Region has surpassed MSME advances target and YTD growth in MSME Advances is 30.5%.



Shri Ajay Vijaykumar Kokane

RBDM, Solapur Region

- Shri Ajay V Kokane joined the RO, Solapur on 08th October 2020
- Region has surpassed Life insurance target with actual of Rs 571 lakhs against target of Rs 300 Lakhs.
- Region has surpassed Health insurance target with actual of Rs 119 lakhs against target of Rs 110 Lakhs
- Region has been ranked Pan India 5th position in Master stroke credit card campaign. Region has canvassed 2397 credit cards against the target of 1680 cards with achievement of 143%.
- In the BOOM BOOM CASA Campaign, Region has Qualified in All CASA Enablers Parameters
- Stood PAN India No. 1 in Current Account Opening 795 Accounts
- Stood PAN India No. 1 in Niva Bupa Sehat Suraksha with 2179 Policies
- Stood PAN India No. 3 in TATA AIG – Apka Plan B with 44 Policies
- Stood PAN India No. 11 as Overall Performer out of 148 Regions



Shri Chandrakant Gorakhnath Bhokare

Credit Monitoring, Solapur Region

- Shri Chandrakant G Bhokare joined the RO, Solapur on 30th Aug 2021.
- Our Region is Agriculture based where agriculture advances constitutes 40% of total advances. With

the challenge of overdue recovery in Agriculture advances account, our overall collection efficiency has improved from 51% in August 2021 to 89.4% in March 2022.

Details of other awards and Accolades received by the Region

- In the BCC campaign of “**Glittering with Golden Stars**”, our region was ranked Pan India 1st and we have received certificate of appreciation and trophy from our respected ED Shri V S Khichi.
- Region has successfully qualified and ranked PAN India 2nd in the campaign “**GOLD LOAN KE SARTAJ**” from 05.07.2021-16.07.2021 with achievement of net growth of 6.49 Cr against target of 4 Cr.
- In October 2021, we had successfully organized Kisan meet and Agriculture exhibition under Kisan Pakhwada in the presence of our respected ED **Shri. Joydeep Dutta Roy** and Zonal Head **Shri Manish Kaura**. In this event, various agriculture input suppliers, agriculture machinery suppliers, tractor dealers, SHG's, nursery owners from Solapur district had participated. In this event, we have given total sanctions of Rs. 34 Cr under Agriculture, SME and Retail segments.
- Region has been ranked **Pan India No. 1** in category H in recently concluded campaign “**114 Retail Salutation**” with total disbursements of Rs 30.5 Cr in 482 accounts.
- Region has been ranked Pan India 11th overall in the recently concluded “**BOOM BOOM CASA**” campaign and our Region was Pan India 1st in current account opening numbers.

समाचार / News

Bank Launches BOB- ICSI Diamond Card



On 6th January 2022, our Bank launched Exclusive Bank of Baroda Card (BOB- ICSI Diamond Card) at the 49th National Convention of Company Secretaries event held at Bengaluru Palace. Chief Minister of Karnataka Shri Basavaraj Bommai, Zonal Head (Bengaluru Zone) Shri Sudhakara D Nayak A, Company Secretary (BOBFSL) Shri Vipul Bharot and other members were present on the occasion.

बैंक को एसएचजी बैंक लिंकेज में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार



08 मार्च, 2022 को बैंक को वित्तीय वर्ष 2019-20 में एसएचजी (SHG) बैंक लिंकेज में उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन हेतु राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किया गया. यह पुरस्कार अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सरकारी संपर्क एवं पीएसयू व्यवसाय विभाग की महाप्रबंधक श्रीमती सम्मिता सचदेव ने ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज कैबिनेट मंत्री श्री गिरिराज सिंह से ग्रहण किया.

INTERNATIONAL WOMEN'S DAY, 8th MARCH 2022 #BREAK THE BIAS

International Women's Day was celebrated with much fanfare and enthusiasm on 08.03.2022 at Baroda Corporate Centre, Mumbai. On this occasion, 3 corporate Women General Managers, Mrs. Swapna Bandopadhyay, GM (HRM), Mrs. Jaya Chakraborty De – GM-CC Credit Monitoring & Mrs. M Mini T, GM (Financial Institutions, Private Equity & Corporate Tie Ups, Corporate & Institutional Credit) addressed women staff members, working at BCC, Mumbai. The participants were deeply motivated by the specific deliberations by the General Managers on issues ranging from excelling at work life balance to achieving professional growth and striving for continuous learning & development.



Further, the housekeeping staff members were felicitated at the hands of the GMs for their hard work and continuous support provided to run the Corporate Office. The event was fun filled with loads of games and other interactive activities. All the attendees were given an opportunity to showcase their talents by participating at the spot fun activities, which made the event more lively by involvement of maximum lady staff members.

All the female staff members were felicitated with a sapling as a part of Green initiative of the Bank.

The event was attended to by around 130+ female staff members and was concluded with evening refreshments for all the participants. The programme received massive response and was well appreciated by one and all.



Shweta Chandel
Chief Manager (HRM & COA)
BCC, Mumbai

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का आयोजन

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में दिनांक 08 मार्च, 2022 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस दिन की शुरुआत से ही महिला कर्मचारियों के प्रति विशेष सम्मान दर्शाते हुए चॉकलेट और पुष्प से सभी का स्वागत किया गया एवं विशेष उपहार प्रदान किया गया.

दोपहर में वरिष्ठ महिला कार्यपालकों – उप महाप्रबंधक, सुश्री डेजी एम, मुख्य प्रबंधक द्रय सुश्री बनानी गुहा, सुश्री रोजली सायमन की उपस्थिति में बड़ौदा भवन की सभी महिला स्टाफ सदस्यों के लिए विशेष सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया.



इस कार्यक्रम में पुरुष स्टाफ सदस्यों के परिवार से महिला सदस्यों ने भी प्रतिभागिता की. कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना से हुई. तत्पश्चात् महिला स्टाफ सदस्यों द्वारा गीत, कविता, नृत्य, नाटक आदि की प्रस्तुतियों की गई. प्रस्तुतियों के आधार पर विजेता महिला स्टाफ सदस्यों को सम्मानित भी किया गया.

इस अवसर पर हमारे कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता राय की विशेष उपस्थिति में बड़ौदा भवन की महिला स्टाफ सदस्यों द्वारा केक कटिंग कर इस दिवस को और भी विशेष बनाया गया. कार्यपालक निदेशक महोदय ने महिलाओं के योगदान को रेखांकित करते हुए इस दिवस पर सभी महिला कर्मचारियों का अभिनंदन करते हुए उन्हें शुभकामनाएं दी.

शेफाली गुप्ता
अधिकारी
ग्रामीण एवं कृषि बैंकिंग विभाग
प्रधान कार्यालय, बड़ौदा

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस (08 मार्च) के अवसर पर हमारे बैंक के विभिन्न कार्यालयों/शाखाओं में कार्यक्रमों का आयोजन किया गया. पाठकों के लिए प्रस्तुत हैं कुछ कार्यक्रमों की झलकियाँ - संपादक

अंचल कार्यालय, बड़ौदा



अंचल कार्यालय, मुंबई



क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई उत्तर



क्षेत्रीय कार्यालय, मुंबई दक्षिण



क्षेत्रीय कार्यालय, गया



Bank of Baroda (Uganda), Limited



क्षेत्रीय कार्यालय, लुधियाना



क्षेत्रीय कार्यालय, अमृतसर



अमृतसर शाखा, अमृतसर क्षेत्र



क्षेत्रीय कार्यालय, हिसार



अंचल कार्यालय, चंडीगढ़



International Women's Day

क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा शहर



क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा शहर 2



क्षेत्रीय कार्यालय, बड़ौदा जिला



क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत जिला क्षेत्र



क्षेत्रीय कार्यालय, भरुच



क्षेत्रीय कार्यालय, सूरत शहर II



क्षेत्रीय कार्यालय, गुवाहाटी



क्षेत्रीय कार्यालय, कोलकाता मेट्रो 2



क्षेत्रीय कार्यालय, सिलीगुड़ी



क्षेत्रीय कार्यालय, बनासकांठा



अंचल कार्यालय, कोलकाता



अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

क्षेत्रीय कार्यालय, गांधीनगर



क्षेत्रीय कार्यालय, मेहसाना



क्षेत्रीय कार्यालय, साबरकांठा



क्षेत्रीय कार्यालय, फतेहपुर



क्षेत्रीय कार्यालय, वाराणसी



क्षेत्रीय कार्यालय, प्रयागराज एवं प्रयागराज-2



क्षेत्रीय कार्यालय, सुल्तानपुर



अंचल कार्यालय, नई दिल्ली



क्षेत्रीय कार्यालय, वलसाड



अंचल कार्यालय, जयपुर



क्षेत्रीय कार्यालय, बांसवाड़ा



क्षेत्रीय कार्यालय, भीलवाड़ा



International Women's Day

क्षेत्रीय कार्यालय, रायपुर



क्षेत्रीय कार्यालय, नासिक



क्षेत्रीय कार्यालय, पणजी



क्षेत्रीय कार्यालय, जोधपुर



क्षेत्रीय कार्यालय, उदयपुर



क्षेत्रीय कार्यालय, जयपुर



क्षेत्रीय कार्यालय, कोटा



क्षेत्रीय कार्यालय, सवाई माधोपुर



अंचल कार्यालय, पुणे एवं क्षेत्रीय कार्यालय, पुणे शहर



क्षेत्रीय कार्यालय, औरंगाबाद



अंचल एवं क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल



अंचल कार्यालय, राजकोट



क्षेत्रीय कार्यालय, जूनागढ़



क्षेत्रीय कार्यालय, जलगाँव



क्षेत्रीय कार्यालय, अमरावती



क्षेत्रीय कार्यालय, कोल्हापुर



क्षेत्रीय कार्यालय, नागपुर





Role of Training in Organisation's Growth

Training is a tool which increases the thought process of the employee, updates their Technical and Professional knowledge and thus, contributes in better workplace environment. Training helps in improving the employee's talent, increase their ability and expertise them in their respective job. In an organisation, the training system should be a continuous and never-ending process in order to reap the best benefits.

Bob Nelson, author of *1,001 Ways to Engage Employees*, reports that learning and development are among the top factors in employee engagement. He wrote in his Report :

"Learning experiences is like journeys. The journey starts where the learners develop the zeal to learn and ends where the learner is more successful. The end of the journey isn't know more it's doing more".

What is Employee Training and Development?

This refers to the continued efforts by company to enhance the performance of employees by providing them training covering the Professional as well as behavioural aspects. The training is done by various methods like Induction, On the Job Training, Classroom Training and Online Courses.

Training and Development covers two aspects of employee engagement	
Training	Development
Training is given to the employee for the specific purpose and task set by the organisation. Training is for short period of time. It is an act to increase the skills and knowledge of the employee.	It is a program of different combinations of training. Development is designed to improve the quality and performance of present managers and provide growth for present as well as future requirements.

There are various training approaches like coaching, training sessions and leadership mentoring. Training is a specific event that teaches new information or skills, often provided to new or newly promoted employees.

Importance of Learning and Training for the Organisation :

Learning and development helps companies **gain and**

retain top talent. It **improves productivity** and helps in **earning more profit.** Regular training empowers the employees and keep them updated with the organisation's Guidelines, Rules and Regulation, various Regulatory Policy which reduces the risks for both the company and the employees causes due to lack of knowledge.

1) **Effective Training and Development policy helps in retaining and motivating employee, who are the company's greatest asset :**

According to a recent article, **93% of the employees say that they will stay longer** in a company when that company invests in their career development. It means that, an organisation which support the training and development of employee have more retention of good talent.

An IBM study found that well-trained teams increased their productivity by 10%.

2) **Reduces various Business Risk**

- a) A good learning and development program mitigates the risk involved in doing business .
- b) Compliance Training helps in updating the knowledge of rules, policies and regulation
- c) The Product awareness training helps the employees to update their knowledge of existing as well as upcoming projects/ products. This helps in improving the customer service as well as the sale of the product.
- d) Through Proper Soft Skill training, organisations Motivate the employees, develop their behavioural approach resulting in more positive involvement. Companies can be proactive in training employees to maintain a safe, healthy and inclusive workplace environment.
- e) Effective Ethics training program can help employees to work better and minimize the risk of lawsuits files for failing to comply with industry standards in safety and workplace behaviour.

3) Improve Customer Service

The customers expect the company employees to be experts in their fields, who can give them proper solution. **Empowering every employee to handle such customer conversations effectively, will have a remarkable impact on customer satisfaction.**

4) Training and development is also important for organization to get the maximum advantage of Change Management, Technology Advancement. Training also make employees familiar with the latest technology .

Importance of Training and Development for Employees:

In 2019 a report published in The International Journal of Business and Management Research indicates that 90% of employees surveyed agreed or strongly agreed that training and development programs improved their job performance.

1) Employees grow both Professionally and Personally :

These programs provide opportunities to the employees to enhance their skills and knowledge and help them to achieve better career growth. Training and development helps employees to update their individual knowledge and skills. Thus boosting their skills in working effectively.

2) Develop Learning Culture within Organisation :

Both online and offline training programs promote continuous learning of new concepts, industry update in the knowledge of the employees. This helps in developing a learning culture amongst the employees within the organization. It improves their self confidence and adaptability to change .

3) Improve Employees Morale:

When employees are trained to become better performers, they feel a sense of accomplishment. They realize that they are effectively contributing towards the organizational goals and thus get a morale boost.

4) Develop Managerial Skills among the Employees:

Training and development programmes inspire the employees to think, plan, solve problems and take important decisions.

Some of the companies with remarkable Training and Development Programs are mentioned in the subsequent paragraph:

According to a report by *Training Magazine*, Companies in the U.S. spend an average \$4.5 billion on Training and Development Programs for employees.

➤ **Seattle Genetics :**

Seattle Genetics is a biotechnology company focused on developing antibody-based therapies to treat cancer.

Programs Offered: Tuition reimbursement, onsite training courses to enhance job-related skills and access to job-related conferences and seminars

➤ **SAS**

SAS is a leader in business analytics software and services.

Programs Offered: Emerging leadership programs for professional training and development, career mentoring and a career resource centre. The SAS Academics program for sales and technical enablement provides both in-class and on-the-job training to ensure that recent grads are set up for success before moving into their full-time roles.

➤ **Amazon**

Amazon.com is an e-commerce company that's guided by four principles: customer obsession, passion for invention, commitment to operational excellence and long-term thinking.

Programs Offered: An intensive, month-long training and leadership program prior to hire. Amazon prepays 95% of tuition for employees at fulfillment centres to take courses in in-demand fields. A "Virtual Contact Centre" trains employees to work from home.

➤ **Randstad US**



Randstad US is one of the largest staffing organizations in the U.S., providing temporary-to-hire and permanent placement services each week to more than 100,000 people through its network of more than 900 branches and client-dedicated locations.

Programs Offered: Training programs in the areas of certification, new manager skills, manager effectiveness, leadership development, communication and presentation skills, plus mentoring and coaching programs.

➤ **Schneider Electric**

Schneider Electric is a global specialist in energy management and automation.

Programs Offered: Schneider Electric University offers dedicated academies for executive development, leadership, customer education, energy and solutions, sales excellence and functional skills. The company also offers Energy University, a free online educational resource with more than 200 courses on energy efficiency and data centre topics.

➤ **Marriott International Inc.**

Marriott International is a leading hotel and lodging company, with more than 4,400 properties in 85 countries and territories.

Programs Offered: Marriott International offers a variety of training to employees worldwide using multiple training delivery methods, including virtual and in-person. The training focuses on developing skills and provides professional and career development training. Topic areas include work-life balance, leadership and management.

Training and Development should focus on following areas:

1. The training and development plans should be make parallel with the Organisation needs .
2. The training and Development plans should take due care of individual employees development needs
3. The process of training should be aligning business goals of organisation which will improve ROI.
4. Organisation should develop and procure the latest Technologies and Methods for teaching.
5. Organisation should design eLearning courses and other training content which should be interactive.
6. Organisation should focus on Pull Approach over Push Approach in training.
7. Maintaining the Learning & Development Budget within an Organizational Budget.

Importance of Feedback

The employee's feedback and assessment is very important for evaluation of a training program. To evaluate the effectiveness of training programs, organizations can adopt these measures:

1. **Measuring performance results** — Evaluating work outcomes to determine levels of improvement.
2. **Giving Pre- and Post-Training Assessments** — Asking employees to share what they expect from the training and development programs and whether the company's efforts in providing that, met those expectations?
3. **Mining data** — Studying data such as time spent on a course or dropout rates to glean insights about how employees are engaging with the content.
4. **Conducting polls and tests** — Polls and competitions within the training can measure employees' knowledge and engagement.

Reference :

This article is written referencing and studying the various literature available on website mentioned below

<https://www.monster.com/career-advice>

<https://online.maryville.edu/>

<https://www.economicdiscussion.net>

<https://corp.kaltura.com/>

<https://www.ottawa.edu/online>



Shilpa Kukreti
Senior Manager
Baroda Academy, Jaipur

समाचार / News

BOB Financial and IRCTC launch Co-branded RuPay Contactless Credit Card



On 21st February, 2022 BOB Financial Solutions Limited (BFSL), a wholly owned subsidiary of Bank of Baroda and Indian Railway Catering and Tourism Corporation Ltd (IRCTC) have come together to launch the IRCTC BoB RuPay Contactless Credit Card. The card is specially curated to offer maximum savings to frequent railway travellers. Shri Shailendra Singh, MD & CEO, BFSL, Ms. Rajni Hasija, CMD, IRCTC, Ms. Praveena Rai, COO, NPCI & other dignitaries were present on the occasion.

Bank of Baroda signs MoU with Assam Rifles to provide Central Forces Salary Package



On 15th February, 2022 Bank has signed a Memorandum of Understanding (MoU) with Assam Rifles, the oldest paramilitary force, to provide the Baroda Central Forces Salary Package. Under the agreement, Bank of Baroda will offer the Baroda Central Forces Salary Package to all personnel of the Assam Rifles, both serving and retired. The MoU between the Bank and Assam Rifles was signed by Colonel P S Singh, Colonel, Administration, Head Quarters, Directorate General, Assam Rifles and Zonal Head Shri Debabrata Das & other dignitaries were present on the occasion.

The Future of Wealth Management – the role of AI in providing control and direction for the clients to choose and handle their portfolios

The Wealth Management industry is currently going through a period of transition in which it has seen several key changes since the turn of the millennium. Technology, in particularly Artificial Intelligence (AI), has been implemented into many different sectors to great success and Wealth Management has been no exception to the digital revolution. Through improving business operations and strategy such as allocating and managing portfolios to enhancing client control and visual interface, AI has already begun to change the landscape of the sector.

However, it is important to understand, that with changing priorities now something many firms must deal with on an almost constant basis, they also need to now be in a position to utilise the resources in place to cater for a new client-base which has grown up with technology and will thus have different expectations and experiences when it comes to it.

Therefore, Wealth Managers should be aware in what ways technology can be used positively and if done correctly, the opportunities it will provide in this ever-competitive industry.

Improved Operations

One of the main benefits of incorporating AI into any business is that it can cut down on more laborious and repetitive tasks. This can include paper work and monitoring various investment tools which enables a more effective allocation of workers and allows for a more innovative environment and increased profits. Studies have also indicated AI can help achieve savings of around 30 – 40%.

In Addition, AI has now provided a platform for managers to outperform their competitors. This is particularly evident through its ability to gain vast quantities of information to support ideas and develop understandings of the client and run multiple test scenarios before taking a decision, which would be too time consuming and virtually impossible for a human to compete. Through this, when computers identify and pass this information in a digestible format to us as wealth managers, the decision quality can improve.

Enhanced Customer Experience

With many companies struggling to maintain their high standards of service due to regulations and tighter margins, technology has not only allowed for a better portfolio management, but it has paved the way for firms to deliver a superior brand experience. With the ability to offer personalised relationships, firms are in a position to use the data to better understand their client in an efficient manner without having to stifle through mountains of paper work. Managers can also ensure better and simplified client communications, without

overbearing them.

Wealth Managers have already started to deploy AI to refine the portfolio of their clients, by predictively managing their preferences though a scientific approach. The analytics which technology can provide means that time can be spent more effectively to identify opportunities and also be used to build automated engagement systems that can monitor progress, undertake decisions or notify risk in real time.

Enhancing the client experience is pivotal to a firm's success and AI is now the driving force for this due to it providing a connection that was previously untapped by the industry. This now provides a much easier edge for firms to get ahead of the competition and deliver an improved service and reach a much deeper, psychological level of customer relations.

Managing Risk

With AI-enabled risk management, companies are in a better position to identify and manage both known and unknown risks in the vast pools of data available to them, which conventional methods can no longer undertake. In terms of practical examples, AI can help with effective risk practices which will be imperative to the success of the firm as AI can help identify, assess, control and monitor much quicker and more accurately. In turn, AI can also be used to detect, monitor and repel cyber attacks whilst also integrating information about suppliers, including their financial risk, sustainability and social responsibility scores.

Conclusion

As demonstrated, the benefits of technology are vast as it enables rapid business transformation, the driving of innovation and value creation and most importantly, allowed firms to enhance customer experience which maximises profit potential for both parties. AI has meant that the industry has now gone beyond the extend of cost reduction and efficient operations to now experimenting and identifying new ways of improving the sector.

However, companies should not put all their eggs in one basket as it is still not completely perfect. Although it is improving and changing out lives, it still does not offer what humans can – building relationships and providing experiences. Human intervention cannot be excluded for all practical purposes & an ideal situation would be a tech driven human based approach.

◆◆◆



Nilesh Suryavanshi
Manager
Ahmedabad Regional Office-2



काइर्स और साइबर अपराध

काइर्स आज के समय में लेन-देन का सबसे सुगम साधन है. इसके पहले लेन-देन के लिए चेक का इस्तेमाल किया जाता रहा है. चेक से लेन-देन के कई फायदे हैं. नकदी को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाते समय चोरी होने या गुम होने का खतरा खत्म हो जाता है. चेक से लेन-देन में विक्रेता को क्रेता के ऊपर भरोसा रख कर वस्तुओं की आपूर्ति करनी होती है क्योंकि चेक से लेन-देन पूरा होने में 1 से 3 दिन का समय लग जाता है. चेक के माध्यम से लेन-देन में लगने वाले समय को कार्ड ने कम कर दिया. क्रेडिट कार्ड के माध्यम से लेन-देन पर ग्राहक को 10 से 50 दिनों का क्रेडिट मिल जाता है. क्रेडिट कार्ड ज्यादातर कम आय वाले और नौकरी पेशा वाले व्यक्तियों द्वारा उपयोग किया जाता है. अगर व्यक्ति के पास डेबिट कार्ड है तो खरीदारी के लिए पास में नकदी रखने की जरूरत नहीं है. इस तरह काइर्स ने लेन-देन को आसान बना दिया है.

काइर्स के प्रकार:

जारी किए जाने के आधार पर काइर्स तीन प्रकार के होते हैं- डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड और प्रीपेड कार्ड.

1. **डेबिट कार्ड:** यह बैंक द्वारा खाता धारक को जारी किया जाने वाला कार्ड होता है जिससे खाताधारक एटीएम से पैसे निकाल सकता है और किसी भी बिक्री केंद्र पर जाकर खरीदारी कर सकता है.

डेबिट कार्ड से उतना ही भुगतान किया जा सकता है जितना कि खाते में बैलेंस होता है. इस कार्ड से भुगतान करते ही खाते से रकम कट जाती है.

2. **क्रेडिट कार्ड:** यह एक तरह का ऋण होता है. इस कार्ड से लेन-देन पर सामान्यतः 10 से 50 दिनों का समय खरीदारी में किए गए व्यय की भुगतान के लिए क्रेडिट मिल जाता है.

3. **प्रीपेड कार्ड:** यह बैंक और गैर बैंकिंग कंपनियों के द्वारा जारी किया जाने वाला कार्ड होता है. यह विभिन्न तरीके से जारी किया जा सकता है जैसे स्मार्ट कार्ड, चिप कार्ड, मैग्नेटिक स्ट्रिप कार्ड, इंटरनेट अकाउंट, इंटरनेट वॉलेट, मोबाइल अकाउंट, मोबाइल वॉलेट, पेपर वाउचर इत्यादि. प्रीपेड कार्ड को स्मार्ट कार्ड या चार्ज कार्ड भी कहा जाता है. कार्ड में इस्तेमाल हार्डवेयर के आधार पर कार्ड दो तरीके के होते हैं- मैग्नेटिक स्ट्रिप कार्ड और चिप कार्ड.

मैग्नेटिक स्ट्रिप कार्ड: इस प्रकार के कार्ड में पीछे एक काले रंग की पट्टी बनी होती है जिसमें खाता धारक का पूरा डेटा जमा होता है. इस कार्ड को क्लोन करना आसान है इसलिए भारतीय रिजर्व बैंक ने इसे जारी करने के लिए मना किया है.

चिप कार्ड: चिप कार्ड को ईएमवी कार्ड भी कहा

जाता है. ग्राहक की सूचना कार्ड में मौजूद एक चिप में स्टोर की जाती है. भुगतान के लिए इस कार्ड को मशीन में डालना पड़ता है. चिप कार्ड मैग्नेटिक स्ट्रिप कार्ड से ज्यादा सुरक्षित है.

भुगतान प्लैटफॉर्म और स्विच के दृष्टिकोण से कार्ड को तीन वर्गों में विभाजित किया जाता है - **मास्टर कार्ड, वीजा कार्ड और रुपये कार्ड.**

मास्टर और वीजा कार्ड अमेरिकी कंपनी द्वारा जारी किया जाता है, जबकि रुपये कार्ड भारतीय कंपनी द्वारा जारी किया जाता है. रुपये कार्ड को भारतीय रिजर्व बैंक ने सबसे पहले 2012 में छोटे स्तर पर जारी किया था. बाद में 2014 में इसे बृहद पैमाने पर जारी किया गया. रुपये कार्ड के उपयोग के निम्नलिखित फायदे हैं:

1. चूंकि डेटा और सर्वर भारत में ही है इसलिए ग्राहक का डेटा सुरक्षित है.
2. कार्ड की प्रोसेसिंग में लगने वाली फीस भी कम है.
3. रुपये कार्ड के इस्तेमाल से हम विदेशी मुद्रा भंडार को किसी अन्य देश में जाने से रोक सकते हैं.
4. कार्ड से संबंधित किसी भी प्रकार के विवादों का निस्तारण तेजी से किया सकता है.

कार्ड से लेन-देन को दो भागों में विभाजित किया जाता है.

1. **कार्ड प्रस्तुत लेन-देन:** जब एटीएम से पैसे निकालते हैं या फिर बिक्री केंद्र पर कार्ड को स्वाइप मशीन में स्वाइप कर भुगतान करते हैं तो इस प्रकार के लेन-देन को कार्ड प्रस्तुत लेन-देन कहा जाता है. यहां लेन-देन के

लिए कार्ड का भौतिक रूप से मौजूद होना जरूरी है.

2. **कार्ड अप्रस्तुत लेन-देन:** यहां लेन-देन के लिए कार्ड का होना जरूरी नहीं है. जब ग्राहक नेट बैंकिंग ट्रांजैक्शन करता है या फिर ई-कॉमर्स वेबसाइट पर खरीदारी करता है तो वहां व्यक्ति को कार्ड की जानकारी जैसे 16 अंकों का कार्ड नंबर, कार्ड वेरिफिकेशन कोड, कार्ड समाप्ति दिनांक और पिन डालना होता है.

काइर्स में होने वाली धोखाधड़ी:

1. **कार्ड क्लोनिंग या कार्ड स्कीमिंग:** इस तरह की धोखाधड़ी में किसी कार्ड का डुप्लीकेट बना लिया जाता है और फिर उस के माध्यम से खाता में धोखाधड़ी को अंजाम दिया जाता है.
2. **कार्ड का चोरी हो जाना:** किसी के कार्ड को चुराकर उसके साथ धोखाधड़ी करना.
3. **मैन इन द मिडिल अटैक:** जब कार्ड से सूचना का ट्रांसफर होता है तो इसी बीच में ही किसी सॉफ्टवेयर की मदद से चुरा लिया जाता है. इसे ही मैन इन द मिडिल अटैक कहते हैं.
4. **कार्ड या पिन चोरी हो जाना:** कार्ड के जारी होने के बाद कार्ड और पिन खाताधारक तक पहुंचने से पहले ही चोरी कर लिया जाता है.
5. **नकली दस्तावेज या डुप्लीकेट मोबाइल सिम के आधार पर डुप्लीकेट कार्ड को जारी किया जाना या जारी किए जाने के लिए आवेदन करना, काइर्स में होने वाली एक प्रकार की धोखाधड़ी है.**

6. **अंदरूनी असुरक्षा:** बैंक के किसी कर्मचारी द्वारा कार्ड जारी होने के पहले या जो कार्ड वापस कर दिए गए हैं, उनमें धोखाधड़ी की जाती है।
7. सर्वर स्तर पर तकनीकी खराबी के कारण या एप्लीकेशन में गड़बड़ी के कारण भी कार्ड्स में धोखाधड़ी हो जाती है।
8. एटीएम मशीन के पास गुप्त कैमरा लगाकर कार्ड की जानकारी प्राप्त कर धोखाधड़ी की जाती है।
9. एटीएम मशीन में कार्ड डालने वाली जगह पर स्कीमिंग यंत्र लगाकर कार्ड से सूचना की चोरी की जाती है।
10. एटीएम मशीन के बटन पर डुप्लीकेट बटन लगा कर एटीएम पिन और अन्य जानकारियों को चुरा लेना और फिर अकाउंट में धोखाधड़ी करना।
11. एटीएम नेटवर्क से सूचना को चुराना और फिर अकाउंट में धोखाधड़ी करना।

उक्त के अनुसार धोखाधड़ी के अलावा ग्राहक से फोन पर कार्ड की सूचना प्राप्त कर अकाउंट में धोखाधड़ी करना भी आजकल बहुत प्रचलन में है। इस तरह की धोखाधड़ी में ग्राहक को फोन करके उनको किसी योजना का लालच दिया जाता है और फिर उनसे कार्ड की पूरी जानकारी जैसे कार्ड नंबर, एक्सपायरी डेट, सीवीवी नंबर इत्यादि लेकर खाते से पैसे निकाल लिए जाते हैं।

जब किसी होटल या पेट्रोल पंप पर वहां के किसी कर्मचारी को कार्ड स्वेप करने के लिए देते हैं तो हो सकता है कि वह कर्मचारी किसी ऐसे मशीन में आपके कार्ड को स्वेप कर ले जहां कि आपके कार्ड की पूर्ण जानकारी उस मशीन में संग्रहीत हो जाए। फिर इस जानकारी को दूसरे लोगों को बेचा जाता है। कार्ड की जानकारी को बैंक के अनुसार व्यवस्थित कर इसे बैंक के विभिन्न उत्पादों की मार्केटिंग के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

कार्ड के संबंध में होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के लिए उपाय:

कार्ड में बढ़ती हुई धोखाधड़ी को रोकने के लिए कई तरह के उपाय किए जा रहे हैं। कार्ड्स शब्द का इस्तेमाल वैसे लोगों के लिए किया जाता है जो कार्ड की जानकारी को चुराकर उसका ऑनलाइन खरीद बिक्री करते हैं। कार्ड के संबंध में होने वाली धोखाधड़ी को रोकने के निम्नलिखित उपाय हैं :

1. जितने भी मैग्नेटिक स्ट्रिप आधारित कार्ड थे उनको ईएमवी कार्ड में बदला जाना सुनिश्चित करना।
2. कार्ड में हुए धोखाधड़ी की शिकायत दर्ज करना और उस पर सुनवाई करना।
3. बैंकों को यह निर्देश दिए गए हैं कि ग्राहक के शिकायत का निदान 7 दिनों के अंदर करना होगा अन्यथा बैंक ग्राहकों को ₹100 प्रतिदिन जुर्माने के रूप में देंगे।
4. ग्राहकों को जागरूक करने के लिए कार्ड का सही इस्तेमाल करना बताया जाना।

5. उचित तरीके से ग्राहकों को कार्ड जारी करना।
6. किसी वेबसाइट पर कार्ड के इस्तेमाल पर सावधानी बरतना।
7. मल्टी लेवल मार्केटिंग जैसे एजेंसी से सावधान रहना।
8. कार्ड में अगर धोखाधड़ी हो जाती है तो उसकी शिकायत करना।

भारतीय रिजर्व बैंक ने श्री जी गोपाल कृष्ण की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया। इस समिति के गठन का उद्देश्य इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग और साइबर अपराध जैसी घटनाओं को रोकने के लिए उपाय का सुझाव देना था। भारतीय रिजर्व बैंक ने कार्ड में इस्तेमाल टेक्नोलॉजी को भी सुदृढ़ बनाया है जिससे कि धोखाधड़ी रोकी जा सके।

निष्कर्ष: बदलते हुए समय के साथ बैंकिंग टेक्नोलॉजी में भी बहुत तेजी से बदलाव आ रहे हैं। पहले जहां हम पैसे निकालने के लिए बैंक में जाते थे आज उसी पैसे का स्वरूप प्लास्टिक कार्ड के रूप में देखने के लिए मिलता है। जितना ज्यादा टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा, साइबर अपराध भी बढ़ेंगे। लेकिन साइबर अपराध की घटनाओं से विचलित नहीं होना है क्योंकि भारत सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक और अन्य संस्थाएं साइबर अपराध को रोकने के लिए सदैव प्रयासरत हैं।

❖❖❖



संजय कुमार

मुख्य प्रबंधक एवं संकाय
बड़ौदा अकादमी, जयपुर

समाचार / News

बैंक और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के बीच एक समझौता ज्ञापन



वाणिज्यिक उपकरणों के वित्तपोषण के लिए 3 फरवरी, 2022 को नई दिल्ली में बैंक और जेसीबी इंडिया लिमिटेड के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर नई दिल्ली के अंचल प्रमुख श्री अमित तुली, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री घनश्याम सिंह, एवीपी-रिटेल फाइनेंस (जेसीबी इंडिया) श्री अनुज तोमर तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

भोपाल अंचल द्वारा सौंपा गया दुर्घटना बीमा का चेक



भोपाल अंचल द्वारा मध्यप्रदेश पुलिस के पुलिसकर्मी स्वर्गीय श्री भगवान सिंह राजपूत के नामिती को दुर्घटना बीमा दावे की राशि रु. 30.00 लाख का चेक सौंपा गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, भोपाल क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश कुमार तलरजा, मध्यप्रदेश पुलिस के एडीजी (वेलफेयर) श्री विजय कटारिया, पुलिस कमिश्नर (भोपाल) श्री मकरंद देऊशकर, एआईजी (वेलफेयर) श्रीमती अंशुमन अग्रवाल तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।



शिवानी

शाम के ठीक 6.15 हो रहे थे. शाखा के सारे काम खत्म हो गए थे. शिवानी घर जाने के लिए अपने पति के आने का इंतजार कर रही थी. वह आंख बंद कर अपनी सीट पर बैठी ही थी कि अचानक किसी ने सामने से आवाज लगाई—मैडम पैसा जमा करना है. उसने मुस्कुराते हुए उसकी तरफ देखा और जवाब दिया शाखा में लेन—देन का समय समाप्त हो गया है. आप कल सुबह आइए पैसा जमा हो जाएगा. क्या नाम है आपका ? उसने उत्तर दिया— 'लक्ष्मी' और वह बाहर चली गई.

उसका नाम सुनकर शिवानी चार साल पीछे चली गई. जब वह रीजनल ऑफिस से 20 किलोमीटर दूर एक नई शाखा में कस्टमर रिलेशन एक्ज्यूक्यूटिव के पद पर ट्रांसफर होकर आई थी. रीजनल ऑफिस के माहौल एवं शाखा के माहौल में फर्क था. शाखा छोटी होने के कारण सभी काम मसलन - पास बुक प्रिंटिंग, डीडी बनाना, खाता खोलना, एफडी बनाना, स्टेटमेंट देना, लोगों की हेल्प करना सभी काम एक ही काउंटर से होते थे, कभी—कभी कैश काउंटर भी संभालना पड़ता था. लाइट जाने पर तो स्थिति और भी विकट हो जाती थी.

सुबह 5.00 बजे उठकर दोनो बच्चों तेजस और तपन उग्र क्रमशः 14 एवं 12 साल और पति के लिए खाना बनाना, इसके बाद खुद के और पति के

ऑफिस की तैयारी कर वह बमुश्किल 10.00 बजे तक ऑफिस पहुंच पाती थी. एकदम से काम करने की परिस्थितियां बदल जाने के कारण वह थोड़ी चिड़चिड़ी हो गई थी जिसका गुस्सा हमेशा ग्राहकों पर उतरता था. कई बार - अरे! फार्म तो सही से भरो, मोबाइल नंबर नहीं लिखा है, राशि शब्दों में नहीं लिखी है, पिता का नाम गलत लिखा है, पिता का नाम नहीं मालूम है क्या ? आईडी प्रूफ से घर का पता मैच नहीं हो रहा है, जन्म तिथि गलत लिखी हुई है, तुम्हें अपनी जन्म तिथि तक याद नहीं है, फार्म कैसे फट गया संभाल कर नहीं रख सकते हो क्या, फार्म पर फोटो नहीं लगा है, फोटो चिपका कर नहीं ला सकते हो क्या, क्या गम भी हमसे ही लगे, कितनी बार तुम लोगों को बताया है कि फार्म पर 4 जगह साइन लगते हैं, फिर भी बार—बार एक ही गलती करते हो, अरे! यहां पर राशि का मतलब रुपयों से है हमें तुम्हारी राशि से मतलब नहीं है, अरे! बच्चे को बाहर लेकर जाओ, मोबाइल पर बाहर जाकर बात करो, कम से कम अपना पेन लेकर तो आया करो, प्रिंटर खराब है, खाते का बैलेंस बाद में पूछना, पासबुक बाद में अपडेट होगी, एटीएम कार्ड अभी नहीं आया है, अब नहीं आया तो हम क्या करें जहां शिकायत करना है कर दो... इस तरीके के वाक्य उसके मुंह से हमेशा सुनने को मिलते थे. लोगो के कथन अनुसार उसकी बातों में समझ कम और परेशानी और झल्लाहट ज्यादा दिखती थी.

लगभग छः महीने बाद शाखा प्रबंधक ने शिवानी को अपने केबिन में बुलवाया और कहा—मैडम मैंने कई दिनों से आपके व्यवहार का आकलन करने पर कुछ बातें नोट की हैं. हमारी तो पूरी जिंदगी अलग—अलग जगह, अलग—अलग लोगों के बीच कटी है. उनसे मिलकर केवल एक ही निचोड़ निकलता है कि किसी भी ग्राहक को उसके चेहरे, कपड़ों या भाषा के आधार पर मत आंको. मैं नहीं कहूंगा कि आप अपनी शालीनता त्याग कर हर व्यक्ति से बात करें परंतु हम जब यहां काम करने के लिए बैठे हैं तो क्यों न खुशी—खुशी चेहरे पर मुस्कान लेकर काम करें. मैंने आपको हमेशा छोटी—छोटी बातों को लेकर परेशान होते देखा है जिससे आपकी कार्यक्षमता पर तो असर पड़ ही रहा है परंतु इसका बड़ा नुकसान यह है कि आपके व्यवहार में भी परिवर्तन आ रहा है. मैं तो एक साल बाद रिटायर हो जाऊंगा पर आपको एक सलाह दे रहा हूं कि यहां के लोग मिलनसार एवं भोले—भाले हैं. पैसों का अभाव नहीं. पर रहन—सहन सादा है जैसे ये आज आपके बैंक के ग्राहक हैं. ऐसा भी हो सकता है कि किसी मोर्चे पर आप भी इनमें से किसी के ग्राहक बन सकती हैं. हमें अपना व्यवहार हमेशा संयमित रखना चाहिए. शिवानी थोड़ी देर बाद केबिन से बाहर निकली. वह कुछ सोच रही थी. थोड़ी देर बाद चाय वाले ने चाय देते हुए कहा—मैडम क्या हुआ सब ठीक है न ? शिवानी ने अनमने मन से कहा—हां सब ठीक है.

शिवानी के पति एवं दोनों बच्चे भी कई दिनों से कह रहे थे कि वह बदल गई है परंतु दोनों जगह काम के दबाव के कारण उसे यह समझ ही नहीं आ रहा था कि आखिर उसमें क्या बदलाव आया है. आज शनिवार का दिन था आने वाला दिन रविवार और उसके बाद शिवानी ने एक छुट्टी ले ली थी. सभी खुश थे कि वे लोग उसकी शाखा से आगे 25 किलोमीटर दूर एक छोटे से डैम पर फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में पिकनिक मनाने के लिए 2 दिन वहीं पर रहने वाले थे. काफी दिनों बाद ऐसा मौका आया था जब सभी लोग एक साथ मिलकर छुट्टियां बिताने वाले थे. नहीं तो कभी पति का काम, कभी शिवानी बिजी तो कहीं बच्चों का स्कूल कोई न कोई रोड़ा आ जाता था.

उस दिन हल्की—हल्की बारिश हो रही थी. डैम के पास उंची पहाड़ी पर गेस्ट हाउस का नजारा देखते ही बनता था. शनिवार शाम और रविवार का दिन बड़े आनंद से बीता. रविवार रात 10.30 बज रहे थे. रात में बारिश तेज हो गई थी. सूनसान एरिया था. पास खड़ी जीप के स्टेयरिंग पर सवार शिवानी के बेटे तेजस ने मुंह से गाड़ी चलाने की आवाज

करते हुए खेल-खेल में अचानक गाड़ी चालू कर दी और गाड़ी झटके से आगे बढ़ गई। कोई कुछ समझ पाता उससे पहले ही गाड़ी तेजी से आगे की ओर ढलक कर गेस्ट हाउस के सामने लगे एक पेड़ से टकरा कर झटके से पलट गई। तेजस झटके से कंधे के बल जमीन पर गिर गया और बेहोश हो गया। करीब आधे घंटे की मशक़त के बाद गाड़ी सीधी हो पाई और तेजस भी होश में था। दाहिने हाथ में तेज दर्द से वह जोर-जोर से कराह रहा था। उसके हाथ में पिछले आधे घंटे में सूजन बहुत बढ़ गयी थी।

तेजस की हालत देख कर वे किसी तरीके से डॉक्टर को दिखाने के लिए शहर की ओर निकल पड़े। रास्ते में तेजस के जोर-जोर से कराहने के कारण छोटा बेटा तपन भी सहम गया था। गाड़ी अभी शिवानी की शाखा के पास पहुंची थी और रास्ते पर बहुत जाम लगा हुआ था। मालूम करने पर बताया कि शहर की ओर जाने वाली पुलिया पर एक ट्रक फंस गया है जिसके कारण कोई भी कहीं आ जा नहीं पा रहा है। एक पैदल यात्री जो शिवानी की शाखा का ग्राहक था उससे पूछने पर उसने कहा-मैडम जी ये जाम दो किलोमीटर लंबा है और पता नहीं कब खत्म होगा। क्या बात है? आप कुछ परेशान दिख रही हो। उसके पूछने पर शिवानी ने उसे सारा घटनाक्रम बताया तो उसने उन्हें लक्ष्मी से मिलने की सलाह दी। क्योंकि सारे डॉक्टर तो शहर से ही मरीज देखने के लिए यहां आते हैं और रात नौ बजे सब अपने-अपने घर चले जाते हैं। केवल लक्ष्मी ही यहां की लोकल है वो मालिश का काम और जड़ी बूटियों का काम जानती है। आप बोलो तो मैं सारे डाक्टर्स और लक्ष्मी का घर भी जानता हूं। हमने उसे अपने साथ ले लिया। सभी डाक्टर्स के क्लिनिक बंद होने पर हमने लक्ष्मी के घर जाने का फैसला किया। लक्ष्मी का घर शाखा से करीब 1.5 किलोमीटर दूर था। हम लक्ष्मी के घर के दरवाजे पर खड़े थे उस कस्टमर ने लक्ष्मी को घर के बाहर से आवाज दी। कौन है? इस सोने के वक्त पर घर आ रहा है। सुबह आ जाना अंदर से आवाज आई। दीदी एक बच्चा है, उसके हाथ में चोट है, काफी परेशान दिख रहा है। अरे! तुम्हें पता नहीं है कि मैं शाम चार बजे के बाद किसी को नहीं देखती। मुझे मेरे भी अपने काम करने पड़ते हैं। सुबह सात बजे से तुम फिर परेशान करने लगते हो।

वह आवाज शिवानी को कुछ जानी पहचानी लग रही थी। अंदर से आवाज आई - भीतर आ जाओ। घर कच्चा सा था और रात के लगभग 12.00 बज रहे थे। यदि तेजस की पेशानी नहीं होती तो वाकई हम उन्हें परेशान नहीं करते। अंदर पहुंचते ही शिवानी के पैरों तले जमीन खिसक गई। उसका सामना एक

ऐसी महिला से हो रहा था जिसके हुलिये और तेल की तीखी आती गंध के कारण कई दफा वह ठीक 4.30 बजे जैसे जमा करवाने से मना कर चुकी थी, ऐसा नहीं है कि उसने 4.30 के बाद लोगों के जैसे नहीं लिए थे पर हुलिये और उनकी हैसियत देख कर उसने यह काम किया था। वह महिला अजमेर में किसी को जैसे भेजने के लिए आती थी।

उसने बच्चे को अंदर लाने के लिए कहा। जांच करते ही कहा कि फ्रैक्चर नहीं है, कंधा उतर गया है। यदि आप बोलेंगे तो मैं आगे उपचार करूँ, पर आराम लगने में आधा से एक घंटा लग सकता है। मरता क्या न करता हमारे पास कोई चारा नहीं था। उसने अपने पति को कुछ पत्ते देते हुए कहा कि बारीक पीस कर लाना और आप लोग अब थोड़ा धैर्य रखें। अब वो अपने असली रूप में थी एक अच्छे जानकार की तरह काम कर रही थी। उसने एक तेल तेजस के कंधे पर लगाया। वह दर्द से चीख पड़ा और इसी बीच उसने उसके कंधे की हड्डी को कुछ सेट करने जैसा किया। तेजस तिलमिला गया। इसी बीच उसके पति ने वो लेप लाकर लक्ष्मी को दिया और लक्ष्मी ने तेजी से तेजस के कंधे पर लेप कर लिया। तेजस को अब दर्द कम और ठंडक ज्यादा लग रही थी। लेप होते-होते ही उसको नींद आने लगी थी। मानो वह रिलेक्स हो गया हो। वह ठीक 1.00 बजे उठा। अब उसका दर्द और सूजन आधी रह गई थी। लक्ष्मी ने सभी के लिए कुर्सी मंगाते हुए कहा कि बैठ जाइये कब तक यू ही खड़े रहेंगे। अब गाड़ियों की आवाजाही की आवाज आने लगी थी। बाहर निकल कर पति के पूछने पर एक कार वाले ने बताया कि रास्ता खुल चुका है। शिवानी और उसके पति ने लक्ष्मी का धन्यवाद करते हुए कहा कि-आपके उपचार से बेटे को आराम तो हो ही गया है और हम अब रास्ता खुल जाने के बाद घर जाना चाहते हैं। उन्होंने लक्ष्मी को इसके लिए कुछ पैसे भी देना चाहा परंतु लक्ष्मी ने साफ इन्कार करते हुए कहा कि मैं इसके लिए कभी भी पैसे नहीं लेती हूं। शिवानी और परिवार अब घर की तरफ कूच कर चुका था। शिवानी का मन लक्ष्मी के प्रति किए गए अपने व्यवहार से आत्मलानि और पश्चाताप से भर उठा था। वह बार-बार सोच रही थी कि जिस पद पर उसे बैठाया गया है क्या वह वाकई उस पद के साथ न्याय कर रही है। जरा सी हरियाली का अभाव हमें परेशान कर देता है। उसके जैसे कई लोग आज भी छोटी शाखाओं में काम कर रहे हैं और वो भी श्रेष्ठता के साथ।

घर आ चुका था। तपन ने आवाज लगाई-मां घर आ गया है, चलो उतरो। हं...! शिवानी का ध्यान

भंग हुआ। वह नीचे उतर आई। वह अभी भी सदमें में थी। उसे अपने बेटे के हाथ में लगी चोट का जितना मलाल था, उससे ज्यादा उसे अपना व्यवहार व्यथित कर रहा था। जैसे-तैसे रात गुजरी। तेजस के हाथ की सूजन अब न के बराबर रह गई थी। वह अपने पति और तेजस के साथ अपने पारिवारिक डॉक्टर के पास गए। उन्हें सारा घटनाक्रम बताया। सारे चेकअप और एक्सरे करने के बाद डॉक्टर ने बताया कि हड्डी तो नहीं टूटी है परंतु यह सूजन देख कर लगता है कि हड्डी अपनी जगह से खिसकी होगी और उसी के कारण सूजन आई होगी परंतु जो तेल की खुशबू आ रही थी या जो लेप किया गया है उसको देख कर यह महसूस हो रहा है कि किसी सिद्धहस्थ व्यक्ति जो फिजियोथेरेपी या जड़ी-बूटी का जानकार है, के द्वारा इलाज किया गया है। उन्होंने 4 दिन की दवाइयां लिखी और कहा कि अब शायद आपको यहां आने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

शिवानी ने दो दिनों की छुट्टी के बाद बुधवार को शाखा में रिपोर्ट किया। अगले कुछ दिनों तक शाखा में वह लगातार गुमसुम दिख रही थी। मैंनेजर के पूछने पर उसने सारा वाकया उन्हें बताया। उन्होंने उसे सलाह देते हुए कहा जो गलती आप आज तक करती आई हैं उसे आगे सुधारने का मौका है। अपने दिल पर किसी भी तरह का बोझ लेने की जरूरत नहीं है। हमें अपने काम से इसे सुधारना है। कई दिनों तक लक्ष्मी के बैंक न आने पर पूछने पर पता चला कि वह अपने बेटे के साथ पुणे शिफ्ट हो गई है। उसका बेटा अजमेर के आर्मी स्कूल में पढ़ रहा था। उसके बाद उसका सलेक्शन एनडीए में हुआ और उसके बाद नौ सैन्य अधिकारी के तौर पर उसकी नियुक्ति पुणे में हुई है और उसका बेटा उसे अपने साथ ले गया है।

इस घटना ने शिवानी के जीवन को एक नई दिशा दी उसने ठान लिया कि वह कभी भी पूर्वाग्रह से ग्रसित होकर अपने ग्राहकों से गलत व्यवहार नहीं करेगी। उसका यह प्रण अब उसके व्यवहार में परिलक्षित हो रहा था। पिछले पांच सालों में शाखा को कई पुरस्कार प्राप्त हुए और शाखा ने कई नई उंचाईयां छुईं। अधिकतर मंचों पर शाखा प्रबंधक द्वारा अपने अधिकारियों-कर्मचारियों की लगन, जिसमें उसके व्यवहार का भी जिक्र किया गया, उसके लिए प्रेरणास्पद था।

❖❖❖



संतोष जायसवाल
व्यवसाय सहयोगी,
कोहेफिज़ा शाखा, भोपाल.

Cyber Security

Prevention is better than cure. In a Cyber Crime incident, you may not get a cure!

The World Bank estimates the annual internet traffic to increase by 50% from 2020 levels this year to reach 4.8 zettabytes. Bank of Baroda has made digital disruptions along its transformational journey centered on processes, products, platforms, building people capabilities and improving compliance. The future of banking lies in leveraging power of analytics, digitization and technology to provide world class banking services to clients.

IndiaFirst Life has been at the forefront in using technology and has digitized the entire customer and employee journey from the time a customer/employee is onboarded till the death, maturity claim settlement for customer or retirement for employees. Such a shift to a digital ecosystem enhances risks and the need for cyber security

1 ZETTABYTE =
1 000 000 000
000 000 000 000
BYTES

This provides fodder for opportunists & fraudsters to exploit the volume and gullibility of the end user. CERT-In, the nodal agency for responding to cyber security incidents set up by the Ministry of Electronics & Information Technology assessed 25,870 websites were hacked from 2018-2021. India is the second most attacked country in the Asia Pacific after Japan & Finance and Insurance was the most attacked industry accounting for 60% in 2020 according to an IBM security release.

The above facts clearly point to the dangers faced closer home for the Banking & Insurance space in our country and establish the need for awareness and enhanced levels of

protection not only by the domain experts but also by users. The Reserve Bank of India has published a compendium of the modus operandi used by fraudsters & precautions to be taken and suitably titled it as **"Be Aware & Beware"**. In an increasingly digital world, apart from the buyer, the seller also has to be alert.



A few common frauds have been described below with examples, tips to watch out for and what action that a receiver should take:

Common Frauds	Example	Tips to watch out for	What should you do?
Phishing	<ul style="list-style-type: none"> Email/SMS/WhatsApp from MD seeking urgent action with a link which opens and solicits information in the hyperlink or installs malware Email from HR announcing a salary hike which solicits information in the hyperlink 	<ul style="list-style-type: none"> Is it too good to be true? Is a sense of urgency created? Is hyperlink wrongly spelt What is the real email address of the sender that is usually visible on a laptop and not on a mobile screen? 	<ul style="list-style-type: none"> Report to information security of your organization Block the sender on your email/phone/social media Do not share KYC/OTP/PIN to anyone who calls you
Vishing calls	<ul style="list-style-type: none"> Phone call from bank/ insurer/regulator sharing a lucrative proposition & soliciting personal KYC details and sometimes OTP/PIN/CVV/ Insurance policy number/ Nominee Offer of job/ lottery/ bonus on insurance policy / loan at a zero interest 	<ul style="list-style-type: none"> Is the sender/ caller unusual? Is the time of the mail unusual e.g. early morning 	
Impersonation – Results from search engines	<ul style="list-style-type: none"> While searching for contact details/ customer care numbers of Insurance companies or banks, impersonated links get created by fraudsters. These are used to collate KYC/OTP/PIN 	<ul style="list-style-type: none"> Is spelling of the website, correct? Does it look like the official website? 	<ul style="list-style-type: none"> Go to the official website of the organisation to seek customer care numbers or helpline IDs Do not rely on search engine results

We are living in a VUCA (Volatility, Uncertainty, Complexity & Ambiguity) world and lot of our every-day transactions are going digital. We get multiple OTPs/ hyperlinks/ bitly code links which were unheard of. These have replaced physical signature to conclude or commence a transaction. In light of the same, the following precautions can be taken in addition to the ones stated above:

- Bank & Insurance officials or regulators never ask for personal details / KYC / OTP/ PIN when they have initiated the call. Please avoid sharing such details even to family members and friends.
- Passwords are never required to receive money. You may end up paying instead.

- Please do not share identity details of your SIM card & review your mobile bill regularly to screen for usage by someone else.
- Be careful when you scan a QR code which are increasingly used in public places to capture leads. Never use them to receive money.
- Please use discretion in accepting requests to connect on social platforms & share minimal contact details which are usually optional. Please study security settings of social sites and use them judiciously.
- Please use discretion in accessing public Wi-Fi & public charging stations which are avenues for data theft.

- Please do not accept money on behalf of someone else for a fee or easily agree to pay money to online friends in distress.

Sources:

<https://www.weforum.org/agenda/2022/01/cyber-security-2022-global-outlook/>

<https://economictimes.indiatimes.com/magazines/panache/indians-second-most-attacked-by-cyber-criminals-after-japanese-in-asia-pacific/articleshow/81204275.cms?from=mdr>



Sunder Natarajan
Chief Risk Officer
IndiaFirst Life Insurance
Company Ltd

समाचार / News

Bank Launches Varunah co-branded Credit Card



On 18th February, 2022 Bank launched 'Varunah' co-branded credit card at Naval Officers Institute, Kochi. Zonal Head Shri K Venkatesan, Rear Admiral Antony George NM VSM, Chief of Staff, Southern Naval Command, Defence Banking Advisor Commodore Shri R R Ayyar and other Staff Members were present on the occasion.

बैंक और एम्स, देवघर के बीच एमओयू करार

22 मार्च, 2022 को बैंक द्वारा एम्स, देवघर को बैंकिंग संबंधी डिजिटल सुविधा और कॅशलेस इलाज की सुविधा प्रदान करने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किया गया. इस कार्यक्रम में पटना अंचल के अंचल प्रमुख श्री संजीव मेनन, रांची क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री साकेत बिहारी, एम्स के निदेशक डॉ. सौरभ वाष्णोय, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.



Impact of ILIP on Indian Insurance Industry



Index-Linked Insurance Plan (ILIP) is not a new concept in India. However, it was there in Indian Market before 2013 but were banned due to the discrepancies in risk transfer to the policy holders

Recently, a committee was set up by the Insurance Regulatory and Development Authority of India (IRDAI). **The committee has recommended to introduce** the Index-Linked Insurance Plans (ILIPs) as an alternative for more conventional guarantee return products or even ULIPs (Unit-Linked Insurance Product).

Definition of ILIP:

As its name goes, the Index-Linked Insurance Plan is that kind of **insurance product whose returns are linked to the benchmark indices** like Nifty or Sensex, Govt. bonds, 10-year Sovereign Bond Index etc.

If the policy is linked based on the Government bonds it becomes less risky. On the other hand, returns from equity linked indices are volatile being based on the performance of stock market.

Need of ILIP:

As per IRDAI, this **plan will be offered as the pension plan product**. Besides being **less risky in comparison to pure ULIP plans**, the said plan though will be benchmarked to an index subject to regulatory approval, but permits the insured person to receive a guaranteed value. Hence it lies between tradition plans and ULIP products.

Policyholders are more concerned about the guaranteed returns as well as volatility of the market in case of ULIP products. **ILIPs are the alternative or complementary option to** the current conventional guaranteed products such as annuities and savings products to the extent that they guarantee returns and investment risk due to market volatility is also low.

Different variants:

The committee has recommended to sub divide ILIP into **Variant 1 to Variant 3**. In each product type, Variant-1 will have the simplest structures and further allows more innovative and complex products.

How ILIP is different from Traditional Plan and ULIP:

Index Linked Insurance Products (ILIP) which could be seen as a category which **fits in between traditional products** where features can appear less transparent and the unit linked products (**ULIP**), where transparency is higher but the investment risks is too high for the policyholders. While recommending the ILIP, the IRDA Committee followed

the key principles of Transparency, Simplicity, Fairness, Awareness and Liquidity of Indices.

Some of the designs of the ILIP could be similar to that of the ULIP, so it would offer similar kind of transparency and flexibility but lesser risks for policy holders, particularly for low risk appetite customers like pensioners.

ILIP as non-Participating plan:

ILIP is going to be launched as non-participating plan in nature.

A participating traditional plan wherein every year the insurer declares a bonus, depending upon the performance of the participating fund that gets added to the maturity benefit.

A non-participating endowment plan is one where the maturity benefit is known upfront at the time of buying the policy.

Operations of ILIP:

As per the draft of the committee, it will be somewhat operated just like a bank account wherein every policyholder will have managed account separately.

The account value will reflect combination of premium paid by the policy holder and the gained interest from the specific index of that linked fund. The insurance companies would probably send the policy account's statement towards the end of each period of reporting so that the policyholders are aware of their account value

Impact on the industry:

As per IRDA, ILIP as **an index-linked insurance plan that has the mortality cost** (the cost of ensuring your life) explicit but leaves all other costs embedded in the product. **It is a step in the right direction** as it collapses all charges (other than mortality) into one expense ratio, but the draft does not mention what the cost caps are leaving room for misuse by the companies.

Conclusion:

It is often difficult for fund managers to beat the benchmark for the returns of their funds. Here the ILIP will help to fulfill the intent. On the other hand, it is expected that charges of ILIP will be low when compared to the traditional plans and ULIP.



Madan Mondal
Chief Manager
Baroda Apex Academy
Gandhinagar

अमरावती क्षेत्र द्वारा वसूली शिविर का आयोजन



03 मार्च, 2022 को अमरावती क्षेत्र द्वारा वसूली शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप अंचल प्रमुख श्री चंद्रमणि त्रिपाठी, क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती नंदिनी गायकवाड़, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस पी खैरनार तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

भोपाल क्षेत्र द्वारा उत्पादों के प्रचार-प्रसार हेतु प्रचार गाड़ी का शुभारंभ



15 फरवरी, 2022 को भोपाल क्षेत्र द्वारा बैंक के उत्पादों का प्रचार-प्रसार करने हेतु प्रचार गाड़ी को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री विपिन कुमार गर्ग, क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के तलरेजा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

भोपाल क्षेत्र द्वारा डीएसए बैठक का आयोजन



10 मार्च, 2022 को भोपाल क्षेत्र द्वारा प्रत्यक्ष बिक्री एजेंट (डीएसए) के साथ बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, भोपाल क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश कुमार तलरेजा, रतलाम क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुबोध इनामदार, उप क्षेत्रीय प्रमुख (भोपाल क्षेत्र) श्री जे पी यादव, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

नासिक क्षेत्र द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन



नासिक क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों के लिए 08 मार्च, 2022 को व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री राकेश कुमार, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल बड़जात्या, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

उदयपुर क्षेत्र द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन



21 मार्च, 2022 को उदयपुर क्षेत्र द्वारा शाखाओं के शाखा प्रमुख के लिए व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री महेंद्र सिंह महनोट, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री प्रदीप बाफना, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनिल कुमार माहेश्वरी, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनादि भट्ट, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अजमेर क्षेत्र द्वारा बीसी के लिए सम्मान समारोह का आयोजन



12 मार्च, 2022 को अजमेर क्षेत्र द्वारा बीसी हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री प्रदीप कुमार बाफना, क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा मेगा कृषि ऋण संवितरण समारोह का आयोजन



18 फरवरी, 2022 को बड़ौदा जिला क्षेत्र द्वारा मेगा कृषि ऋण संवितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव आनंद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अरविंद सिन्हा, अन्य स्टाफ सदस्य तथा ग्राहकगण उपस्थित रहे।

गोधरा क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



18 फरवरी, 2022 को गोधरा क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री आदित्य कुमार कनौजिया, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री नरेंद्र पांडेय तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

रतलाम क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



11 फरवरी, 2022 को रतलाम क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री विपिन कुमार गर्ग, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुबोध इनामदार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अम्बर जोशी तथा शाखाओं के शाखा प्रमुख उपस्थित रहे।

बैंक के निदेशक श्री अजय सिंघल का भोपाल दौरा



28 फरवरी, 2022 को भोपाल अंचल में बैंक के निदेशक श्री अजय सिंघल ने दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अंचल कार्यालय के स्टाफ सदस्यों को संबोधित किया। इस अवसर पर भोपाल अंचल के अंचल प्रमुख श्री गिरीश सी डालाकोटी, उप अंचल प्रमुख सुश्री मौसुमी मित्रा, उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री विपिन कुमार गर्ग, भोपाल क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश कुमार तलरेजा, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

Mumbai Metro West Region organises camp



On 19th March, 2022 Mumbai Metro West Region organised camp for Account opening, Credit Card, Defence salary at INS HAML. Regional Head Shri Nikhil Mohan, Defence Banking Adviser (Mumbai Zone) Capt. C L Saini and other Staff Members were present on the occasion.

वलसाड क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



06 मार्च, 2022 को वलसाड क्षेत्र द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने हेतु पुरस्कार एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री शरत कुमार पाणिग्रही तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अजमेर क्षेत्र द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन



11 मार्च, 2022 को अजमेर क्षेत्र द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कॉर्पोरेट कार्यालय, मुंबई से मुख्य महाप्रबंधक (रिटेल एवं देयताएं) श्री पुरुषोत्तम, क्षेत्रीय प्रमुख श्री एस के बिरानी, तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

नवसारी क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक और सम्मान समारोह का आयोजन



24 फरवरी, 2022 को नवसारी क्षेत्र द्वारा अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह की अध्यक्षता में शाखा प्रबंधकों के लिए समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में बॉब वर्ल्ड ऐक्टिवेशन एवं लीड जनरेशन, गोल्ड लोन आदि में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले शाखा प्रबंधकों को अंचल प्रमुख के कर-कमलों द्वारा प्रशस्ति पत्र एवं ट्रॉफी प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनोज गुप्ता, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री रजनी कान्त चौधरी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

लुधियाना क्षेत्र द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन



03 मार्च, 2022 को लुधियाना क्षेत्र द्वारा उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं को सम्मानित करने के लिए सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री विमल कुमार नेगी, क्षेत्रीय प्रमुख श्री विपिन कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री आशीष सोनी तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

उत्तरी दिल्ली क्षेत्र द्वारा एमएसएमई ग्राहक बैठक का आयोजन



12 फरवरी, 2022 को उत्तरी दिल्ली क्षेत्र द्वारा एमएसएमई ई-ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में क्षेत्रीय प्रमुख श्रीमती निधि कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनुज चित्रांश, शाखाओं से शाखा प्रमुख तथा ग्राहकगण उपस्थित रहे।

सूरत जिला क्षेत्र द्वारा कृषि ऋण वितरण शिविर का आयोजन



सूरत जिला क्षेत्र द्वारा व्यारा शाखा के सहयोग से 19 फरवरी, 2022 को कृषि ऋण वितरण शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री अश्विनी कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री संजीव श्रीवास्तव, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा ग्राहकगण उपस्थित रहे।

वाराणसी क्षेत्र और वाराणसी क्षेत्र 2 द्वारा बीसी सखी हेतु बैठक का आयोजन



15 मार्च, 2022 को वाराणसी क्षेत्र और वाराणसी क्षेत्र 2 द्वारा बीसी सखी हेतु बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारतीय रिजर्व बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री जे के दास, श्री अजय कुमार चौधरी, मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश बलियार सिंह, महाप्रबंधक श्री अनुज रंजन, बैंक के उपमहाप्रबंधक एवं एसएलबीसी प्रमुख श्री बी एस लूथरा, वाराणसी क्षेत्र के क्षेत्रीय प्रमुख श्री नीलमणि तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बांसवाड़ा क्षेत्र द्वारा व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन



बांसवाड़ा क्षेत्र द्वारा अंचल प्रमुख श्री महेंद्र सिंह महनोत की अध्यक्षता में दिनांक 21.03.2022 को शाखा प्रमुखों की समीक्षा एवं व्यवसाय बैठक का आयोजन किया गया। उक्त बैठक में श्री महेंद्र कुमार जैन, क्षेत्रीय प्रमुख एवं सहायक महाप्रबंधक, श्री जवानमल रमेशा, उप क्षेत्रीय प्रमुख के साथ शाखाओं से पधारे कार्यपालक गण एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

अमृतसर क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन



05 मार्च, 2022 को अमृतसर क्षेत्र द्वारा शाखा प्रबंधकों की समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री सतपाल मेहरा, वरिष्ठ कार्यपालकगण, शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

लखनऊ अंचल द्वारा सशत्र सुरक्षा गार्ड्स के वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन



26 मार्च, 2022 से 27 मार्च, 2022 तक लखनऊ अंचल द्वारा सशत्र सुरक्षा गार्ड्स के वार्षिक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री ब्रजेश कुमार सिंह, उप अंचल प्रमुख श्री अशोक कुमार सिंह तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

Ernakulam Zone organizes recovery camp



On 04th March 2022 Ernakulam Zone organized recovery camp for Top NPA borrowers. Shri. Kottarathil Sreejith, General Manager, Corporate Office, Mumbai, Shri Ziyad Rahuman, Deputy Zonal Head and other Staff Members were present on the occasion.

बड़ौदा अंचल में समीक्षा बैठक का आयोजन



08 मार्च, 2022 को बड़ौदा अंचल द्वारा कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता राय की अध्यक्षता में अंचल के सभी क्षेत्रीय प्रमुखों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री राजेश कुमार सिंह, सभी क्षेत्रों के क्षेत्रीय प्रमुख, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक एवं सम्मान समारोह का आयोजन



22 मार्च, 2022 को भीलवाड़ा क्षेत्र द्वारा शाखा प्रमुखों की समीक्षा बैठक के साथ सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री एम एस महनोत, क्षेत्रीय प्रमुख श्री सुरेश कुमार खटोड़, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री एम एल कुमावत तथा शाखाओं के स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

बड़ौदा शहर क्षेत्र II द्वारा मेगा कृषि ऋण संवितरण समारोह का आयोजन



20 फरवरी, 2022 को बड़ौदा शहर क्षेत्र II द्वारा करजन ग्राम में मेगा कृषि ऋण संवितरण समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री राजन प्रसाद, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री चन्द्रकान्त चक्रवर्ती, निकटवर्ती शाखाओं के शाखा प्रमुख तथा ग्राहकगण उपस्थित थे.

कोटा क्षेत्र द्वारा समीक्षा बैठक का आयोजन



कोटा क्षेत्र द्वारा 03 मार्च, 2022 को अंचल प्रमुख श्री महेंद्र सिंह महनोट की अध्यक्षता में शाखा प्रमुखों की व्यावसायिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर उप महाप्रबंधक (नेटवर्क) श्री प्रदीप बाफना, क्षेत्रीय प्रमुख श्री मुकेश आनंद मेहरा, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री तेज सिंह मीना, वरिष्ठ कार्यपालक एवं शाखा प्रमुख उपस्थित रहे.

गया क्षेत्र द्वारा स्वरोजगार ऋण वितरण अभियान



गया क्षेत्र की मानपुर शाखा द्वारा स्वयं सहायता समूह स्वरोजगार ऋण वितरण अभियान का आयोजन किया गया. इस अवसर पर पटना अंचल से उप महाप्रबंधक डॉ. सुरेश विदम्बरम, क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष कुमार, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री मनीष प्रकाश सिन्हा, शाखा प्रमुख श्री रतिकान्त झा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

कोलकाता अंचल द्वारा टाउन हॉल बैठक का आयोजन



15 मार्च, 2022 को कोलकाता अंचल द्वारा स्टाफ सदस्यों के लिए टाउन हॉल बैठक का आयोजन किया गया. इस अवसर पर कार्यपालक निदेशक श्री जयदीप दत्ता राय, अंचल प्रमुख श्री देवव्रत दास, उप अंचल प्रमुख श्री पी के दास, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

बर्धमान क्षेत्र द्वारा गृह ऋण शिविर का आयोजन



24 फरवरी, 2022 को बर्धमान क्षेत्र द्वारा तमलुक, गोबरा, कोंटाई एवं दुर्गाचक शाखा के समन्वय में शिक्षकों के लिए गृह ऋण शिविर का आयोजन किया गया. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रमुख श्री प्रदीप कुमार बेहरा तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

Udupi II Region organises Loan Expo Camp



On 10th February 2022 Udupi II Region organised Housing Loan, Vehicle Loan and Education Loan Expo. Regional Head Shri R V S V Sridhar, other Staff Members and customers were present on the occasion.

Pune City Region

Our Bank is setting new milestones of success and behind this lie the untiring efforts of our Barodian Colleagues. With a view to showcase their efforts we have started giving space to extraordinary performance of the Zones/ Regions adjudged the best amongst all, based on Baroda Sparsh Score. Accordingly, this space of our Journal has been earned by Pune City Region which has secured 2nd Position in January and March 2022. On behalf of Team Bobmaitri, we congratulate the entire Team of Pune City Region for this achievement. Now let's learn the Success Mantras from the leaders of the Region - Executive Editor

Key to Success

About Regional Head: Shri Vikash Kumar, AGM

It gives me immense pleasure to connect with you all for the first time through "Bobmaitri". As I took charge of Pune City Region on 1st October, 2021, journey has been truly rewarding with challenges and prospects to offer. The financial year gone was not easy due to downturn affected by Covid pandemic, particularly for Banking Industry.

I would like to state given the circumstances, Pune City Region's performance was commendable as our Bank has grown on all fronts, financially and operationally. This performance has been the result of diligent efforts and hard work of our TEAM.

It is a matter of pride to remain in top 05 region for consecutive 03 months in a row. My main focus is on Business Development through various banking products. Our main thrust has been Housing Loan, Personal Loan and CASA. Expansion of customer base by leveraging technology to enhance customer satisfaction. Strategy for robust cash recovery and reduction in NPA. Core agenda for success is to remain rooted at grass root level and find solutions to problems before it gets out of proportion.

I strongly believe in Team work which divides the task & multiplies the success. My vision is always plan for obstacle beforehand. I believe in working hard in the beginning of the quarter to make positively sure every single assignment is on track. Achievements could be possible only by my deep sense of commitment to corporate goals and dedication to fulfill expectations of management. Our motto is to take the time to get things right from the start. Each and every staff member in my region deserves special mention for contributing their best in keeping our region in top performing slot time and



**Shri Vikash Kumar,
Regional Head, Pune
City Region**

again in every parameters and frequently running campaigns.

We strive for excellence as a team in whatever we do and our motto is to give our optimum best and not worry about the outcome as it is a known fact that hard work and perseverance always pays and this has been my belief since the time I started with this great organization. While concluding thanks for goodwill and patronage from all of you and seek continued support in future to scale new heights for our esteemed organization.

Highlights of Business performance

Pune City Region is well spread Branch Network with total -53- branches (-49- Metro, -1-Semi Urban and -3-Rural) and Specialised branches: SMS, SMELF, ROSARB, Service branch, and Currency Chests. Pune is widely regarded as second major IT hub. Pune is also known as "Oxford of East" as it has wide range of educational institutions. We have deposits of some famous educational Institutes like Symbiosis, AISSMS, Sinhgad College, NESS Wadia College, B J Medical College and also their employees / Students members.

We are proud to mention that our branches have presence in ARAI (Automotive Research Association of India), IUCAA (Inter university Center for Astronomy and Astrophysics) which are well known national Institutes of India.

As on 31st Mar'22 Region has total Business of Rs.17084Cr. Region CASA deposit is Rs.4103Cr. Pune City has advances portfolio of Rs.3954Cr out of which 66% share is of Retail advances.

- **Region has surpassed Mar'2022 targets in Current deposit, Housing loan, Education loan, Retail Gold, Total Gold, MSME, Baroda Property Pride, Corporate Advances, Recovery, Operating profit, Non Interest Income.**

- Region has shown YOY growth of 32.43% in Current Deposit and 9% in Saving deposits.
 - Regions CASA ratio has also increased from 28.81% as on Mar'21 to 31.25% as on 31st Mar'2022.
 - Region has shown YOY absolute growth of Rs.524Cr in Total advances.
 - In retail advances Region has shown YOY growth of Rs.408Cr out of which Rs.261Cr is in Housing loan.
 - In Personal loan also Region has shown YOY rise of 74%.
 - In Retail gold loan Region has shown YOY rise of 257%.
 - Region's Collection Efficiency for Mar'2022 was 95.18%.
 - Region has surpassed Recovery targets and achieved 112% of allotted targets of Mar'2022.
 - NPA portfolio of Region is only 3.79% of Total Advances level.
 - Region has surpassed Debit card issuance, prepaid card issuance, UPI user Registration, BHIM Baroda Pay QR targets of FY 2021-22.
 - Region has surpassed Fee income targets from Forex, and Fee income other than WMS for FY 2021-22.
 - Region has NIL Loss making branches as on 31st Mar'2022.
8. Barodian First campaign of India First Region surpassed target by 135%.
 9. In BPL campaign of India First Region has won Final match and qualified for Final by sourcing premium of Rs.4.31Cr.
 10. Region has qualified under Baroda Dynamic Equity EFO Campaign and received award from WMS Head.
 11. In Sovereign Gold bond Series VII Region stood PAN India 2nd with 100% Branch Activation.
 12. Region has canvassed 3175 Credit cards and qualified under Masterstroke campaign and stood PAN India 20th position.
 13. Region qualified in Pride campaign for final Slab in India First Life insurance and Bronze Slab in General Insurance
 14. Region has maintained KRI-2 (No. of branches above Cash Retention Limit) at Zero percent throughout the FY 2021-22 and secured PAN India 1st position.
 15. Region received appreciation certificate for completion of Role based certification.

Details of Awards received by Region

Following are the achievements of the Region which have kept **REGION'S FLAG HIGH**.

1. In Monthly Rolling Trophy Region stood PAN India 3rd in Dec'21, 2nd in Jan'22 and 4th in Feb'22.
2. In BOOM BOOM CASA Campaign Region secured 3rd position.
3. Region has always been in PAN India TOP 5 in Monthly Auto Loan Disbursement.
4. In Commit to digital campaign (03.06.2021 to 02.07.2021) Region stood first in Zone by activating -9585- mobile Banking.
5. Digital Athlete campaign Region secured GOLD medal for Baroda connect.
6. Region has canvassed 98 POS applications since Apr'21 and is PAN INDIA No. 1 in Merchant Establishments.
7. In Wealth Foundation Fest campaign our Region qualified under all -5- parameters viz. India First Life insurance, General insurance, health insurance, Mutual Fund lump sum and SIPs.

Top Performing Branches in the Region



**Shri Omkar Satpute, Senior Manager,
NIBM Kondhwa Branch (Pune City Region)**

When you do the small things right, those small things lead to big change. Due to committed team of people working with me, we have achieved the target under maximum parameters in the region during the financial year 2021-22, our emphasis was to satisfy most of the customer by giving them quality service and make feel them wow about our Bank.



**Shri Balwant Kumar, Chief Manager,
Senapati Bapat Road, Pune City Region**

Our branch is one of the most prominent branches in the Pune City Region and keeping this in mind, we strive to achieve growth at the very beginning of each campaign. Success is not a momentary result, behind this, continuous meaningful efforts have an important role. I believe that the business goal is the pivot that gives us direction as well as constantly inspires and encourages. The goal itself provides the motivation to innovate the working style and modify the work behavior. During the financial year 2022-23, the branch basically carried out the functions with a focus on core business norms with team spirit and aspiration to provide excellent customer

service. As a result, the branch was able to achieve the targets of deposits and advances. Also the Branch did excellent work in various business campaigns of the Bank which included sanctioning of loans of more than 3 crores in auto loans, Notable work in retail loans, fixed deposits, in wealth business, etc in the month of March.



**Mrs. Amrita Sinha, Manager
Baner Branch, Pune City Region**

I joined Branch in September 2021 and it was my first assignment as a Branch Head. There were many challenges. Some of them were like achievement of targets, profitability as branch had incurred loss in September 2021 and enhancement of business in all core parameters. I am very thankful to whole team of our Regional Office and especially our Regional Head Vikash Kumar Sir who always believed in me and gave me golden opportunity to prove myself as a Branch Head.

I got very efficient and hardworking team in my branch. We as a team focused mainly on customer service and adding new customers to our branch for enhancement of CASA and thus achieved the targets of Current and Savings Deposit in March 2022. For advances target, we focused in car loans and housing loans. We contacted dealers nearby and processed car loan files within TAT of 2-3 days thus building a good relationship with the dealers. For housing loan we focused on projects and relationship with DSA who are active in nearby areas. Our Location having great potential helped us to canvass good and

quality business which led to the achievement of branch's target in all core parameters with quick customer service

Top performing Staff



**Shri Shakil Khan, Chief Manager,
SMS Kharadi (Pune City Region)**

"Working at Specialised Mortgage Stores in Present scenario when the entire Banking Industry is thriving with a purpose to grab more and more retail business, is very profound and challenging. In this demanding environment me and my Team has been assigned with a challenging Task of establishing a new Specialised Mortgage Store right from the scratch, in a cut throat competitive environment and that too in Mid of October, 2022, which is a crucial month of a crucial quarter as far as banking Business for the financial year is concerned.

I started with a strong feeling that with support of a good motivated Team, proper delegation of work among your Team any challenges can be dealt efficiently. It is very important to create an environment of belongingness and competition among the entire team and one has to earn the trust and cultivate a seed of ownership among the each and every single member of the team in order to reap maximum output.

I have exercised the same skills at my work place and the Entire Team of our Branch has taken this challenge as an opportunity to demonstrate their capabilities and able to achieve the remarkable numbers in Business Terms at the end of Financial Year."

आयोजन / Celebrations

Mangaluru Zone donates dish washer to Shree Kateel Durga Parameswari Temple



On 28th March, 2022 Mangaluru Zone donated dish washer to Shree Kateel Durga Parameswari Temple. Zonal Head Smt. Ghayathri R, Deputy Zonal Head Shri Gopala Krishna R, Regional Manager Mangaluru City Region Shri Sanjay Wali and other Staff Members were present on the occasion.

रायबरेली क्षेत्र में सम्मान समारोह का आयोजन



21 फरवरी, 2022 को रायबरेली क्षेत्र द्वारा पीएपीएल का लक्ष्य प्राप्त करने एवं उत्कृष्ट कार्यनिष्पादन करने वाली शाखाओं और स्टाफ सदस्यों को सम्मानित करने हेतु सम्मान समारोह का आयोजन किया गया. इस अवसर पर अंचल प्रमुख श्री बृजेश कुमार सिंह, क्षेत्रीय प्रमुख श्री राम बिनय कुमार सिंह, उप क्षेत्रीय प्रमुख श्री अनंत कुमार दास, वरिष्ठ कार्यपालकगण तथा अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे.

राजभाषा कार्यालय

बैंक के सभी राजभाषा प्रभारियों हेतु अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन



09 फरवरी, 2022 को प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा राजभाषा वार्षिक कार्ययोजना के संबंध में आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करने हेतु राजभाषा प्रभारियों हेतु अभिप्रेरणा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री अजय कुमार खोसला, प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह तथा सहायक महाप्रबंधक (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री पुनीत कुमार मिश्र और सभी राजभाषा प्रभारी उपस्थित रहे।

प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में विश्व हिन्दी दिवस का आयोजन



प्रधान कार्यालय, बड़ौदा द्वारा विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर 10 जनवरी, 2022 को भाषाओं पर चर्चा-परिचर्चा एवं अपने बैंक के स्टाफ सदस्यों में भाषायी रुचि बढ़ाने हेतु ऑनलाइन माध्यम से 'हिंदी का भविष्य और भविष्य की हिंदी' विषय पर भाषायी चौपाल का आयोजन किया गया। इस भाषायी चौपाल में सुप्रसिद्ध आलोचक, साहित्यकार, भाषाविद् एवं पूर्व विभागाध्यक्ष (हिंदी विभाग), कोलकाता विश्वविद्यालय डॉ. अमरनाथ ने अपना वक्तव्य दिया।

बैंक के संयोजन में बैंकों, बीमा कंपनियों एवं वित्तीय संस्थानों के लिए हिन्दी ई-टूल्स पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन



04 फरवरी, 2022 को हमारे बैंक और वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के समन्वय और संयोजन में बैंकों, बीमा कंपनियों एवं वित्तीय संस्थानों में कार्यरत स्टाफ सदस्यों के लिए हिन्दी ई-टूल्स पर ऑनलाइन कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भारत सरकार, वित्त मंत्रालय, वित्तीय सेवाएं विभाग के उप सचिव (राजभाषा) श्री संजय कुमार एवं उप निदेशक (राजभाषा) श्री भीम सिंह की विशेष रूप से उपस्थिति रही। इस कार्यक्रम में बैंकों/ बीमा कंपनियों के लगभग 1700 स्टाफ सदस्यों ने प्रतिभागिता की।

'भाषा-विमर्श' नामक राजभाषा कार्यशाला का आयोजन



22 मार्च, 2022 को प्रधान कार्यालय, बड़ौदा में कार्यरत स्टाफ सदस्यों के लिए 'भाषा-विमर्श' नामक राजभाषा कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (परिचालन) श्री अजय कुमार खोसला, प्रमुख (राजभाषा एवं संसदीय समिति) श्री संजय सिंह ने सभी प्रतिभागियों को संबोधित किया।



हम जनवरी-मार्च, 2022 के दौरान पदोन्नत हुए उप महाप्रबंधकों को बॉबमैत्री की ओर से हार्दिक बधाई देते हैं और इनके उज्वल भविष्य की कामना करते हैं। - संपादक

उप महाप्रबंधक



सुश्री रीता वी सदानंदन,
जेडआईएडी, एर्णाकुलम



श्री रामचंद्र नारायण बोकाडे,
बड़ौदा कॉर्पोरेट सेंटर, मुंबई



श्री कृष्णा ए प्रसाद,
बीजीजीबी, क्षेत्रीय कार्यालय, पाटन



श्री प्रेम प्रकाश सिन्हा,
बीयूपीबी, रायबरेली

Cyber Security – Knock. Knock.

When you love something, you protect it.
It's the most natural thing in the world.

- Thena (Eternals 2021)

Food, Clothing and Shelter - There are three Basic needs of humankind. They taught us this at school. It's the first chapter of human evolution and then civilization happened. Humans started agriculture and selling food and commercial crops. Industries came into picture to process the crops into food products. Centuries later, now we're almost at the beginning of starting of new civilization on Mars planet. If we can summarize human adventure on this planet, it can be summarized in the above scenario. Many things didn't make any sense 10 years ago which are vital now. Like Income Tax of 30% on investment in Crypto Currency in Budget 2022, It leads to one important thing we almost don't notice and talk about every day: Cyber Security.

As mentioned in one of the quotes above from Eternals movie, we need to protect what we love. It may be family, material essentials, money, assets or relationship etc. If we care about it, we must protect it. That's why more and more people need to care about Cyber Security and more measures need to be taken to reach this thing to every small village. According to Wikipedia, Computer security or cyber security is the protection of computer systems and networks from information disclosure, theft of or damage to their hardware, software or electronic data, as well as from the disruption or misdirection of the services they provide. In simple words, Information is the global currency. If a user searches Samosa Chutney on google and Two minutes later, he'll be shown ads by Food Delivery Companies that'll deliver Samosa and Cab Services to the local restaurant. Information or specifically Cyber Information is that much important to our lifestyle even if we realize it or not having said, Cyber Security is important to effectively collect bank customer's data to sell bank products according to their needs and protect the said information.

The Happening:

There are times when Grama Panchayath President / Sarpanch were the only few people who had bank accounts. Now times have changed and with Government pushing digital banking, opportunities are finally unfolding. Customers are like ecosystem. There are small plants, big trees, underwater plants, plants that only grow in shades etc. Banks customers also vary from Zero Balance Jan Dhan Customer to Baroda Platinum Customers who always have more than one lakh as minimum balance. Key thing is, we have to understand customer needs and sell the products accordingly. Like,

we can't sell Sukanya Samruddhi account to college student, there are other banking facilities he's in desperate need like mobile banking, debit card that gives maximum cash back on his shopping transactions. That being said, Customers Categorization is important and data storage of these customer data will lead us to the topic of Cyber Security.

Understanding Cyber Security:

In simple words, Cyber Security is like locker key to safe deposit locker of a customer in bank. Customer can utilize it to store his belongings safely which is protected and guarded by said locker key. Similar to that, Domain ID password, Finacle password, ATM Admin PassKey etc are important parameters that enable us the safe keeping of said data. In wrong hands, information can do lot worse damage and it can be a serious and imminent threat to customers, public money or even national defense.

Things to Do:

Here are few practices that will empower cyber security and will increase cyber protection.

- ✓ Change passwords regularly.
- ✓ Always download and update latest versions of trusted AntiVirus softwares, preferably paid version, wherever applicable.
- ✓ After finishing the work, always remember to log off.
- ✓ Don't use simple passwords like Spider-Man or Venom, always remember passwords and avoid writing it in notebook or sticky notes in PC.
- ✓ Avoid using unsecure public Wi- Fi, if you're working from home.
- ✓ Do not click or open mails from untrusted sources of emails.

To conclude, a team is as strong as its weakest player. Hence, Cyber SecuriTEA (Training, Education and Awareness) understanding and enforcement is much needed. As one of the old sayings goes, there is not Sec_urity without U. And there is no Secur_ty without I either.



ARUNKUMAR P T
Business Associate
Belaguru Branch
Regional Office, Hassan

कॉर्पोरेट एल्बम

Corporate Album

Bank and PAISALO enter into Co-Lending Agreement



On 24th March, 2022 Bank and Paisalo Digital Limited (Paisalo) signed a Co-Lending Loan Agreement to provide access to small-ticket finance for income generation to the country's micro, small and medium enterprises (MSMEs) and women entrepreneurs. Shri Dhruvashish Bhattacharya, Head-MSME Business, Shri Amit Tuli, General Manager, Shri Santanu Agarwal, Deputy CEO, Paisalo Digital Limited were present on the occasion.

Bank felicitates Srikanth Kidambi for his glorious achievement

On 5th January, 2022 Bank felicitated Srikanth Kidambi for his glorious achievement of becoming the 1st Indian Men's Single Badminton player to win a Silver at the BWF World Championships 2021. He was felicitated by MD & CEO Shri Sanjiv Chadha along with ED Shri Vikramaditya Singh Khichi. The felicitation event at the Bank's Corporate Office was attended by Executive Directors Shri Ajay K Khurana, Shri Debadatta Chand & Shri Joydeep Dutta Roy and other dignitaries.



Bank and BOB Financial's Executives honour Union Minister for National Covid-19 vaccination programme



On 29th March, 2022 Bank and BOB Financial's Executives honoured Dr. Mansukh Mandaviya, Union Minister of Health & Family Welfare and Chemical Fertilizers of India for successfully conducting the National Covid-19 vaccination programme. Shri Amit Tuli, Zonal Head, New Delhi along with Team BOB Financial, presented a cheque of INR 7.45 lakhs to the Hon'ble Union Minister towards the PM Cares Fund as a contribution for children's vaccination through the BOB Financial CSR program.

bob World

75
Azadi Ka
Amrit Mahotsav

एक ऐसा बचत
खाता जो है पूरी
तरह से डिजिटल.

खाते के साथ पाएं
आकर्षक उपहार



B3 | प्लस एज अल्ट्रा
खाता खाता खाता
शून्य शेष न्यूनतम ₹ 25,000/- न्यूनतम ₹ 50,000/-

एक खाता जो आपकी तरह रहता है ऑनलाइन.



क्यूआर कोड स्कैन करें
bobworld.com पर जाएं

